जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 104 प्रभात उदयपुर, बुधवार 16 फरवरी, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

वैस्टर्न ऑस्ट्रेलिया का पैनग्विन आइलैण्ड, जहां पैनग्विन की विशिष्ट प्रजाति, लिटिल पैनग्विन मिलती हैं, में 3.3 मिलियन डॉलर का डिस्कवरी सैंटर बनाने की योजना है। संरक्षणविदों का कहना है कि इस निर्माण से इस संकटग्रस्त पक्षी की बस्ती को और भारी खतरा पैदा हो जाएगा। राज्य की नई पर्यावरण मंत्री रीस विटबी ने हाल ही में इस सैंटर का कॉन्सैप्ट डिज़ाइन जारी किया, जिसके तहत मौजूदा सैंटर को तोड़कर 50 मीटर दूर नया सैंटर बनाया जाएगा, जिसमें ऊंचा मंच होगा और फव्वारे लगाए जाएंगे। पर्यावरण मंत्री के अनुसार नए सैंटर की मदद से, आइलैण्ड एवं सिटी ऑफ रॉकिघंम, लिटिल पैनग्विन की बेहतर देखभाल करने में अधिक सक्षम होंगे और सुरक्षित रूप से इंसान भी इन अनोखे जीवों को देख पाएंगे। निर्माण कार्य वर्ष 2023 में गर्मी के दो महीनों में होगा। गौरतलब है कि गर्मी में द्वीप बंद कर दिया जाता है। लेकिन संरक्षणविदों का कहना है कि, यह योजना ध्यान भटकाने के लिए है, बेहतर यह होगा कि इस द्वीप को अकेला छोड़ दिया। इस द्वीप पर लिटिल पैनग्विन घटती आबादी से पीड़ित हैं, इसके अलावा, गत प्रजननकाल बहुत खराब था, सन् 2021 में जितने चूजे जन्मे उनमें से आधे मर गए जो उनकी कुल आबादी का दस प्रतिशत था। इस द्वीप की पैनग्विन आनुवंशिक रुप से अलग समझी जाती हैं। यद्यपि वैज्ञानिक जांच में अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। ये पैनग्विन पहले से ही जलवायु परिवर्तन से जूझ रही हैं और इंसानी गतिविधियों ने इनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। वैज्ञानिकों ने सरकार के प्रस्ताव पर नाराजगी जताई है। मरडॉक युनिवर्सिटी के डॉ. जो फॉन्टेन ने कहा कि, ऊंचा मंच बनाने और फव्वारे लगाने का प्रस्ताव छलावा है, क्योंकि इस पैनग्विन कॉलोनी के लिए द्वीप में घोंसला बनाने के स्थान की समस्या नहीं है। ये लोग बार बार जलवायु परिवर्तन के बहाने की आड़ ले रहे हैं, पर यह नहीं मान रहे कि, इंसान की गतिविधियां इस क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं, बेहतर होगा इस क्षेत्र को अकेला छोड़ दिया जाए।'' उन्होंने कहा, ''पैनग्विन के प्रजनन केन्द्रों पर इंसानी आवाजाही इन पक्षियों को परेशान कर सकती है। ये पक्षी ऐसी जगहों पर ही घोंसला बनाते हैं, जो इंसानी पहुंच से दूर हों।'' उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में जब वयस्क पैनग्विन ''निर्मोचन'' की प्रक्रिया में होते हैं, तब वो गहरे पानी में नहीं तैर सकते, इसलिए समुद्र किनारे के उथले पानी में डुबकी लगाते हैं। परंतु यदि बड़ी संख्या में आसपास लोग मौजूद होंगे तो पैनग्विन नहीं आएंगी और कुछ पैनग्विन गर्मी से मर भी सकती हैं।

राहुल गांधी व सचिन पायलट की गोवा एयरपोर्ट पर संयोगवश मुलाकात

पर संयोगवश मुलाकात, गोवा व राजस्थान की राजनीतिक स्थिति पर लम्बे व विस्तृत मंथन में परिवर्तित हुई

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। यह मुलाकात संयोग से हो गई थी। लेकिन इसने एक राजनैतिक विचार-विमर्श का रूप ले लिया।

हुआ यह कि राहुल गांधी गोवा से विदा ले रहे थे और सचिन पायलट अपना प्रचार अभियान करने गोवा पहुँच रहे थे। दोनों गोवा हवाई अड्डे पर मिल गये तथा दोनों में पाँचों राज्यों के विधानसभा चुनावों के बारे में लम्बी एवं विस्तृत राजनैतिक चर्चा हुई, जिनमें से कुछ राज्यों में तो कांग्रेस, भाजपा से जमकर संघर्ष कर रही हैं।

- **प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह भी बात हुई कि, अब राजस्थान विधानसभा चुनाव में लगभग दो साल ही बाकी हैं, अतः मु.मंत्री द्वारा राजनीतिक नियुक्तियों की आधी सूची जारी करना उचित नहीं, क्योंकि अगर पार्टी के और कार्यकर्ताओं को राजनीतिक पद का लाभ मिलता, वे और उत्साह से राजनीतिक गतिविधि व चुनाव की तैयारी में जुड़ते।**
- **अजय माकन भी इस मंथन के दौरान गोवा में मौजूद थे तथा पायलट ने राहुल गांधी से हुई बातचीत के सारांश से माकन को फोन द्वारा वाकिफ कराया गया।**
- **राहुल गांधी पंजाब, उत्तराखण्ड व गोवा में पार्टी की सरकार बनने के बारे में आशान्वित हैं तथा यू.पी.में मुख्य संघर्ष भाजपा व सपा के बीच में है तथा कांग्रेस को ज्यादा आशा नहीं।**
- **सचिन पायलट ने इन चारों राज्यों में सघन प्रचार अभियान चलाया है।**

समझा जाता है कि चर्चा में राजस्थान का जिक्र भी आ गया, जहाँ अभी केवल आधी राजनैतिक नियुक्तियाँ ही हुई हैं क्योंकि शेष नियुक्तियों पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कुंडली मार के बैठे हुये हैं।

सचिन पायलट का विचार यह रहा है कि राजस्थान के अगले विधानसभा चुनावों में अब दो साल से भी कम समय रहा है तथा अब समय आ गया है कि ये काम जल्दी कर लिये जायें तथा राजनैतिक निर्णय लेने में शीघ्रता की जाये, जिनसे उन बहुत से पार्टी कार्यकर्ताओं का भला हो, जो समायोजित होने के लिये लम्बे समय से प्रतीक्षा कर रहे हैं।

मजेदार बात यह है कि अजय माकन भी पार्टी के प्रचार के सिलसिले में उस समय गोवा में ही थे। समझा जाता है कि माकन और पायलट की भेंट तो नहीं हुई लेकिन इन दोनों में फोन पर बातचीत जरूर हुई तथा बातचीत उन्हीं निष्कर्षों के इर्द-गिर्द रही, जो राहुल गांधी और सचिन पायलट की भेंट के दौरान हुई चर्चा में निकले थे।

समझा जाता है कि पंजाब, उत्तराखंड तथा गोवा में पार्टी की चुनावी संभावनाओं को लेकर, राहुल गांधी काफी आशान्वित हैं। उन्हें आशा है कि इन राज्यों में, कांग्रेस सरकार बनाने की दिशा में बढ़ सकती है। लेकिन समझा जाता है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति को लेकर, राहुल गांधी ज्यादा आशान्वित नहीं हैं, जहाँ मुख्य टक्कर भाजपा एवं समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच है।

सचिन पायलट गोवा पहुँचने से पहले, शेष चार राज्यों में आक्रामक रूप से प्रचार तथा राज्य-दर-राज्य तूफानी दौरा करते आ रहे हैं।

'एक समय आता है, जब हद हो जाती है और आप आगे बर्दाश्त नहीं कर सकते'

इन शब्दों के साथ पंजाब के पूर्व मु.मंत्री अमरिन्दर सिंह के पुराने नजदीकी अश्विनी कुमार ने कांग्रेस छोड़ी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। 20 फरवरी को होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव से मात्र 5 दिन पहले राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह के निष्ठावान तथा प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सरकार में विधि मंत्री रहे अश्विनी कुमार ने आज कांग्रेस छोड़ दी। उन्होंने कहा कि ''एक समय ऐसा भी आ जाता है, जब आप और अधिक नहीं सहन नहीं कर सकते हैं।''

अश्विनी कुमार कभी मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह के खेमे में थे तथा वे उस समय भी उनके साथ खड़े रहे थे, जब अर्जुन सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव के खिलाफ विद्रोह किया था।

अश्विनी ने भविष्यवाणी की कि उन्हें ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस ''निकट भविष्य'' में गर्त में चली जायेगी।

- **पर, अश्विनी कुमार का, पार्टी से इस्तीफा देने का कारण शायद था कि, पिछले कुछ समय से न तो राहुल गांधी और न ही प्रियंका गांधी से उन्हें खास तवज्जो मिल रही थी।**
- **हालांकि, उन्होंने भाजपा से जुड़ने की संभावना से इंकार किया, पर चर्चा है कि, वे पंजाब के चुनाव खत्म होने का इंतजार कर रहे हैं और फिर या तो अमरिन्दर की पार्टी से जुड़ेंगे या भाजपा में शामिल होंगे।**
- **यह भी माना जा रहा कि, भाजपा के मीडिया मैनेजरों ने गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी, अश्विनी कुमार के इस्तीफा देने में, जिससे कांग्रेस के खिलाफ कुछ वातावरण बने।**

अश्विनी कुमार, जो पेशे से वकील हैं, काफी समय से स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहे थे क्योंकि उन्हें न तो राहुल गांधी कोई महत्व दे रहे थे और न प्रियंका गांधी। इसलिये उन्होंने अपने इस्तीफे की घोषणा के लिये विधानसभा चुनावों का समय तय किया ताकि मतदान पर प्रभाव पड़ सके।

यद्यपि, उन्होंने जोर देकर यह बात कही है कि वे इस समय भाजपा में शामिल नहीं हो रहे हैं लेकिन उनके निकटवर्ती सूत्रों का कहना है कि वे 10 मार्च को घोषित होने वाले विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार कर रहे हैं। उसके बाद, वे या तो कैप्टन अमरिन्दर सिंह की पार्टी में चले जायेंगे या भाजपा में शामिल हो जायेंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस राष्ट्र के मूड को नहीं पहचान रही है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिये बिना कहा कि पार्टी द्वारा प्रोजेक्ट किये जा रहे नेता लोगों को स्वीकार्य नहीं हैं।

69 वर्षीय अश्विनी कुमार ने कहा, ''यह प्रश्न बार-बार पूछा जाता है कि अगर लोग प्रधानमंत्री से खुश नहीं हैं तो फिर कांग्रेस को चुनकर सत्ता में क्यों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजधानी दिल्ली के अफसर!

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने इस बावत सुनवाई के लिये 3 मार्च की तारीख दे दी कि राजधानी के नौकरशाह किसके नियंत्रण में होने चाहिये। यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर केन्द्र और दिल्ली सरकार में लम्बे समय से टकराव चल रहा है।

वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने यह प्रकरण त्वरित सुनवाई के लिये मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना की अध्यक्षता वाली बैंच के समक्ष दिल्ली सरकार की ओर से रखा तथा यथा सम्भव शीघ्र सुनवाई, मार्च के शुरू में ही, करने का अनुरोध किया।

- **अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में यह सवाल उठाया कि, इन अफसरों पर किसका नियंत्रण होना चाहिये, दिल्ली सरकार का या केन्द्रीय सरकार का।**

उन्होंने कहा कि यह प्रकरण राजधानी की सरकार और प्रशासन से संबंधित कानून के एक महत्वपूर्ण पहलू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यह रहस्यमय ''बाबा'' कौन है, जिसने नैशनल स्टॉक एक्सचेंज में चार खरब डॉलर का स्कैम किया

एन.एस.ई. की प्रबंध निदेशिका, चित्रा रामकृष्णा पूर्णतया ''बाबा'' के इशारों पर काम कर रही थीं

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 15 फरवरी। कांग्रेस ने मंगलवार को सेबी (सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) को शुक्रवार के इस जबरदस्त रहस्योद्घाटन को हाथों हाथ लपक लिया कि हिमालय में रहने वाला कोई रहस्यमय ''बाबा'' भारत के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज, द नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को संचालित कर रहा है। यह संचालन वह एनएसई के मैनेजिंग डायरेक्टर तथा सी ई ओ चित्रा रामकृष्णा के जरिये कर रहा था, जिसे दिसंबर 2016 में बर्खास्त कर दिया गया था।

यह बाबा, जो इमेल के जरिये संदेशों का आदान-प्रदान करता था, एन एस ई के प्रमुख प्रबंधकीय अधिकारी की नियुक्ति कर रहा था तथा चित्रा रामकृष्णा को आदेश दे रहा था कि करीब 4 ट्रिलियन (303 लाख करोड़ रु. के कुल बाजारी पूंजीकरण (मार्केट

- **ये बाबा गत दशकों से प्रबंध निदेशक चित्रा रामकृष्णा को ''गाइड'' कर रहे थे, स्टॉक एक्सचेंज के चलाने में तथा न सेबी न वित्त मंत्रालय या सरकार की किसी एजेंसी ने कोई आपित्त की।**

केपिटलाइजेशन) वाले इस स्टॉक एक्सचेंज को कैसे संचालित किया जाये। ज्ञातव्य है कि यह पूंजी 5 ट्रिलियन की उस अर्थव्यवस्था से मात्र 1 ट्रिलियन ही कम है, जिसका वादा प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र से किया था।

सेबी को पता चला कि चित्रा रामकृष्णा को 2016 में कैसे हटाया गया था। दरअसल, को-लोकेशन, व्यापार घोटाले, अधिकार के दुरुपयोग तथा पूर्ण सुरक्षित स्थिति में एन एस ई के संचालन में सत्ता के दुरुपयोग में चित्रा रामकृष्णा की प्रमुख भूमिका थी। यही नहीं, वरिष्ठ प्रबंधकों तथा प्रमोटरों, जिनमें बड़े सरकारी संस्थान तथा विभिन्न बैंक भी शामिल थे, ने कभी भी इस पर आपत्ति नहीं उठाई, रामकृष्णा का विरोध नहीं किया। कांग्रेस प्रवक्ता प्रो. गौरव वल्लभ ने कहा कि जब रामकृष्णा ने एन एस ई छोड़ा, तो उसे जेल में डालने के बजाय, वेतन तथा अन्य बकाया राशि के रूप में, उसे पद से हटाते समय 44 करोड़ रु. और दिये गये।

गौरव वल्लम ने कहा कि रामकृष्णा के अलावा किसी को नहीं मालूम कि यह बाबा या योगी आखिर कौन है। रामकृष्णा दावे के साथ कहती है कि बाबा को ''आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त है तथा वह स्वयं को कहीं भी, डहां भी वह चाहे, प्रकट कर सकता है तथा उसका कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'युवा राजनीति में आयें'

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। पूर्व विदेश मंत्री कुंवर नटवर सिंह जिनका सारी जिंदगी विदेश नीति से संबंधित मुद्दों से ही सरोकार रहा है, पहले तो आई.एफ.एस. (इण्डियन फॉरेन सर्विस के अधिकारी) के रूप में बाद में विदेश मंत्री के रूप में और वे गांधी परिवार के भी बेहद करीबी रहे हैं, ने युवाओं से राजनीति में आने की अपील की ताकि गलत लोगों को राजनीति से दूर रखा जा सके, उन्होंने युवाओं से कहा कि उन्हें निचले स्तर से काम करना चाहिए। दिल्ली के एक ऑर्थोपैडिक डॉक्टर मयंक दराल, जो कि ''डिकोडिंग इलैक्शन्स''

- **पूर्व विदेश मंत्री ने अपनी नयी पुस्तक ''वन लाइफ इज़ नॉट इनफ'' के रिलीज़ होने की पूर्व संध्या पर, एक इन्टरव्यू में कहा।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूक्रेन संकट अन्ततोगत्वा धीरे-धीरे खत्म हो रहा है

रूस ने यूक्रेन सीमा से अपनी सेना हटाना शुरू किया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। यूक्रेन के साथ लगती अपनी पूर्वी सीमा पर से अपने सैनिकों की शनैः शनैः वापसी की रूस की घोषणा कूटनीति का एक मास्टर स्ट्रोक हैं।

रूस के रक्षा मंत्री ने बुधवार को घोषणा की कि यूक्रेन की सीमा के पास मोर्चा लेकर बैठी रूसी सेना के कई घटकों ने अपना मिशन पूर्ण कर लिया है तथा उसे वापस भेजा जा रहा है।

यह खबर मिलते ही विश्व के फायनैंशियल मार्केट्स में उछाल आ गया और तेल की कीमतों में सुधार हुआ, इस उम्मीद के साथ कि यूक्रेन संकट अब अंततः थम जाएगा।

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह घोषणा तब की जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जर्मनी के नए चांसलर ओलाफ शौल्ज़ की मॉस्को में जोर-शोर से मेहमानबाजी कर रहे थे।

- **पर, रूस की सेना की वापसी की ''टाइमिंग'' बहुत ही सटीक रही। जब जर्मनी के चांसलर रूस में तनाव घटाने के लिये आयोजित सद्भावना यात्रा पर थे, तब रूस ने सेना हटाने का निर्णय लेने के संकेत दिये। इससे पूर्व जब ब्रिटेन के विदेश मंत्री व फ्रांस के राष्ट्रपति रूस गये थे, सेना की सीमा से वापसी की बात करने, रूस ने उन्हें तिरस्कृत करके वापस भेजा था।**
- **रूस के, ब्रिटेन व फ्रांस के प्रतिनिधियों के साथ रूखे व्यवहार का कारण शायद यह था कि, रूस महसूस कर रहा था कि, यूक्रेन का घाव पूरी तरह से पका नहीं था, उस समय।**
- **जब रूस के सैन्य बल का रूतबा पूरी तरह से सबके सामने आ गया, तभी रूस ने सेना हटाने का निर्णय लिया।**
- **रूस चाहता था, यूरोप उसके सैन्य बल से भयभीत रहे और रूस की सीमा पर स्थित छोटे-छोटे राष्ट्रों को नाटो से जोड़ने के प्रयास न करे।**
- **रूस की ओर से इस यूक्रेन संकट का मकसद था, विश्व को जता देना कि, रूस को ''हल्के तरीके'' से लेना ठीक नहीं। रूस अपना मकसद हासिल करने में सफल रहा।**

रूस के कूटनीतिज्ञों द्वारा जर्मन चांसलर की खातिरदारी, यू.के. के विदेश मंत्री के साथ किए गए द्वेषपूर्ण व्यवहार से सर्वथा विपरीत है। यहां तक कि फ्रांस के राष्ट्रपति को भी इतनी तवज्जो नहीं दी गई थी।

रूस के दौरे पर आए ब्रिटेन के विदेश मंत्री की रूस के विदेश मंत्री के साथ हुई एक संयुक्त प्रैस कांफ्रैंस में मेजबान मंत्री यह टिप्पणी कर एकाएक वहां से चले गए कि संवाद ''एक गूंगे और एक बहरे'' के बीच है। दौरे पर आए गणमान्य अतिथि को फिर आलोचना झेलने के लिए अकेला छोड़ दिया गया।

यूरोप की इस चरम चुनौती के बीच कूटनीतिक वार्ताओं में जर्मनी को महत्व देना मॉस्को की धमकी के विरूद्ध यूरोपीय यूनियन में पश्चिमी देशों की एकजुटता भंग करने का एक स्पष्ट प्रयास है।

एक सप्ताह पूर्व ही जब फ्रांस के राष्ट्रपति एमानुएल मैक्रॉन अपनी स्वयं की पहल पर ही तनाव समाप्त करने के लिए मॉस्को दौरे पर थे, तब उनके साथ हुई एक संयुक्त प्रैस कांफ्रैंस में पुतिन आवेश में आ गए थे। उन्होंने मिन्स्क समझौते की पालना को लेकर यूक्रेन और खासतौर पर उनके राष्ट्रपति के विरूद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग किया था।

चूंकि, फ्रांस अगले छह माह के प्रति यूरोपीय यूनियन (ई.यू.) का प्रैसिडैन्ट है, इसलिए वहां की पूर्वी सीमा पर शांति स्थापित करने की उसकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''सैक्युलर''

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। भारत के पूर्व विदेश मंत्री के. नटवर सिंह (93) ने कहा है कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए अपने पुत्र को इसके लिए प्रेरित नहीं किया था, लेकिन उनके स्वयं के भाजपा में शामिल होने का कोई प्रश्न नहीं है, क्योंकि ''हमारे जीवन मूल्य अलग हैं।''

उनके यहां जोरबाग स्थित आवास पर इस माह की शुरूआत में डॉ. मयंक दराल द्वारा लिए गए एक साक्षात्कार में नटवर सिंह ने कहा कि वह एक अच्छे हिन्दू हैं किन्तु उस हिन्दुत्व के प्रति उत्साहित नहीं है, जिस पर भाजपा अमल करती है और यही मूलभूत विभेद है।

- **नटवर सिंह ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि, गत साल में प्र.मंत्री ने एक बार भी इस शब्द का इस्तेमाल नहीं किया।**

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर भी कटाक्ष किया कि उन्होंने पिछले सात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कितने देव, कितने धर्म, कितने पंथ चल पड़े, पर इस शोकग्रस्त संसार को केवल दयावानों की आवश्यकता है। –विलकास्य

गणवेश पर आवेश क्यों?

प्रधानमंत्री जी ने 2014 के लगभग चुनाव प्रचार के समय एक ऐसे भारत की कल्पना जनता के समक्ष प्रस्तुत की थी जिसमें भारत के मुसलमान एक हाथ में कुरान और दूसरे हाथ में कंप्यूटर लिए हों। हाल ही में कर्नाटक के उडुपी जिले के एक महाविद्यालय में हिजाब पहनी हुई एक मुस्लिम लड़की मुस्कान को जिस प्रकार कुछ कट्टर वादियों में घेर कर परेशान किया, उससे उनकी इस कल्पना को ठेस ही पहुंची है।

इस घटना के बाद पूरे देश में मुस्लिम संगठनों ने अपनी महिलाओं को आगे कर अलग-अलग जगह प्रदर्शन किए। वे हिजाब पहनने को इस्लाम का आवश्यक अंग बता रहे हैं जबकि कई मुस्लिम विद्वान ऐसा नहीं मानते हैं। हम यहां पर इस प्रश्न पर चर्चा नहीं करेंगे कि मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनना चाहिए अथवा नहीं। हम इस लेख में केवल अपना विषय इस बात पर सीमित रखेंगे कि विद्यालय में पढ़ने वाली मुस्लिम लड़की का विरोध कट्टरवादी संगठनों ने जिस प्रकार उत्तेजनापूर्वक किया, वह उचित था अथवा अनुचित। कहा गया है कि इस महाविद्यालय में पूर्व में भी कई मुस्लिम लड़कियां हिजाब पहनकर आती रही हैं। अब तक किसी ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। महाविद्यालय प्रबंधन ने दो माह पूर्व आदेश जारी कर हिजाब पहनकर पढ़ने वाली लड़कियों पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद वह घटना हुई जिसका ऊपर उल्लेख किया गया है। कई लोग अनजाने में हिजाब को बुर्का मान रहे हैं जो गलत है। बुर्का और हिजाब अलग-अलग परिवेश हैं। हिजाब कुछ कुछ एक दुपट्टे जैसा है जिससे सिर ढका जाता है। लड़कियां हिजाब पहनकर केवल घर से महाविद्यालय तक जाती हैं एवं उसके बाद महाविद्यालय में ही हिजाब उतार कर निर्धारित यूनिफॉर्म में क्लास में बैठती हैं। यह पूरा विवाद महाविद्यालय स्तर पर ही सरलता से संवाद के माध्यम से निपटाया जा सकता था। प्राचार्य, हिजाब पहनने वाली छात्राओं के माता-पिता को समझाइश कर सकते थे। इसके बाद यह प्रकरण जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कतई नहीं बढ़ता।

उडुपी के महाविद्यालय में छात्रों के अतिरिक्त बाहर के अन्य संगठनों के उग्रवादी लोगों ने महाविद्यालय में प्रवेश कर इसे अलग ही रूप दे दिया।

जहां तक ड्रेस कोड का प्रश्न है, कई शिक्षण संस्थानों ने अपने छात्र छात्राओं हेतु एक यूनिफॉर्म निर्धारित कर रखी है। सामान्यतया, सभी विद्यार्थी उसी को पहनकर विद्यालय-महाविद्यालय में आते हैं। इसका उद्देश्य यही है कि किसी भी प्रकार की धार्मिक अथवा वर्ग विशेष की पहचान प्रकट नहीं हो और भेदभाव का कोई भाव उत्पन्न न हो । सभी विद्यार्थी समान रूप से व्यवहार पा सकें। इससे इस बात की संभावना समाप्त हो जाती है कि अमीर परिवारों के बच्चे विभिन्न प्रकार के महंगे फैंसी कपड़े पहनकर विद्यालय में ना आएं ताकि कम आय वाले परिवारों के बच्चों में किसी प्रकार की हीन भावना विकसित ना हो। जहां तक कर्नाटक के इस महाविद्यालय में ड्रेस पहन कर आने का प्रश्न है, इसका निर्णय महाविद्यालय प्रबंधन को करने का अधिकार है। यदि कोई लड़की इसका उल्लंघन करती है तो उसके विरुद्ध कार्यवाही का अधिकार केवल महाविद्यालय प्रबंधन का है। इसमें किसी भी समुदाय के किसी भी व्यक्ति का कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए।

महाविद्यालय-विद्यालय से जब हम यह उनके प्रांगण से बाहर ले आते हैं एवं उनका राजनीतिकरण कर देते हैं तब ही समस्या प्रारंभ होती है, और उसके पश्चात प्रक्रिया-प्रतिक्रिया का ऐसा दौर प्रारंभ हो जाता है जो कई बार हिंसात्मक रूप भी ले लेता है। घर से महाविद्यालय आते समय मुस्लिम लड़कियां क्या पहनती हैं, इससे कोई सरोकार किसी को नहीं होना चाहिए। जब एक बार प्रांगण में प्रवेश करने के पश्चात यदि वह निर्धारित ड्रेस पहनती है, तो किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? इसके अलावा यह भी तय किया जा सकता है कोई लड़की निर्धारित यूनीफॉर्म की रंग का कोई अलग पहनावा पहने तो किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। इसी प्रकार यदि मुस्लिम छात्राएं हिजाब पहने और उसका रंग भी यूनिफार्म का हो तो इस पर लचीला रुख अपनाया जाना चाहिए।

वैसे भी सिख समुदाय के छात्रों को केश रखने, पगड़ी पहनने एवं कड़ा पहनने की छूट पहले ही सभी संस्थानों दे रखी है। इस प्रकार के अनावश्यक विवाद के कारण हमने शिक्षा प्राप्त करने के मूल विषय से भटका दिया है। यदि मुस्लिम लड़कियों को विद्यालय में पढ़ने से इसलिए वंचित किया जाएगा कि वे हिजाब पहनकर आई हैं, तो हम मुस्लिम लड़कियों के प्रति घोर अन्याय ही करेंगे। वैसे ही मुस्लिम समुदाय में शिक्षा अपेक्षाकृत काफी कम है, विशेषकर लड़कियों में, और अब जबकि वे आगे बढ़कर विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं तो केवल वेशभूषा के आधार पर उनके प्रति भेदभाव करना और उन्हें शिक्षा से वंचित करना होगा। क्या हम ऐसा भारत चाहते हैं जिसमें कुछ समुदाय शिक्षा से केवल वेश-भूषा के कारण वंचित रहें? उडुपी में भी महाविद्यालय के प्राचार्य एवं छात्र आपस में बात करके इस बात को समाप्त कर सकते थे और शायद हल निकाल भी लिया गया था, किंतु कुछ कट्टर पंथी संगठन जोर-जबरदस्ती से विरोध किया, जिससे यह मामला तूल पकड़ गया और सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया। प्रकरण में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने महाविद्यालय के हिजाब पर प्रतिबंध लगाने वाले आदेश पर स्थगन देने से मना कर दिया है। सुनवाई होने के पश्चात इस पर अंतिम निर्णय न्यायालय संविधान के प्रावधानों के अंतर्गत पारित करेगा। इसके पश्चात संभवतः इस समस्या का निकल जाएगा। कुछ लोग इसे उच्चतम न्यायालय में ले गए थे, उस पर उच्चतम न्यायालय ने इसका संज्ञान लेने से फिलहाल मना कर दिया, जो शायद उचित ही था।

> **शिक्षा ही वह माध्यम है जो विभिन्न धर्मों, समुदायों की दूरियों को कम कर सकती है। अब यदि शिक्षा के मंदिर को ही हम धर्मान्धता को बढ़ाने एवं कटुता का साधन बना देंगे तो हम देश को दशकों पीछे धकेल देंगे। विचार इस पर होना चाहिए कि कैसे अल्प संख्यक सहित सभी समुदाय विशेषकर महिलाएं कैसे तीव्र गति से शिक्षित हों।**

हमारा देश, अन्य देशों से एकदम अलग तरह का है, जहां अनेक प्रकार की भाषाएं बोली जाती हैं, कई धर्म हैं। संविधान में भी देश को धर्मनिरपेक्ष माना है। इसका अर्थ यही है कि प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म का पालन करने और उसके अनुसार जीवनयापन करने की स्वतंत्रता है। हमने खेलों में भी देखा है कि ईरान जैसे देशों की महिला खिलाड़ियों ने, हिजाब में पूरे शरीर को ढककर, कबड्डी जैसे खेल में न केवल भाग भाग लिया बल्कि एशियाई खेलों में उन्होंने स्वर्ण पदक भी प्राप्त किया। इसका तात्पर्य है कि किसी की वेशभूषा उसके खेलने तक में आड़े नहीं आती है, तो फिर किसी भी शिक्षण संस्थान में शिक्षा ग्रहण करने पर यह आड़े क्यों आनी चाहिए? जब तक किसी की वेशभूषा अपने काम या पढ़ाई में रुकावट उत्पन्न ना करें, नागरिक को यह स्वतंत्रता होनी चाहिए कि वे अपनी मान्यताओं के अनुसार कपडे पहन सकें। इनके आधार पर किसी भी व्यक्ति को देशभक्त या देशद्रोही घोषित करना उचित नहीं होगा और यह समाज को यह विभाजित करने की ओर ही प्रेरित करेगा।

भारत की प्रगति के लिए आवश्यक है कि विभाजनकारी तत्त्वों पर रोक लगाई जाए ना कि उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। संभवतया ऐसा उत्तर प्रदेश में चल रहे हैं विधानसभाओं के चुनाव को ध्यान में रखकर किया गया हो ऐसी घटनाओं के संबंध में जो बयान दिए जाते हैं, वे विभिन्न समुदायों में खाई उत्पन्न करने का कार्य करते हैं, जो किसी भी रूप से देश हित में नहीं कहा जा सकता है। जब किसी ने सिख धर्म की वेशभूषा धारण करने पर आज तक कोई आपत्ति नहीं की, और ना होनी चाहिए, तो फिर मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने पर आपत्ति क्यों? क्या यह प्रश्न संबंधित परिवारों पर अथवा युवतियों पर नहीं छोड़ दिया जाना चाहिए कि वह क्या पहनना चाहती हैं और क्या नहीं। यदि कोई भी वेशभूषा किसी कानून का उल्लंघन नहीं करती है तो उस पर रोक लगाना किसी भी समुदाय विशेष के विशेषकर महिलाओं के प्रगति में बाधक ही बनेगा। यदि धार्मिक चिन्हों का धारण करना गलत है तो फिर यह भी गलत है कि नेतागण भगवा वस्त्र धारण कर, माथे पर बड़ा टीका और चंदन लगाकर, सार्वजनिक रूप से दूरदर्शन पर इसका प्रचार-प्रसार करें। गंगा में डुबकी भी गेरुआ वस्त्र धारण कर लगाई थी। जब कोई सरकारी पद पर बैठे व्यक्ति धार्मिक पहचान को धारण कर उनका न केवल सार्वजनिक प्रदर्शन करता है अपितु उस पर गर्व का भी अनुभव करते हैं, तो फिर अन्य नागरिकों को जो किसी सरकारी पद पर भी ना हो, उन्हें ऐसा करने से रोकना उनकी स्वतन्त्रता को नियंत्रित करने के समान होगा, जिसकी हमारा संविधान अनुमति नहीं देता है।

शिक्षा ही वह माध्यम है जो विभिन्न धर्मों, समुदायों की दूरियों को कम कर सकती है। अब यदि शिक्षा के मंदिर को ही हम धर्मान्धता को बढ़ाने एवं कटुता का साधन बना देंगे तो हम देश को दशकों पीछे धकेल देंगे। विचार इस पर होना चाहिए कि कैसे अल्प संख्यक सहित सभी समुदाय विशेषकर महिलाएं कैसे तीव्र गति से शिक्षित हों। इसके हम इस पर उलझे हैं कि लड़कियां हिजाब पहने या नहीं। वर्तमान समय में हिजाब को हटाना भी है तो पहल संबंधित अल्पसंख्यक समुदाय के नेतृत्व को ही करनी होगी। जब अन्य समुदायों के लोग ऐसा करेंगे तो इसकी तीखी प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

(16 फरवरी - रविदास जयंती विशेष)

समाज सुधारक परमसंत गुरु रविदास

रविदास जी सुप्रसिद्ध संत रामानंद और कबीर दास के शिष्य थे। जूते बनाना रविदास जी का पारिवारिक व्यवसाय था। जिसे वे पूरी लगन तथा कर्तव्य निष्ठा से करते थे। उनकी वाणी का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा कि समाज के सभी वर्गों के लोग उनके भक्त बन गये। कहा जाता है कि मीराबाई उनकी भक्ति-भावना से बहुत प्रभावित हुईं और उनकी शिष्य बन गयी थीं। मुग़ल शासक बाबर भी रविदास जी का अनुयायी बन गया और उनसे प्रभावित होकर बाबर अच्छे सामाजिक कार्य भी करने लगा। रविदास जी मानते थे कि यदि आदमी का मन पवित्र है और वो अपना कार्य करते हुए, ईश्वर की भक्ति में तल्लीन रहता है और उसके लिये प्रभु भक्ति से से बढ़कर कोई तीर्थ-स्नान नहीं है, तो ऐसा इंसान सच्चा भक्त है। कोई भी व्यक्ति छोटा या बड़ा अपने जन्म के कारण नहीं बल्कि अपने कर्म के कारण होता है।

डा. जे. के. गर्ग

उन्होंने कहा कि कर्म हमारा धर्म है और फल हमारा सौभाग्य। काम, क्रोध लोभ, अहंकार, मोह और ईर्ष्या मनुष्य के सबसे बड़े शत्रु है जो मनुष्य के चरित्र, आचरण दोनों को नष्ट-भ्रष्ट कर देते हैं। रविदास जी का मानना था कि जिसके हृदय में रात-दिन राम समाये रहते हैं, ऐसा भक्त वास्तव के अंदर राम के समान ही है। इंसान ने अपने आपको भी जातियों, छुत-अछूत वर्गो में बांट दिया है। इन जातियों के विभाजन से इंसान अलग-अलग बंट जाता है, जिसके फलस्वरूप अंत में इन्सान और इंसानियत भी खत्म हो जाती है लेकिन समाज को विभाजित करने वाली जाती खत्म नहीं होती है।

जिस समाज में विद्या और बुद्धि का अभाव है और जहां अज्ञानता है, ऐसा समाज कभी भी उन्नित नहीं कर सकता है। रविदास जी ने आर्थिक विषमता, गरीबी, बेकारी और बदहाली से मुक्ति के लिए श्रम, स्वावलंबन का सिद्धांत दिया था। संत रविदास ने बाह्याडंबर, ढकोसला आदि का खंडन किया जिससे हिंदू, मुस्लिम संस्कृति के मध्य की विशाल खाई को पाटने में काफी सहायता मिली।

इस महान संत की वाणी सदैव देश के दीन-हीन, दलित-शोषितों के उद्धार के लिए मुखर रही। रविदास जी जीवन पर्यंत भेदभाव को समूल नष्ट करने के लिए प्रयासरत रहे। गुरु रविदास ने वैश्विक बंधुता, सहिष्णुता, पड़ोसियों के लिये प्यार और देश प्रेम का पाठ पढ़ाया। सच्चाई यही है कि संत

संत रविदास

रविदास जी के 40-41 पद गुरु ग्रन्थ साहब में मिलते हैं जिसका सम्पादन गुरु अर्जुन सिंह देव ने 16वीं सदी में किया था। दादूपंथी की पञ्च वाणी परंपरा में भी गुरु रविदास जी की बहुत सी कवितायें, दोहे और सूक्तियां शामिल हैं। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में मीरा के मंदिर के सामने एक छोटी छत्री है, जिसमे मान्यताओं के मुताबिक रविदासजी के पदचिन्ह स्थापित है। रैदास नाम से प्रसिद्ध संत रविदास का जन्म बनारस के सीर गोवर्धन में हुआ था । उनके जन्म स्थल पर एक भव्य मंदिर निर्मित किया गया है और उनकी जयंती के मौके पर यहां तीन दिन तक उत्सव मनाया जाता है।

वाराणसी में श्री गुरु रविदास पार्क है जो नगवा में उनके यादगार के रुप में बनाया गया है जो उनके नाम पर गुरु रविदास स्मारक और पार्क बना है। वाराणसी में पार्क से बिल्कुल सटा हुआ उनके नाम पर गंगा नदी के किनारे लागू करने के लिये गुरु रविदास घाट भी भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित है। वाराणसी के लंका चौराहे पर एक बड़ा गेट है जो इनके सम्मान में बनाया गया है। ज्ञानपुर जिले के निकट संत रविदास नगर है जो कि पहले भदोही नाम से था

अब उसका नाम भी संत रविदास नगर है। रविदास को साधु-संतों की सहायता करने में उनको विशेष आनंद मिलता था। रविदास साधु-संतों को अपने हाथ से बने जूते मुफ्त में ही दे दिया करते थे। रविदास के अनोखे व्यवहार से व्यथित और खिन्न होकर उनके पिता ने उन्हें और उनके परिवार को घर से निकाल दिया था।

हिंदू पंचांग के अनुसार माघ माह की पूर्णिमा के दिन गुरु रविदास जयंती मनाई जाती है। 16 फरवरी 2022 को रविदास जी की 645 वीं जयंती मनाई जा रही है। संत रविदास के जन्म को 645 वर्ष बीत जाने के बाद भी उनके उपदेश, दोहे आज भी मानव मात्र के कल्याण के लिये जरूरी है। उनके दोहे मन मन ही पूजा मन ही धूप, मन ही सेऊँ सहज सरूप में जीवन की सच्चाई छिपी हुयी है। आज के असहिष्णुता, पारस्परिक अविश्वास, धार्मिक उन्माद और वैमनस्यता के विषाक्त वातावरण में रविदास जी की शिक्षाएं हमें सही रास्ता दिखा सकती है जिससे हम देश के अंदर धार्मिक सद्भाव सौहार्द आपसी भाईचारे और जाति-पाती विहीन सभ्य समाज का निर्माण कर सकते हैं।

डा. जे. के. गर्ग
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

राजस्थान माइनर मिनरल उद्योग संघ संयोजक राजपुरोहित का सीएम के नाम खत

खनिज फेल्सपार के निकासी नियमों में संशोधन 3000 बॉल मिल उद्योगों के संरक्षण की रखी मांग

राजस्थान माइनर मिनरल उद्योग संघ ने सीएम के नाम खत लिखकर राज्य में इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के लिए चल रहे अभियान को अधिक गति देने के लिए जरूरी सुझाव भेजे हैं और राज्य के अप्रधान खनिज पट्टों से निर्गमित होने वाले सभी तरह के अप्रधान खनिजों के औधोगिक उपयोग व औधोगिक व रोजगार परक विकास पर नीति बनाने की मांग की है।

संघ ने निवेदन किया है कि देश के सिरेमिक टाइल्स, इत्यादि के औधोगिक निर्माण में काम आने वाले खनिज फेल्सपार की वर्तमान में करीब 3000 फेल्सपार ग्राइंडिंग औधोगिक इकाइयां है जो खनिज के कच्चे रूप में ही खानों से सीधे ही पड़ोसी राज्य में निर्गमित हो जाने से अप्रतियोगी हो गयी है व बन्द होने की तरफ बढ़ रही है। इन औधोगिक इकाइयों के भविष्य को सुरक्षित करने,राज्य में नये विनिवेश को आकर्षित कर राज्य में रोजगार व आय के साधन बढ़ाने एवं खनिज फेल्सपार खानों में काम करने वाले मजदूरों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की मांग की है । खनिज निर्माण सामग्री के रूप में राज्य के लोगो के निर्माण सम्बन्धी उपयोग के लिए सस्ते व सुलभ उपलब्ध हो इस उद्देश्य से संवैधानिक रूप से राज्य सरकारों के अधीन किये गए हैं

> ■ **राज्य में रोजगार व औधोगिक विनिवेश को बढ़ाने पर किया ध्यानाकर्षण**

और खनन पट्टे स्वीकृत कर लागू करने का अधिकार संवैधानिक रूप से केंद्र सरकार ने अपने पास रखा है। खनिज फेल्सपार कच्चे ही रूप में वार्षिक 1.8 करोड़ टन मात्रा में राज्य से बाहर औधोगिक प्रयोजनार्थ निर्गमन होने से राज्य के खजाने को साधारण रॉयल्टी राशि के अतिरिक्त कोई आय प्राप्त नही हो रही है।

फेल्सपार को कच्चे माल की परिभाषा में शामिल कर उनके कच्चे ही राज्य से बाहर औधोगिक प्रयोजनार्थ निकास करने पर 5 गुना रॉयल्टी राशि वसूलने का नियम बन लागू होने से राज्य को अधिक आय प्राप्त हो सकती है । राज्य में खनन होकर राज्य में ही स्थापित उद्योगों में कच्चे माल की तरह प्रयुक्त होने वाले अप्रधान खनिजों पर रॉयल्टी 5 गुना कम होने से राज्य में 2000 हजार से ज्यादा नए उद्योगों की स्थापना की संभावना होगी। राज्य के करीब 3000 फेल्डसपार ग्राइंडिंग उद्योगों की कुल स्थापित क्षमता करीब 2.25 करोड़ वार्षिक है जो कि कच्चे माल के सीधे ही निर्गमन के कारण 50 प्रतिशत से कम क्षमता पर चल रही है व काफी संख्या में ये उधोग बन्द भी हो चुके है। वर्तमान में अनुमानतः 1.8 करोड़ टन कच्चा फेल्सपार का वार्षिक रूप से राज्य बाहर निर्गमन हो रहा है है। इस तरह कच्चे ही माल के राज्य से बाहर निर्गमन होने पर आने वाले 2-3 वर्षों में राज्य के 2250 उधोग बन्द हो जाएंगे। अतः आपका ध्यानाकर्षण करते हुए प्रार्थना है कि राज्य के वर्तमान में स्थापित 3000 उद्योगों को जीवन दान देने व नए 2000 उद्योगों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त कर राज्य की आय में बढ़ोतरी करने हेतु औधोगिक प्रयोजनार्थ राज्य से बाहर निर्गमित होने वाले अप्रधान खनिज फेल्सपार पर 5 गुना रॉयल्टी राशि भुगतान के लिए राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमो में संशोधन कर अनुग्रहित करें। अगर यह नियम कुछ अन्य अप्रधान खनिजो जो कि औधोगिक प्रयोजनार्थ राज्य से बाहर कच्चे ही निर्गमित हो रहें है पर भी लागू कर दिया जाय तो राज्य सरकार की आय में भारी वृद्धि होगी व सरकारी योजनाओं के लिए धन की उपलब्धता आसान होगी।

सुरेन्द्र सिंह राजपुरोहित
संयोजक, राजस्थान माइनर मिनरल उद्योग संघ

चीन बॉर्डर से पोरबंदर गुजरात के लिए निकली महिला साइकिलिस्ट का भरतपुर में स्वागत

भरतपुर में मीरा वेलंकर और तस्लीम टोपीवाला का स्वागत किया ।

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर साइकिल क्लब ने केवलादेव नेशनल पार्क के गेट पर दो महिला साइकिलिस्ट मीरा वेलंकर और तस्लीम टोपीवाला का स्वागत किया। यह दोनों महिला राइडर चीन बॉर्डर से पोरबंदर गुजरात बॉर्डर के लिए अकेले निकली है।

मीरा वेलंकर अमेरिका से लाइफ साइंस में पीएचडी की डिग्री हासिल कर चुकी हैं और साइकिलिंग की दुनिया में एक जाना माना नाम है । उनके नाम अनेकों रिकॉर्ड हैं। 2020 में टेंडम साइकिल से कश्मीर से कन्याकुमारी जाने का रिकॉर्ड भी बना चुकी है । मीरा बताती हैं उन्होंने 2011 से साइकिल चलाना प्रारंभ किया और उसके बाद कभी मुड़कर नहीं देखा। मीरा लंबी साइकिलिंग यात्रा के अलावा बैंगलोर में बच्चों को साइकिल के लिए प्रति प्रेरित करती हैं और उन्हें प्रशिक्षित भी करती हैं। उनके साथ ही तस्वीर भी कई डीआरएमओ का हिस्सा रही है । बीसीसी अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के बताया दोनों महिला राइडर के जनून से हमे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। स्वागत कार्यक्रम में बीसीसी पदाधिकारी नवीन शर्मा, सुमित अग्रवाल ने बी सी सी का प्रतीक चिन्ह दिया और मनीष गर्ग, शुभम गौर, गुलशन मलिक, राहुल कंसल,ने पुष्पवर्षा की और महिला राइडर रेणु सिकरबार ने उनका माल्यार्पण कर के स्वागत किया ।

दर्शनशास्त्री, कवि एवं समाज सुधारक संत रविदास

भारत में पूर्व मध्यकाल में संत कबीर, सूरदास, कुंभनदास, हरिदास, रामानंद, नामदेव, मीराबाई आदि अनेक कवि हुए हैं जिन्होंने ईश्वर भक्ति के साथ सामाजिक समरसता का संदेश दिया है, इन्हीं में से एक थे संत शिरोमणि रविदास। संत रविदास संत कबीर के समकालीन व गुरूभाई माने जाते हैं। महान संत रविदास दर्शनशास्त्री, कवि, समाज-सुधारक और ईश्वर के अनन्य भक्त थे। समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने वाले संत रविदास भारत के उन महापुरुषों में से एक थे जिन्होंने अपने कर्म और वचनों से सभी को अच्छाई, परोपकार और भाईचारे का सन्देश दिया।

संत शिरोमणि रविदास के जन्म को लेकर अधिकतर विद्वान सन् 1398 में माघ शुक्ल पूर्णिमा को उनकी जन्म तिथि मानते हैं। माघ पूर्णिमा रविवार के दिन जन्म होने के कारण उनका नाम रविदास रखा गया। उनके पिता का नाम राहू तथा माता का नाम करमा था। उनकी पत्नी का नाम लोना बताया जाता है। संत रविदास जिन्हें संत रविदास, गुरु रविदास, रैदास, रूहिदास और रोहिदास जैसे अनेक नामों से भी जाना जाता है। वे एक परोपकारी और दयालु व्यक्ति थे। दूसरों की सहायता एवं साधु संतों का साथ उन्हें बेहद पसंद था। उनके ज्ञान एवं वाणी की मधुरता से सभी लोग प्रभावित होते थे।

सही मायनों में देखा जाए तो मानवतावादी मूल्यों की नींव संत रविदास ने रखी। वे समाज में फैली जातिगत ऊंच-नीच के धुर विरोधी थे और कहते थे कि सभी एक ईश्वर की संतान हैं जन्म से कोई भी जात लेकर पैदा नहीं होता। इतना ही नहीं वे एक ऐसे समाज की कल्पना भी करते हैं जहां किसी भी प्रकार का लोभ, लालच, दुःख, दरिद्रता, भेदभाव नहीं हो।

रविदास चर्मकार परिवार में पैदा हुए थे। ईश्वर भक्ति के साथ आजीविका

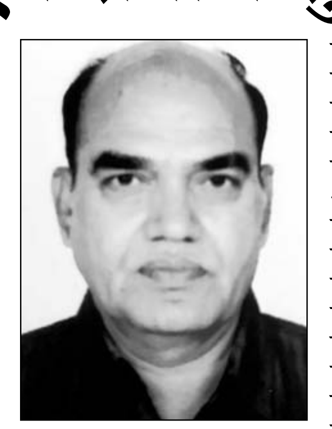

पन्नालाल मेघवाल

के लिए उन्होंने अपने पैतृक कार्य को ही चुना। ये जूते इतनी लगन और मेहनत से बनाते मानो स्वयं ईश्वर के लिए बना रहे हों। संत रविदास की अपने काम के प्रति प्रतिबद्धता इस उदाहरण से समझी जा सकती है एक बार की बात है कि रविदास से किसी ने गंगा स्नान के लिए साथ चलने का आग्रह किया। कर्म में लीन संत ने कहा कि मन सच्चा हो तो कठौती में भी गंगा होती है । यहीं से यह कहावत जन्मी मन चंगा तो कठौती में गंगा। उनके द्वारा कहे शब्द, दोहे, पद और अनमोल वचन (विचार) आज भी हम सभी को सदैव आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करते है। संत शिरोमणि रविदास का मानना है था कि कोई भी व्यक्ति छोटा या बड़ा अपने जन्म के कारण नहीं बल्कि अपने कर्म के कारण होता है। संत शिरोमणि रविदास का कहना था कि परमात्मा के बिना मानव का भी कोई अस्तित्व नहीं है।

संत शिरोमणि रविदास का मानना था कि अज्ञानता के हटते ही मानव आत्मा, परमात्मा का मार्ग जान जाती है, तब परमात्मा और मनुष्य में कोई भेदभाव वाली बात नहीं रहती। जीव को यह भ्रम है कि यह संसार ही सत्य है किंतु वास्तव में संसार असत्य है। उनका मानना था कि जिसके हृदय में रात दिन राम समाये रहते है, ऐसा भक्त राम के समान है, उस पर न तो क्रोध का असर होता है और न ही कामभावना उस पर हावी हो सकती है। संत शिरोमणि रविदास का कहना था कि जिस तरह केले के पेड़ के तने को छिला जाये तो पत्ते के नीचे पत्ता फिर पत्ते के नीचे पत्ता और अंत में पूरा पेड़ खत्म हो जाता है लेकिन कुछ नही मिलता। उसी प्रकार इंसान भी जातियों में बाँट दिया गया है इन जातियों के विभाजन से इन्सान तो अलग अलग बंट जाता है और अंत में इन्सान भी खत्म हो जाते है लेकिन यह जाति खत्म नही होती है। उनका कहना था कि जब तक ये जातियां खत्म नहीं होगी तब तक इन्सान एक दूसरे से जुड़ नही सकता है यानि एक नहीं हो सकता है। इसलिए इस देश से जाति व्यवस्था समाप्त की जानी चाहिए।

पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

राशिफल

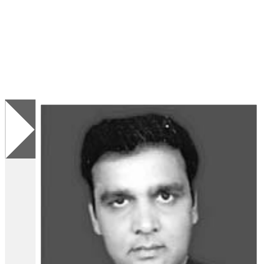

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 16 फरवरी, 2022

माघ मास शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, बुधवार, विक्रम संवत 2078, आश्लेषा नक्षत्र दिन 3:14 तक, शोभन योग रात्रि 8:43 तक, विष्टिकरण रात्रि 8:43 तक, चन्द्रमा दिन 3:14 पर सिंह राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-धनु, बुध-मकर, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

कुमार योग रात्रि 10:27 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 10:05 तक रहेगी। आज माघी पूर्णिमा, सत्य पूर्णिमा व्रत है। आज होलिका रोपण, माघ स्नान समाप्त होगा। आज गुरु रविदास और भरवी जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:54 तक, शुभ 11:17 से 12:41 तक, चर 3:28 से 4:52 तक, लाभ 4:52 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:07, सूर्यास्त 6:15

मेष
परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। कारोबारी अनुबंध प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क
मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह
अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। मन में भय और असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

कन्या
अपने आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेंगी।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

कुंभ
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी और उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सार-समाचार

शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

डूंगरपुर,(निसं)। जिला बार एसोसिएशन डूंगरपुर की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम मुख्य अतिथि जिला एवं सेशन न्यायाधीश संजय भटनागर एवं महेन्द्र मेहता पीठासीन अधिकारी न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय अमित सहलोत, पूर्ण कालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शशि गंजराना, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, ताराचंद भगोरा पूर्व सांसद, के.के.गुप्ता पूर्व सभापति, प्रभू पण्ड्या जिला अध्यक्ष एवं असरार अहमद पूर्व राज्यमंत्री, सुदर्शन जैन, उप सभापति, लालशंकर घाटिया पूर्व विधायक, सुरता परमार उप जिला प्रमुख के विशिष्ठ आतिथ्य एवं डॉ. शंकर यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बार एसोसिएशन डूंगरपुर के अध्यक्ष डॉ. शंकर यादव द्वारा बार की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई एवं न्यायाधीश महेन्द्र मेहता द्वारा नवीन कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर बार एसोसिएशन डूंगरपुर के पूर्व अध्यक्षगण, सचिव गण एवं वरिष्ठ अधिवक्ताओं को अभिनंदन पत्र देकर सम्मान किया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. यादव द्वारा बार एवं बेंच का समन्वय बनाकर जिले की जनता को सस्ता एवं सुलभ न्याय दिलाने के साथ-साथ अधिवक्तागण के हितो के लिए कार्य करने की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई।

वृद्ध ने पेड़ से लटककर जान दी

डूंगरपुर,(निसं)। निठाउवा थाना क्षेत्र के पाल निठाउवा गांव में एक वृद्ध ने अपने घर के पास नीम के पेड से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर मोर्चरी में रखवाया है। निठाउवा थानाधिकारी अब्दुल रज्जाक ने बताया कि निठाउवा पाल निवासी केशिया 50 पुत्र कालिया मजदूरी का काम करता है। सोमवार देर रात केशिया ने अपने परिवार के साथ खाना खाया और रात को सो गया। मंगलवार सुबह परिवार को वृद्ध घर में नहीं मिला। परिजनों ने उसकी तलाश की तो घर के पास में एक नीम के पेड से केशिया का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। केशिया को पेड से लटका शव देखकर परिजनों के होश उड गए। आस.पास के लोगों की भीड जमा हो गई। पुलिस ने परिजनों से मामले की जानकारी ली। ग्रामीणों की मदद से शव को पेड से नीचे उतरवाया और शव को आसपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

पीसीपी शिविर का निरीक्षण किया

भीम,(निसं)। भीम कस्बे के राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय में राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल का 15 दिवसीय पीसीपी शिविर प्रारंभ हुआ। प्रधानाचार्य विजेंद्रसिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान स्टेट ओपन बोर्ड के कक्षा 10 एवं 12 के अभ्यर्थीयो को प्रातः 10:30 से 4:30 तक कक्षाएं ली जाएगी। स्टेट ओपन परीक्षा प्रभारी ओमसिंह पंवार ने बताया कि सत्र 2021-22 के पंजीकृत परीक्षार्थियों को गृह विज्ञान सामाजिक विज्ञान, भारतीय संस्कृति एवं विरासत, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीतिक विज्ञान समाजशास्त्र सहित प्रायोगिक विषयों का अध्ययन कराया जाएगा। बताया कि जो भी अभ्यार्थी कैंप में उपस्थित रहेगा उसके 50 प्रतिशत उपस्थिति के एवं 50 प्रतिशत व्यवहार एवं अनुशासन के सत्रांक विषय अध्यापक द्वारा भेजे जाएंगे। मंगलवार को पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी विजेंद्रसिंह शेखावत ने शिविर का निरीक्षण किया एवं परीक्षार्थियों को परीक्षा में ईमानदारी एवं मेहनत और लगन के साथ सफलता हासिल करने को लेकर अपने लक्ष्य निर्धारित करने को कहा।

विधानसभा घेराव में हिस्सा लिया

कपासन, (निसं)। रीट परीक्षा के पेपर लीक मामले को लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से विधानसभा घेराव में नगर मंडल के पदाधिकारियों ने जयपुर जाकर भाग लिया। भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम दक, कपासन विधायक अर्जुनलाल जीनगर के नेतृत्व में मंडल अध्यक्ष पंकज सिरोया, मंडल प्रभारी एवं जिला महामंत्री कमलेश पुरोहित, पूर्व विधायक बद्री लाल जाट, भूपालसागर प्रधान हेमेंद्र सिंह राणावत, अध्यक्ष देशराज गुर्जर, अशोक विजयवर्गीय ,महामंत्री मंडल महामंत्री सोहन लाल खटीक, भागीरथ नंदकिशोर टेलर, आदि ने विधानसभा की विधानसभा घेराव में भाग लिया ।

नवाचारों और योजनाओं से लोगों को मिले लाभ : भट्ट

■ संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने संभाग के कलक्टर्स की बैठक ली

उदयपुर,(कासं)। संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने कहा है कि जनजाति उपयोजना क्षेत्र के निवासियों को राहत देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है और सभी जिलाधिकारी प्रयास करें कि उनके नवाचारों और विभागीय योजनाओं से अधिकाधिक लोग लाभांवित हो।

संभागीय आयुक्त भट्ट मंगलवार को आयुक्तालय सभागार में संभाग के समस्त जिला कलक्टर्स और वन विभाग के अधिकारियों की विशेष बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर भट्ट ने जनजाति अंचल की भौगोलिक स्थितियों को देखते हुए आवश्यकता आधारित ग्राम विकास योजना के क्रियान्वयन की जरूरत बताई और कहा कि इस दिशा में समस्त विभागों और जिला प्रशासन को मिलकर प्रयास करने होंगे तभी हम सरकार की मंशाओं के अनुरूप जनजाति उपयोजना क्षेत्र के निवासियों को राहत दे पाएंगे।

बैठक में संभाग में 2 लाख हैक्टेयर वन भूमि का अमल दरामद कराने पर चर्चा के साथ सभी कलक्टर्स से उनके उनके क्षेत्र में अमल दरामद की स्थिति की समीक्षा की गई। संभागीय आयुक्त भट्ट ने निर्देश दिए कि असर्वेक्षित भूमि की सर्वे के लिए राजस्व, वन और भू-प्रबंध विभाग की कमेटी बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान कलक्टर्स ने जिलों में भू प्रबंध विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों की अनुपलब्धता बताई जिस पर संभागीय आयुक्त ने भू प्रबंध आयुक्त को इस संबंध में अवगत करा कर कार्यवाही की बात कही।

बैठक में सीसीएफ आर.के.सिंह ने वन विभागीय गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

इस मौके पर अतिरिक्त आयुक्त अंजलि राजोरिया, टीएडी अतिरिक्त आयुक्त वीसी गर्ग, उदयपुर कलेक्टर ताराचंद मीणा, चित्तौडगढ कलेक्टर अरविंद पोसवाल, बांसवाडा कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, प्रतापगढ कलेक्टर प्रकाश चंद्र शर्मा, राजसमंद कलेक्टर नीलाभ सक्सेना, डूंगरपुर कलेक्टर शुभम चौधरी, जिला परिषद सीईओ मयंक मनीष सहित समस्त जिलों के उप वन संरक्षक मौजूद थे। संभागीय आयुक्त भट्ट ने जनजाति उपयोजना क्षेत्र में 4 हजार से अधिक गांवों में आयजनक गतिविधियों को बढावा देने के लिए वनधन योजना का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा सकता है।

सूने मकानों में चोरी की वारदात करने वाला और आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा,(निसं)। पुलिस ने सूने मकानों में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाली गैंग के एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है वहीं विधि से संघर्षरत बालक को डिटेन किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने बताया कि चोरी का माल खरीदने वाले दो आरोपियों को भी गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। मीना ने बताया कि शहर में चोर, नकबजनों की धरपकड के लिए विशेष अभियान चलाते हुए कार्यवाही के निर्देश दिये गये थे।

इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कानसिंह भाटी, वृत्ताधिकारी सूर्यवीर सिंह राठौड के निर्देशन में कोतवाली थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में पवन, दिग्पाल सिंह आदि की टीम गठित की गई। इस टीम ने चोर गिरोह के संदिग्ध विजयपाल उर्फ पप्पु डिंडोर निवासी लीमथान व सहदेव मईडा निवासी पीपलवा से पूछताछ की तो इन दोनों ने अपने साथी गैंग के साथ शहर में चोरी की छः वारदाते करना स्वीकार किया। पुलिस टीम ने प्रकरण में वांछित मोहन मईडा निवासी भापोर वडलीपाडा एवं अन्य नाबालिग को डिटेन कर पूछताछ की तो इन लोगों ने त्रिपुरा कॉलोनी लोधा में धूली डामोर के सुने मकान में सोने-चांदी के जेवरात आदि की वारदाते स्वीकारी। पुलिस ने जिन सोने चांदी के व्यापारियों ने यह माल खरीदा था उन्हें भी गिरफ्तार किया। चोरी का माल सिंगवाव निवासी रवि सोनी एवं अमरदीप नगर निवासी मनोज सोनी ने खरीदा था। पुलिस ने चोरी का माल बरामद कर लिया है। अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

आम सूचना

हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरे व्यवहारी मोहम्मद इकबाल पुत्र मोहम्मद यासीन निवासी मकान नम्बर 136 कच्ची बस्ती सविना उदयपुर के निर्देशानुसार हर खास व आम को सूचित करता हूं कि मेरे व्यवहारी का जाइन्दा पुत्र शरीफ जिसका मेरे व्यवहारी द्वारा पढाई लिखाई एवं निकाह शहनाज बानो से कराया, उसे कुवैत अपने खर्चे से भेजा लेकिन मेरे व्यवहारी का पुत्र व उसकी पत्नी शहनाज बानो मेरे व्यवहारी के कहने में नहीं होकर मेरे व्यवहारी व उनकी पत्नी की सेवा सुश्रुषा व उसके भरण पोषण की कोई व्यवस्था नहीं कर रहा है तथा मेरे व्यवहारी की सामाजिक मान प्रतिष्ठा को भी धूमिल करने पर आमादा है। इस कारण मेरा व्यवहारी अपनी समस्त चल अचल सम्पति से जरिये इस आम सूचना के बेदखल कर रहा है। मेरे व्यवहारी के पुत्र व पुत्रवधू से कोई लेन देन, सम्पति सम्बंधी संव्यवहार नहीं करें और अगर कोई भी व्यक्ति लेन देन व संव्यवहार सम्पति के सम्बंध में करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा और ऐसा किया गया संव्यवहार मेरे व्यवहारी के अधिकारों के मुकाबले शून्य व निष्प्रभावी माना जावेगा।

स्थान:उदयपुर
दिनांक: 15.02.2022
मोहम्मद साबीर छीपा (एडवोकेट)
ऑफीस चे.नं.36, न्यायालय परिसर,
उदयपुर मो.नं.9414229918

पशु चोरी करने वाले तीन आरोपी पकड़े

उदयपुर,(कासं)। सलूम्बर थाना पुलिस ने मवेशी चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पीड़ित अदकालिया निवासी प्रकाशचन्द्र पुत्र मोहनलाल ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 6 जनवरी 2022 को रात में अज्ञात चोर बाड़े का ताला तोड़ कर भैस चुरा ले गए। इस मामले में पुलिस उप अधीक्षक सलूम्बर सुधा पालावत के सुपरविजन में सलूम्बर थानाधिकारी हनवन्तसिंह सोढ़ा के नेतृत्व में एएसआई पुजीलाल, हेडकांस्टैबल देवीदयालसिंह, कांस्टेबल गणेशलाल, पुष्कर मय टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर गावड़ाउपाल फला जेलावत सलूम्बर निवासी भेरूलाल उर्फ भेरापुत्र भंवरजी, हुरजा उर्फ सुरेश पुत्र देवाजी को डिटेन कर पूछताछ की तो दोनों ने चोरी की गई भैसे काली भीत लसाड़िया हॉल पीपली खेड़ा लुणदा कानोड़ निवासी दुर्गाशंकर पुत्र प्यारजी को बेचना स्वीकार किया। इस पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी कीगई भैस बरामद की। आरोपी हुरजा उर्फ सुरेश शातिर अपराधी हो पुर्व में चोरी, लुट, नकबजनी, पशु चोरी के कई प्रकरण दर्ज है।

डकैती मामले में दो गिरफ्तार

उदयपुर,(कासं)। गोदाम से शराब भर कर दुकान की तरफ जा रही शराब से भरी गाड़ी लूटने की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए इस मामले में दो आरोपियों को कोटड़ा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 11 फरवरी 2022 को राकेश ने रिपोर्ट दी कि शराब ठेका लाईसेंसधारी प्रवीण का मोरछुछा में गोदाम है। मैं उसक यहांपरकाम करता हूं। सवेरे गाड़ी में शराब भर कर दुकान पर ले जा रहा था। इसी दौरान पिछे से आई कार गाड़ी के आगे आकर रूकी। जिसमें से चार व्यक्ति लठ्ठ लेकर बाहर आए जिनमें पूर्व में हमारी गाड़ी चालाने वाले भेसड़ा खुर्द निवासी मोहनलाल व दूसरा भैसड़ा कला निवासी छगनलाल था। जो जान से मारने की धमकी देकर शराब से भरी गाड़ी लूट ले गए।इस मामले मे प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हर्ष रतनू पुलिस उप अधीक्षक कोटड़ा कुशाल चोरड़िया के सुपरविजन में शराब लूट के आरोपी भेसडाकला, डबोक निवासी छगनलाल पुत्र डालचन्द,भेसड़ा खुर्द डबोक निवासी मोहनलाल पुत्र भंवरलाल को गिरफ्तार किया।

ठगी करने वाले आरोपी पकड़े

■ नकली सोने के बिस्किट को असली बता कर करते थे ठगी

उदयपुर,(कासं)। शहर के सूरजपोल थाना पुलिस ने नकली सोने के बिस्किट को असली बता कर वृद्धा के साथ ठगी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 14 फरवरी 2022 को पीड़िता ठक्कर बाबरा कॉलोनी सूरजपोल निवासी लक्ष्मीबाई पत्नी छगनलाल ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मैं शादी ब्याव में पूड़ियां बेलने काकाम करती हूं। 13 फरवरी को घर से उदियापोल की तरफ पैदल जा रही थी इस दौरान चौराहे के समीप दो बुजुर्ग मुझे मिले जिनमें से एक व्यक्ति ने सफेद कपड़े की पोटली मेरे पास गिराई। जिसे दूसरे बुजुर्ग ने उठा कर मुझे कहा माताजी पोटली को हाथ लगा लो तथा इसमें जो कुछ है रख लेना तब मैने हाथ लगाया और खोल कर देखा तो उसमें एक सोने की डली थी। इसे आप रख लो मुझे पांच हजार रूपये दे दो। नकदी होने से इनकार करने पर आरोपियों के कहने पर पोटली रख कर मैने अपना मंगलसूत्र दे दिया तथा किसी को नहीं बताने की कसम देकर चले गए। रात को घर लौट आई। दूसरे दिन सवेरे पुत्र को बताया तो उसने सोने जैसी डली को नकली होना बताया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर अशोक कुमार, पुलिस उप अधीक्षक शहर जरनैलसिंह के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी लिलाधर मालवीय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर सूरजपोल चम्पालाल धर्मशाला में ठहरे रेलवे लाईन पार मिर्जापुर नवादा बिहार निवासी नवल कुमार पुत्र भुषण सहाय उर्फ लाला, सहूर सीता रामपुर सूर्यगढ़ा लखीसराय बिहार हॉल हलुदकनाली मिहिजाम जामताड़ा झारखण्ड निवासी अर्जुन प्रसाद पुत्र रामकिशन प्रसाद को गिरफ्तार कर असली मंगलसूत्र बरामद किया। आरोपी बिहार एवं झारखण्ड के रहने वाले होकर उनकी सन्तान सहयोग नही करते है। जिसके चलते झारखण्ड व बिहार से उदयपुर आकर इस प्रकार की घटनाओ को अन्जाम देना स्वीकार किया है।अब तक की पूछताछ पर दोनो अभियुक्तों ने उक्त घटना के अलावा उदयपुर शहर में कोर्ट चौराहा के आसपास एक महिला से भी ठगी कर सोने की अंगुठी एवं कान के बुन्दे ठगना स्वीकार किया है। आरोपियों ने बिहार पटना शहर, समस्तीपुर, मुजफ्फर एवं पश्चिमी बंगाल के आसपनसोल, बडाकर व झारखण्ड के रांची शहर में विगत 8-10 वर्षो से इसी प्रकार की वारदातें करना स्वीकार किया।

प्रारूप-10
(नियम-6(7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी (अधिशाषी अधिकारी)
नगरपालिका मण्डल, बड़ीसादड़ी जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/न.पा.ब./भू.रू./2021-22/865 दिनांक: 14.02.2022

लोक-सूचना

श्री नूरूद्दीन बोहरा पिता श्री फखरूद्दीन बोहरा निवासी पुलिस थाना के पास बड़ीसादड़ी तहसील बड़ीसादड़ी जिला चित्तौड़गढ़ ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल
तहसील बड़ीसादड़ी जिला चित्तौड़गढ़	बड़ीसादड़ी	720	0.16 हैक्ट.

इसके लिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनार्थ के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को कोई आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 14.02.2022 को जारी की गयी।

(प्राधिकृत अधिकारी)
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बड़ीसादड़ी

Government of India/भारत सरकार
Ministry fo Communications / संचार मंत्रालय
Department of Telecommunications /दूरसंचार विभाग
Office of the Controller of Communication Accounts / कार्यालय नियंत्रक, संचार लेखा
Sanchar Lekha Bhawan, Jhalana Doongari Instituional Area, Jaipur-302004
Phone No.-0141-2700339 www.cgca.gov.in/ccarj/
Email-cca.pension-rj@gov.in

पत्रांक: आरडॉट /8-2/पेंशन -अदालत/2021-22 दिनांक:- 09.02.2022

राष्ट्रीय डिजिटल पेंशन अदालत

इस कार्यालय द्वारा दिनांक 21.03.2022 से 25.03.2022 के मध्य कार्यालय नियंत्रक संचार लेखा झालाना डूंगरी, जयपुर में एक दिवसीय डिजिटल नेशनल पेंशन-अदालत का आयोजन प्रस्तावित है।इसमें भारत सरकार के दूरसंचार विभाग एवं भारत संचार निगम लि. के पेंशनर अपनी पेंशन सम्बन्धी शिकायत, यदि तीन माह से अधिक पुरानी हो, तो इस कार्यालय में दिनांक 20.02.2022 तक प्रस्तुत कर सकते हैं ताकि उनके निवारण हेतु विचार किया जा सके। पेंशनर इस संदर्भ में कार्यालय को ई-मेल cca.pension-rj@gov.in तथा डाक द्वारा कार्यालय नियंत्रक संचार लेखा, झालाना डूंगरी, जयपुर -302004 पर अपनी शिकायत भेज सकते है।

लेखाधिकारी (पेंशन)
राजस्थान, जयपुर

DAVP 06219/11/0002/2122

निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/फ्रेट सर्विस, मुरादाबाद मंडल, उ.रे. ने उपयुक्त श्रेणी में संशोधित व्यापक संशोधित पट्टा नीति 2014 (सीपीएलपी-2014) के तहत मुरादाबाद मंडल के पंजीकृत पट्टा धारकों को मुरादाबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों से शुरू होने वाली निम्नलिखित ट्रेनों के एसएलआर/एसएलआरडी स्पेस को पट्टे पर देने के अनुबंध हेतु आमंत्रित (नियमित ट्रेन के साथ-साथ सम्बन्धित विशेष गाड़ी संख्या इसके सामने उल्लेखित है) आमंत्रित निविदाएँ संशोधित सीपीएलपी-2014 के अधीन होगी, रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किये गए इसके संशोधन के साथ पढ़ें। पट्टा पाँच वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा। निम्नलिखित ट्रेनों के लिए एक पैकेट खुली निविदाएं निविदा www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है:

क्र. सं.	रेगुलर गाड़ी नम्बर	स्पेशल गाड़ी नम्बर	स्टेशन से	स्टेशन तक	क्षमता (टन में)	कम्पार्टमेंट (SLR/SLRD)	स्केल रेट ऑफ ट्रेन	फ्रिक्वेंसी सप्ताह के दिन/ जिसमें चलेगी	आरक्षित राशि कम्पार्टमेंट वाईस (में रु.)	ईएमडी (रु. में)
1	15006	15006	देहरादून	गोरखपुर	3.9	F-I	P	TUE, THU-02	9,003.54	100000
2	19566	19566	देहरादून	ओखा	4	F-I, F-II, R-I	P	Sun-01	16,836.40	100000
3	12091	12091	देहरादून	काठगोदाम	4	F-I, F-II, R-I	P	TUE, WED, FRI, SAT, SUN-05	4,664.40	100000
4	14266	14266	देहरादून	वाराणसी	4	F-I, F-II, R-I	R	DAILY-07	14,216.00	100000
5	14042	14042	देहरादून	दिल्ली	4	F-I, F-II, R-I	P	DAILY-07	4,578.00	100000
6	12328	12328	देहरादून	हावड़ा	4	F-I F-II, R-I	R	WED, SAT-02	24,258.00	100000
7	12402	12402	देहरादून	कोटा	3.9	F-I	P	DAILY-07	8,356.14	100000
8	12172	12172	हरिद्वार	लोकमान्य तिलक टर्मिनल	3.9	F-I	R	TUE, FRI-02	25,354.68	100000
9	14711	14711	हरिद्वार	श्री गंगानगर	4	F-I, F-II, R-I	P	DAILY-07	5,953.20	100000
10	14718	14718	हरिद्वार	बीकानेर	4	F-I, F-II, R-I	P	TUE, THUS, SAT-03	8,570.40	100000
11	13010	13010	योगनगरी ऋषिकेश	हावड़ा	4	F-I, F-II, R-I	R	DAILY-07	23,778.00	100000
12	19610	19610	योगनगरी ऋषिकेश	उदयपुर	4	F-I, F-II, R-I	P	TUE, FRI, SUN-03	10,977.20	100000
13	14311	14311	बरेली	भुज	4	F-I, F-II, R-I	R	TUE, THU, SAT-03	23,778.00	100000
14	14321	14321	बरेली	भुज	4	F-I, F-II, R-I	R	MON, WED, FRI, SUN-04	22,324.80	100000
15	12370	12370	देहरादून	हावड़ा	4	F-I,F-II,R-I	R	MON, TUE, THUS, FRI, SUN-05	24,258	100000
16	14631	14631	देहरादून	अमृतसर	4	F-I, F-II, R-I	P	DAILY-07	6133.2	100000
17	14318	14318	देहरादून	इंदौर जं.	3.9	F-I	R	FRI, SAT	18750.03	100000
18	14310	14310	देहरादून	उज्जैन	3.9	F-I	R	TUE, WED	17676.36	100000
19	12056	12056	देहरादून	नयी दिल्ली	3.9	F-I	P	DAILY-07	4296.24	100000
20	22918	22918	हरिद्वार	बांद्रा टर्मिनल	3.9	F-I	R	THU	24,528.00	100000
21	14315	14315	बरेली	नयी दिल्ली	4	F-I, F-II, R-I	P	DAILY-07	3,937.60	100000
22	14236	14236	बरेली	वाराणसी	4	F-I, F-II, R-I	P	Daily-07	6,562.40	100000
23	14314	14314	बरेली	लोकमान्य तिलक टर्मिनल	4	F-I, R-I	R	SAT	24,528.00	100000
24	14120	14120	देहरादून	काठगोदाम	3.9	F-I	P	TUE, THU, SAT	4547.79	100000
25	54342	04374	देहरादून	सहारनपुर	4	F-I, F-II, R-I	P	DAILY	2687.6	100000
26	54077	04303	बरेली	दिल्ली	4	F-I, F-II, R-I	P	DAILY	3937.6	100000
27	54352	04376	बरेली	अलीगढ़ जंक्शन	4	F-I, F-II, R-I	S	DAILY	1512	100000
28	54311	04365	बरेली	मुरादाबाद	4	F-I, F-II, R-I	S	DAILY	1226.8	100000
29	14609	14609	ऋषिकेश	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	3.9	F-I	P	DAILY	7571.46	100000
30	14887	14887	ऋषिकेश	बाड़मेर	4	F-I, F-II, R-I	R	DAILY	19230.8	100000
31	54328	04338	शाहजहांपुर	सीतापुर सिटी	4	F-I, F-II, R-I	S	DAILY	1054.8	100000
32	54330	04306	शाहजहांपुर	बालामयु	4	F-I, F-II, R-I	S	DAILY	1117.2	100000
33	04320	04320	शाहजहांपुर	लखनऊ	4	F-I, F-II, R-I	S	TUE, WED, FRI, SAT, SUN	1512	100000
34	54335	04341	बालामयु	कानपुर सेन्ट्रल	4	F-I, F-II, R-I	S	DAILY	1226.8	100000
35	54332	04356	बालामयु	लखनऊ	4	F-I, F-II, R-I	S	MON, THU	937.6	100000
36	54329	04305	बालामयु	शाहजहांपुर	4	F-I, F-II, R-I	S	DAILY	1117.2	100000
37	12037	12037	कोटद्वार	दिल्ली	3.9	F-I	P	DAILY	3648.84	100000
38	54092	04388	कोटद्वार	नजीबाबाद	4	F-I, F-II, R-I	S	DAILY	820.4	100000
39	54386	04392	कोटद्वार	नजीबाबाद	4	F-I, F-II, R-I	S	DAILY	820.4	100000
40	22660	22660	योगनगरी ऋषिकेश	कोचुवेली	3.9	F-I	R	Mon	39,327.21	100000
41	14308	14308	बरेली	प्रयागराज संगम	4	F-I, F-II, R-I	R	DAILY	8,286	100000
42	14320	14320	बरेली	इंदौर जं.	4	F-I, F-II, R-I	P	WED	11,422.00	100000
43	12912	12912	हरिद्वार	वलसाड	3.9	F-I	R	WED	22,641.20	100000
44	19020	19020	हरिद्वार	बांद्रा टर्मिनल	4	F-I	R	Only Mon	24,528	100000

3.9/4 टन की क्षमता वाली एसएलआर इकाई के प्रत्येक डिब्बे को एक व्यक्तिगत निविदा के रूप में माना जायेगा। अनुबंध दोनों ट्रेन नम्बरों यानि नियमित ट्रेन नम्बर और स्पेशल ट्रेन नम्बर के लिए एक दूसरे के लिए मान्य होगा (नियमित ट्रेन के बदले चलने वाली) निविदा प्रस्तुत करने के इच्छुक किसी भी बोलीदाता को उपरोक्त सूची में उल्लिखित प्रत्येक डिब्बे के लिए अलग से ई-निविदा प्रस्तुत करने की आवश्यकता होगी और तदनुसार निविदाओं में भाग लेने के लिए निविदा लागत और ईएमडी का भुगतान करना होगा। प्रत्येक कम्पार्टमेंट के लिए निविदा दस्तावेज़ की लागत 1180/- रुपये है और प्रत्येक डिब्बे के लिए ईएमडी 1 लाख रुपये है। निविदाएँ- दिनांक **16.03.2022 को 14:00 बजे** तक आमंत्रित की जायेगी।

आज़ादी का अमृत महोत्सव | **उत्तर रेलवे** आपकी सुविधा - हमारा ध्येय | 325/22

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आरबीआई कहता है... डिजिटल चुनो, सुरक्षा के साथ

अपना PIN, Password, OTP, CVV कभी भी, किसी को भी न बताएं, वर्ना नुकसान हो सकता है।

- अपने बैंक अकाउंट की जानकारी गलत हाथों में न जाने दें
- आपके बैंक खाते से धोखे से पैसे निकाले जा सकते हैं

अधिक जानकारी के लिए www.rbi.org.in पर जाएं
फ़ीडबैक देने के लिए rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

ग्राम विकास अधिकारी 15000 की रिश्वत लेते गिरफ्तार

मकान का पट्टा देने की एवज में 20000 रिश्वत की मांग की जा रही थी

भवानीमंडी (निसं)। झालावाड़ एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भवानीशंकर मीणा के नेतृत्व में एसीबी टीम ने बड़ी कार्यवाही करते हुये पिड़ावा पंचायत समिति की मगिसपुर ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी को 15000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भवानीशंकर मीणा अतिरिक्त पुलीस अधीक्षक ने बताया कि परिवादी बबलू प्रजापत ने 8 फरवरी को झालावाड़ एसीबी में परिवाद दर्ज कराया था । जिसमें परिवादी ने बताया था कि मगिसपुर ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी के द्वारा सचिव जगदीश पाटीदार के मार्फत मकान का पट्टा देने की एवज में 20000 रिश्वत की मांग की जा रही थी। ऐसे में 15000 रिश्वत राशि देने के रूप में तय हुआ था। जिसके बाद आरोपी वीडीओ अजीज मोहम्मद के द्वारा अपने क्वार्टर पर 15000 की रिश्वत

झालावाड़ एसीबी की टीम ने मगिसपुर ग्राम पंचायत के विकास अधिकारी को गिरफ्तार किया।

राशि ली जा रही थी। इसी दौरान एसीबी की टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया । इस दौरान टीम में गोपाल मुख्य आरक्षक मो. आफाक, सूरजमल कानि पवन कुमार कानि0 तथा छोटू लाल वाहन चालक आदि शामिल थे।

पुरानी पेंशन बहाली प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान के समायोजित शिक्षाकर्मियों की सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को जीत हुई। पुरानी पेंशन बहाली प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। वहीं राज्य सरकार को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से राजस्थान सरकार को झटका लगा है।

ऑन लाइन सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें पुरानी पेंशन के प्रकरण की फिर से सुनवाई करने के आदेश दिए गए थे। हालांकि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट समायोजित शिक्षाकर्मियों के लिए पुरानी पेंशन की बहाली का आदेश पहले ही दे चुका है।

इसके बाद भी राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान सरकार की याचिका पर फैसले को रिकॉल करते हुए फिर से सुनवाई करने के आदेश जारी कर दिए। समायोजित शिक्षाकर्मियों ने इसी आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

राजस्थान हाईकोर्ट : सरकारी नौकरी के लिए ट्रांसजेंडर्स रूल्स रेगुलेशन बनाने के निर्देश दिए

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने सरकारी नौकरियों में ट्रांसजेंडर्स को आरक्षण देने के लिए सरकार को रूल्स-रेगुलेशन बनाने के लिए 4 महीने में आवश्यक कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कोर्ट ने ट्रांसजेंडर पिटीशनर को पुलिस सब इंस्पेक्टर की भर्ती में केवल थर्ड जेंडर के आधार पर अयोग्य नहीं मानने के आदेश दिए हैं।

याचिकाकर्ता गंगा कुमारी की ओर अधिवक्ता ऋतुराज सिंह ने याचिका यह कहते हुए दायर की कि नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार ट्रांसजेंडर्स को उचित और प्रभावी आरक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए जाएं। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक सेवाओं में नियुक्ति के मामले में और शैक्षिणक संस्थानों में प्रवेश के मामले में ट्रांसजेंडर्स के अधिकारों की जांच की थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा विस्तृत निर्देश जारी होने के बावजूद राज्य सरकार ने अब तक उन निर्देशों को लागू नहीं किया है।

राज्य की ओर से एएजी मनीष व्यास ने तर्क दिया कि आरक्षण से संबंधित विधि का संबंध है, यह राज्य के विशेषाधिकार का मामला है कि किस हद तक आरक्षण प्रदान किया जाए। याचिकाकर्ता यह मांग नहीं कर सकती कि उसे एक विशेष तरीके से या उस सीमा तक आरक्षण देना चाहिए । थर्ड जेंडर के आधार पर पुलिस में अयोग्य नहीं मानें। साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिए कि याचिकाकर्ता को पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती में केवल इस आधार पर अयोग्य नहीं ठहराया जाए कि वह थर्ड जेंडर है।

याचिकाकर्ता का पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2013 में चयन हो चुका है, लेकिन उसे थर्ड जेंडर के आधार पर रोक दिया था। बाद में कोर्ट के हस्तक्षेप में उसे नियुक्ति दी गई और वर्तमान में यह जालोर जिले के बागरा थाने में पदस्थापित है। अब उसने पुलिस सब इंस्पेक्टर पद के लिए आवेदन किया है।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश मनींद्र मोहन श्रीवास्तव व न्यायाधीश मदनगोपाल व्यास की खंडपीठ ने दोनों पक्ष सुनने के बाद कहा कि राज्य के पास सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी किए निर्देशों को लागू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। ट्रांसजेंडर्स को सरकारी नौकरियों व शिक्षण संस्थानों में प्रवेश में आरक्षण देने के लिए केंद्र व राज्य सरकारों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए थे। इस संबंध में रूल्स व रेगुलेशन बना देने चाहिए थे। इस पर खंडपीठ ने आंशिक रूप से याचिका को स्वीकार करते हुए राज्य सरकार को ट्रांसजेंडर्स को सरकारी नौकरियों व शिक्षण संस्थानों में प्रवेश में आरक्षण देने की आवश्यक कार्यवाही के लिए अधिकतम 4 महीने की मोहलत दी है।

पीएचइडी में लगे ठेकाकर्मी को 3 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जोधपुर टीम ने मंगलवार की दोपहर में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में लगे एक ठेकाकर्मी को तीन हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। उससे अब पूछताछ की जा रही है। वह लोगों को पानी कनेक्शन को व्यावसायिक में बदलने के लिए विभागीय अधिकारियों के नाम पर डराता व धमकाता भी था। ब्यूरो के डीआईजी कैलाशचंद विश्नोई ने बताया कि एक व्यक्ति ने शिकायत दी कि उसके मकान बकरामंडी कालियादुक्का में कपड़ों की रंगाई छपाई का काम की फैक्ट्री है। इसके लिए 21 जनवरी को पीएचइडी का ठेकाकर्मी महिपाल सिंह पुत्र जगदीश सिंह आया था। उसने वहां पर इसके लिए घरेलू पानी कनेक्शन को व्यावसासिक करने के लिए कहा। अन्यथा बडी पेनेल्टी लगाने के लिए डराने लगा और विभागीय अधिकारियों का डर बताया। वह पांच सौ रूपए के हिसाब से 3 हजार रूपयों की मांग करने लगा। ब्यूरो के डीआईजी कैलाशचंद विश्नोई ने बताया कि शिकायत का सत्यापन करने के बाद आज मंगलवार को ट्रेप का आयोजन एएसपी दुर्गसिंह राजपुरोहित के सुपरविजन में किया गया। तब आरोपी महिपाल सिंह को कालिया दुक्का बकरमंडी में परिवादी के घर पर ही 3 हजार की रिश्वत लेते पकड लिया गया।

सूचना उपलब्ध नहीं करवाने पर एसडीएम पर पांच हजार रुपये का जुर्माना

जोधपुर, (कासं)। उपखंड अधिकारी लूणी द्वारा सूचना उपलब्ध नहीं करवाने पर सूचना आयोग ने पांच हजार के अर्थ दंड से दंडित किया।

उपखंड अधिकारी लूणी से आरटीआई कार्यकर्ता खेमसिंह जोधा शिकारपुरा ने राष्ट्रीय राज मार्ग 62 फोरलेन निर्माण में जारी मुआवजा राशि से संबंधित दस्तावेजो की प्रमाणित प्रतियों की मांग की गई। राष्ट्रीय राजमार्ग संबंधी सूचनाएं उपखंड अधिकारी ने उपलब्ध नहीं करवाई। उपखंड अधिकारी द्वारा सूचना उपलब्ध नहीं कराने से व्यथित जोधा ने जिला कलेक्टर जोधपुर के समक्ष प्रथम अपील दायर की।

कलेक्टर द्वारा अपील का निर्णय करते हुए 15 दिन में सूचना प्रदान करने के निर्देश दिए, लेकिन उपखंड अधिकारी लूणी द्वारा सूचना उपलब्ध नहीं करवाई गई।

सूचना नहीं मिलने से व्यथित जोधा ने द्वितीय अपील राज्य सूचना आयोग जयपुर के समक्ष प्रस्तुत की। राज्य सूचना आयोग ने उपखंड अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया। वह उपखंड अधिकारी आयोग के समक्ष भी उपस्थित नहीं हुआ। आयोग ने चार बार नोटिस देकर उपखंड अधिकारी से स्पष्टीकरण चाहा लेकिन उपखंड अधिकारी ना तो आयोग के समक्ष उपस्थित हुआ और ना ही सूचनाएं उपलब्ध करवाई।

आयोग ने उपखंड अधिकारी के इस कृत्य को लापरवाही एवं गैर जिम्मेदाराना मानते हुए 5000 का जुर्माना लगाया साथ ही जोधा द्वारा मांगी गई सूचनाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाला 24 घण्टे में गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। राजगढ़ थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने वाले बदमाश को पुलिस ने 24 घण्टे में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता के भाई ने रिर्पोट पेश कर बताया कि 13 फरवरी को हेमन्त मीना पुत्र लक्ष्मणराम मीना ने छेड़छाड़ करने की कोशिश की। जिसने आपत्तिजनक फोटो वीडियो बना रखी है। जिससे वह ब्लैकमेल करता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर टीम का गठन किया। गठित टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण में वांछित अभियुक्त हेमन्त मीना को दस्तयाब किया।

ऑनलाइन आवेदन स्वीकार करने का आदेश

सादुलपुर, (निसं)। हाई कोर्ट जोधपुर ने एक मामले की सुनवाई के दौरान अहम आदेश जारी करते हुए विशेष शिक्षा में डिप्लोमा उत्तीर्ण याचिकाकर्ताओं को रीट भर्ती 2021 में सामान्य शिक्षक के पद हेतु भर्ती प्रक्रिया में शामिल करते हुए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार करने का आदेश दिया है।

■ **रीट भर्ती-2021 लेवल एक से जुड़ा मामला**

साथ ही मामले में एनसीटीई को नोटिस जारी करते हुए जवाब दाखिल करने का भी आदेश दिया है। खाजूवाला निवासी याचिकाकर्ता सांवरमल व अन्य की ओर से दायर याचिका पर मंगलवार को लगातार दूसरे दिन सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी करते हुए एडवोकेट सुशील बिश्नोई ने कोर्ट को अवगत करवाया कि याचिकाकर्ताओं ने एनसीटीई और आरसीआई की गाइडलाइंस के अनुसार विशेष शिक्षा में वैध दो वर्षीय डिप्लोमा उत्तीर्ण किया हुआ है। उक्त डिप्लोमा धारी अभ्यर्थी एनसीटीई तथा सरकार द्वारा प्राथमिक शिक्षक (कक्षा एक से पांच तक) के लिए निर्धारित योग्यता के अनुसार सामान्य शिक्षक के पद हेतु भी योग्य हैं। समानांतर प्रकरणों को सुप्रीम कोर्ट भी निस्तारित कर चुका है। ऐसे में निदेशालय ने उक्त डिप्लोमाधारी अभ्यर्थियों को सामान्य शिक्षक के पद हेतु मनमाने तरीके से ऑनलाइन आवेदन करने से वंचित किया हुआ है। मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद जस्टिस अरुण भंसाली ने याचिकाकर्ताओं को सामान्य शिक्षक के पद पर ऑनलाइन फॉर्म आवेदन करने तथा निदेशालय को इन अभ्यर्थियों के सामान्य शिक्षक व विशेष शिक्षक, दिनों ही प्रकार के एप्लीकेशन फॉर्म स्वीकार करने का आदेश दिया है। साथ ही दोनों आवेदन करने की वजह इनके फॉर्म निरस्त नहीं करने का भी आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी।

पुलिसकर्मी ने फांसी का फंदा लगाया

धौलपुर, (निसं)। पुलिस लाइन धौलपुर स्थित अपने आवास में बीती सोमवार मंगलवार की रात को एक पुलिसकर्मी ने संदिग्ध परिस्थिति में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी जैसे ही सुबह हुई तो पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

जानकारी के मुताबिक सोमवार-मंगलवार की रात एडिशनल एसपी ऑफिस धौलपुर में कार्यरत 35 वर्षीय पुलिसकर्मी विष्णु कुमार निवासी रूपवास भरतपुर ने संदिग्ध परिस्थिति में पुलिस लाइन के आवास पर फांसी लगा ली। सुबह जाग होने पर घटना की जानकारी हुई तो पुलिस लाइन में हड़कंप मच गया। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बच्चन सिंह मीणा ने बताया कि प्रारंभिक अनुसंधान में मामला पारिवारिक कलह के कारण सुसाइड का प्रतीत हो रहा है। फिर भी घटना के हर पहलू पर जांच कर रहे हैं।

छात्रों के झगड़े में स्कूल पहुंचे परिजनों ने फायर किया

सीनियर स्कूल बदरिका में हुई फायरिंग की घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी को दबोचा।

धौलपुर,(निसं)। । धौलपुर जिले के कौलारी थाना इलाके के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बदरिका में मंगलवार को छात्रों में झगड़ा हो गया। जिस पर छात्रों के परिजन मौके पर पहुंच गए जिन्होंने फायरिंग कर दी। जिससे स्कूल में दहशत फैल गई। वहीं झगड़े के दौरान एक छात्र गंभीर रूप से घायल हुआ है। हालांकि कुछ लोगों का कहना है कि आरोपी ने मौके पर फायरिंग नहीं की, केवल अवैध कट्टा हवा में लहराया था। वही ग्रामीणों ने आरोपी को मौके पर ही अवैध कट्टा और कारतूस सहित दबोच लिया। जिसे पुलिस को सौंप दिया है।

■ **फायरिंग में एक छात्र घायल हुआ**

जानकारी के मुताबिक बदरिका स्कूल में फर्श पर बैठने को लेकर छात्रों के बीच झगड़ा हो गया। इस पर एक छात्र ने अपने परिजनों को सूचना दी। जिस पर भूरा पुरा गांव के कुछ लोग आ गए और उन्होंने 3 छात्रों के साथ मारपीट की। जिसमें से 1 छात्र के सिर में ईंट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि घायल छात्र धर्मेंद्र उर्फ रामअवतार पुत्र श्रीराम त्यागी बदरिका गांव का ही निवासी है ।

ग्रामीणों ने आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया और उससे अवैध कट्टा व कारतूस छीन लिए। ग्रामीणों ने घटना की सूचना कौलारी थाना पुलिस को दी। मामले में कौलारी थाना पुलिस का कहना है कि हमने कट्टा और कारतूस को बरामद कर लिया है। अभी किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया है।

महंगा हुआ पशु चारा, पशुपालकों की बढ़ी मुसीबतें

चाकसू, (निसं)। धान की नई उपज को आने में अभी देरी एवं गेहूं की कम बुवाई के समाचार विभिन्न माध्यमों से मिलने से इसका असर पशु चारे पर दिखने लगा है और सूखे चारे के भाव में तेजी बनी हुई है। हाल फिलाल नई फसल तक भाव में कमी आने की उम्मीद न के बराबर है। महंगा हुआ पशुओं का चारा पशु पालकों के लिए चिंता का कारण बन गया है।

■ **नई फसल तक भाव में कमी आने की उम्मीद न के बराबर है**

खांकला विक्रेता सावत राम गुर्जर ने बताया कि जो सूखा चारा 3 महीने पहले 500 रुपए क्विंटल मिल रहा था वही अब 1350 रुपए क्विंटल पशुपालकों को मिल रहा है। वहीं पशु आहार के रूप में काम में लिए जाने वाला वाला अन्य पशु आहार बांट भी गेहूं, जौ, बाजरा जैसे खाद्यान्न से महंगा है ।

केवल चने की चूरी को छोड़ दिया जाए तो अन्य सभी तरह के पशुओं के चारे में काम में आने वाली वस्तुओं के भाव बढ़े हैं। पशु आहार विक्रेता हेमराज गुर्जर और शंकर लाल गुप्ता ने बताया कि चना चूरी को छोडकर काकड़ा, कपास्या, खल सहित सभी पशु खाद्यान्नों के भावों में तेजी है वही पशुपालकों के अनुसार लंबे समय से दूध के दाम स्थिर बने हुए हैं। दूध की कम बिक्री से पहले ही छोटे और मंझले पशुपालक परेशान हैं । पशु पालक शंकरलाल, नाथूलाल, ढल्लिवाल, लालाराम सैनी ने बताया कि सरकार को सूखे चारे और पशु आहार के लिए भी राहतभरा कोई कदम उठाना चाहिए ताकि पशुपालकों को राहत मिल सके।

उदयपुर में 96 संक्रमित मिले

उदयपुर,(कासं)। उदयपुर जिले में सोमवार को संक्रमितों का ग्राफ गिरने के बाद मंगलवार को इसमें फिर वृद्धि हुई है। आज जिले में 96 पॉजीटिव मिले है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी ने बताया कि जिले में आज प्राप्त 1961 सैम्पल जांच रिपोर्ट में से 1865 नेगेटिव व 96 पॉजीटिव है। संक्रमितों में शहरी क्षेत्र में मिले 37 पॉजीटिव में 04 कोरोना वॉरियर्स, 12 क्लॉज कान्टेक्ट, 20 नए केस व 01 माइग्रेंट शामिल है। ग्रामीण क्षेत्र में मिले 59 संक्रमितों में 05 कोरोना वॉरियर्स, 25 क्लॉज कान्टेक्ट व 30 नए संक्रमित है। संक्रमितों का कुल आंकड़ा 73475 हो गया है।

भिवाड़ी में औद्योगिक एरिया की रिवेक्स प्लास्टिसीजर कंपनी में लगी आग

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी के रीको चौक स्थित औद्योगिक एरिया में संचालित रिवेक्स प्लास्टिसीजर उद्योग इकाई में सोमवार देर रात अज्ञात कारणों के चलते अचानक आग लग गई। आग ने पल भर में ही विकराल रूप धारण कर लिया जिससे चंद मिनटों में ही पूरी उद्योग इकाई आग की लपटों में नजर आई। बताया जा रहा है कि कंपनी के अंदर प्लास्टिक के आइटम बनते हैं जिसमें आग लगने से भारी नुकसान हुआ है। मौके पर भिवाड़ी, खुशखेड़ा सहित हरियाणा के तावडू की एक दर्जन अग्निशमन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि कंपनी के अंदर एलपीजी गैस के सिलेंडर भी रखे हुए थे। आग की सूचना लगते ही कंपनी के अंदर कार्य कर रहे सभी मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया है। मौके पर भिवाडी पुलिस के एडिशनल एसपी विपिन शर्मा भी पहुंचे। भिवाडी मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के मानद सचिव जसवीर सिंह भी सूचना लगते ही मौके पर पहुंच गए। इधर कंपनी प्रबंधक को भी मौके पर बुला लिया गया।

चोरों ने ट्रांसफार्मर को बनाया निशाना

कोटपूतली। पंचायत बखराना के अमरपुरा नया गांव में सोमवार रात चोरों ने एक ट्रांसफॉमर को निशाना बनाया है। हनुमान व सरदारा यादव के खेत में लगे थ्री फेस ट्रांसफार्मर से कीमती सामान चुराया।

पुष्कर सरोवर के घाटों व कुंडों पर गंदगी का अंबार

श्रद्धालुओं ने सरोवर की दुर्दशा पर नाराजगी प्रकट की

पुष्कर, (निसं)। तीर्थ नगरी पुष्कर में पवित्र सरोवर के घाटों पर गंदगी का अम्बार लगा है । कुंडों की साफ सफाई नहीं होने व गंदगी के कारण भयंकर बदबू मार रहे हैं और सैकड़ों मछलियां दम तोड़ रही हैं । मंगल वार को भी बावरी घाट पर स्थित कुंड की दुदर्शा देखकर श्रदालुओं ने गहरी नाराजगी प्रकट की ।

कुंडों में गंदगी के कारण बदबू मार रहे सैकड़ों मछलियां दम तोड़ रही थी और श्रदालुओं ने मशीन लगाकर कुंड में भरे गंदे पानी को निकाल कर उसकी साफ सफाई की ओर कुंड के अंदर दम तोड़ रही सैकड़ों मछलियों का जीवन बचाया। दुकानदारों ने बताया कि यंहा पर चारा बेचने वालों के आतंक के चक्कर में जानवरों का जमावड़ा रहता है और गंदगी रहती है । लोगों ने नगर पालिका व प्रशासन को कई बार साफ सफाई की व्यवस्था सुधारने की मांग की लेकिन इस ओर आज तक किसी ने ध्यान नहीं दिया ।

पुष्कर में श्रद्धालुओं ने मशीन लगाकर कुंड की सफाई की।

राज्यपाल जगदीप धनखड़ आज झुंझुनूं आएंगे

झुंझुनूं/चिडावा,(निसं)। बंगाल के महामहिम राज्यपाल जगदीप धनखड़ बुधवार को एक दिन के दौरे पर झुंझुनूं आएंगे। जानकारी के मुताबिक बुधवार को पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल जगदीप धनखड़ कोलकाता से सुबह सवा आठ बजे प्लेन के जरिए जयपुर पहुंचेंगे।

इसके बाद वे सीधा खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। यहां पर दर्शन करने के बाद सुबह 11.15 बजे सालासर बालाजी के दर्शन करेंगे। जहां से वे दोपहर को पौने दो बजे सांगासी गांव में स्थानीय कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद किठाना पहुंचेंगे। किठाना में वे शाम पांच बजे तक रहेंगे। जहां से सडक मार्ग के जरिए दिल्ली के लिए रवाना होंगे। दौरे में उनके साथ उनके पत्नी सुदेश धनखड व आरटीडीसी के पूर्व चेयरमैन रणदीप धनखड भी रहेंगे। झुंझुनूं के सांगासी और किठाना, दोनों ही जगहों पर वे स्थानीय कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

मैत्रेयी बारेठ का राजस्थानी लोक नृत्य देश-विदेश में छाया

किशनगढ बास, (निसं)। अलवर जिले के किशनगढ़ बास की बेटी मैत्रेयी बारेठ राजस्थान में ही नहीं विदेशों तक में सोशल मीडिया पर धूम मचाए हुए हैं। राजस्थान की संस्कृति एवं परम्परा को कायम रखने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर डाले गए वीडियो को राजस्थान सहित विदेशों तक में पसंद किया जा रहा है।

किशनगढ बास की बेटी मैत्रेयी बारेठ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पदमश्री सूर्यदेव सिंह बारेठ की पोती हैं । 'जग घूमया थारे जैसा ना कोई' पर मैत्रेयी बारेठ के राजस्थानी लोकनृत्य को सोशल मीडिया पर देखने के बाद हजारों की संख्या में देश-विदेश से लोगों की ओर से सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं संदेश मिल रहे हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली सहित अनेकों लोगों ने मैत्रेयी बारेठ का हौसला अफजाई कर बधाई दी है।

मैत्रेयी बारेठ की सोशल मीडिया पर देश विदेश में हो रही राजस्थानी लोक नृत्य की प्रशंसा से खुश मैत्रेयी के दादा सूर्य देव सिंह बारेठ ने कहा मुझे गर्व है मेरी पोती ने खुद की पहचान के साथ परिवार और किशनगढ़ बास सहित राजस्थान का गौरव बढाया है।

किशनगढ बास की बेटी मैत्रेयी बारेठ।

सड़क हादसे में यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की मौत

डूंगरपुर,(निसं)। आसपुर क्षेत्र अन्तर्गत सोम कमला आम्बा बांध मोड पर कार की टक्कर से आसपुर यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की मौत हो गई। हादसे के बाद कार सवार फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

आसपुर थानाधिकारी सवाईसिंह ने बताया कि अमृतिया के रहने वाले नटवरसिंह राजपूत, उसका भतीजा एक बाइक पर और उसका भाई गोपालसिंह राजपूत सोमवार को रिश्तेदार के घर मेहमान गए थे । देर रात अलग-अलग बाइक पर बैठकर वापस अपने गांव जा रहे थे । आसपुर कस्बे के पास सोम कमला आम्बा बांध मोड के चुंगी नाका पर सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने गोपालसिंह की बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार सवार फरार हो गया। गोपाल सिंह के सिरए हाथ-पैर गंभीर चोंटे आई ओर खून बहने लगा। घायल को आसपुर अस्पताल लेकर पहुंचे डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

रीट पेपर लीक की सीबीआई जांच की मांग को लेकर विधानसभा घेराव

जयपुर में करीब एक लाख कार्यकर्ता पहुंचने का दावा किया भाजपा ने

रीट पेपर लीक मामले में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश मुख्यालय से विधानसभा घेराव के लिये कूच किया। इस दौरान जब कार्यकर्ताओं ने बाइस गोदाम पर लगे बेरिकेट्स पर चढ़ने का प्रयास किया । तो पुलिस ने वाटर केनन की बौछार कर उन्हें खदेड़ने की कोशिश की।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया जब बेरिकेट्स पर चढ़े तो पुलिस की धक्का-मुक्की में वे नीचे गिर गये और उनके एक पैर में चोट लग गयी।

- **अरूण सिंह, गुलाबचंद कटारिया, राजेन्द्र राठौड़ सहित 68 विधायक, 15 से अधिक सांसदों, सभी प्रदेश पदाधिकारी, सभी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष और सभी जिलाध्यक्षों ने एक साथ गिरफ्तारी दी**
- **पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित उनके समर्थक प्रदर्शन से नदारद रहे**

जयपुर। रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश मुख्यालय से विधानसभा घेराव के लिये कूच किया। भाजपा का दावा है कि प्रदेशभर से करीब एक लाख कार्यकर्ता जयपुर में जुटे, लेकिन कांग्रेस सरकार ने पुलिस-प्रशासन का दुरूपयोग कर बहुत से लोगों को जयपुर के अन्दर तक नहीं घुसने दिया। विधानसभा घेराव कूच में डॉ. सतीश पूनियां, राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, सचेतक जोगेश्वर गर्ग सहित 68 विधायक, 15 से अधिक सांसद व प्रदेश पदाधिकारियों ने एक साथ गिरफ्तारियां दी। इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित उनके समर्थक एवं कार्यकर्ता इस प्रदर्शन से नदारद रहे।

कार्यकर्ताओं को साथ लेकर सतीश पूनियां जब बेरिकेटस पर चढ़े तो वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें धक्का दिया, जिससे वे नीचे गिर गये और उनके एक पैर में गंभीर चोट आ गई। इसके बावजूद वे कार्यकर्ताओं के साथ डटे रहे। देर शाम पार्टी मुख्यालय पहुंचे जहां समर्थकों ने उनकी कुशलक्षेम पूछी। फिलहाल डॉक्टरों ने सतीश पूनियां को कुछ दिन आराम की सलाह दी है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कार्यकर्ताओं पर वॉटर कैनन चलाई, धक्का-मुक्की की, जिसमें कई कार्यकर्ताओं को चोटें आई।

डॉ. सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच के लिए भाजपा सड़क से लेकर विधानसभा तक अंतिम सांस तक लड़ेगी, जिससे राजस्थान के लाखों युवाओं को न्याय मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि एसओजी स्टेट की एजेन्सी होने के कारण मंत्री व मुख्यमंत्री से पूछताछ नहीं कर सकती, इसलिए भाजपा सीबीआई जांच की मांग कर रही हैं। डॉ. पूनियां ने कहा कि रीट पेपर आयोजन की जिम्मेदारी कई जिलों में राजीव गांधी स्टडी सर्किल से जुड़े हुए लोगों को दी गई, 36 से अधिक गिरफ्तार किए गए लोगों में प्रदीप पाराशर भी इसी सर्किल से जुड़ा हुआ है, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस सर्किल के चेयरमैन हैं व इनकी सरकार में मंत्री सुभाष गर्ग इस सर्किल के कॉ-कोर्डिनेटर हैं। हमारी मांग है कि युवाओं को नौकरी देने के लिए राज्य सरकार भर्तियों की संख्या बढ़ाकर भर्तियां पूरी करे और रीट पेपर लीक की सीबीआई जांच हो, जिससे इस घोटाले का खुलासा होने से बडे मगरमच्छों को जेल में डाला जा सके और राजस्थान के युवाओं को न्याय मिल सके। कांग्रेस सरकार ने इस मामले की सीबीआई जांच नहीं कराई तो भाजपा की सरकार बनने पर सीबीआई से जांच करायेंगे।

अरूण सिंह ने कहा कि भर्तियों में घोटाला, पेपर चोरी होना, इंटरव्यू में अपनों के नम्बर बढ़वाना इन सब में कांग्रेस सरकार की संलिप्तता है। रीट का पेपर सिर्फ लीक ही नहीं हुआ, कांग्रेस सरकार के संरक्षण में चोरी हुआ है और यह भी माना जा रहा है कि करीब 500 करोड़ से अधिक का यह महाघोटाला है, जिसकी सीबीआई जांच से पूरा खुलासा हो सकेगा और दोषियों को सजा मिल सकेगी। अरूण सिंह ने कहा कि गहलोत सरकार रीट घोटाले की सीबीआई जांच नहीं कराती है तो भाजपा की सरकार इस मामले की सीबीआई जांच करवाकर राजस्थान के लाखों युवाओं को न्याय देने का कार्य करेगी।

नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि रीट पेपर लीक से न केवल प्रदेश के लाखों युवाओं के साथ अन्याय हुआ है, बल्कि इनसे जुड़े हुए करोड़ों परिवार भी प्रभावित हुए हैं। शिक्षा संकुल के स्ट्रॉग रूम से पेपर कैसे चोरी हुआ, राजीव गांधी स्टडी सर्किल से जुड़े हुए व्यक्ति प्रदीप पाराशर को स्ट्रॉग रूम की चाबी किसके कहने पर दी गई और किसके कहने पर शिक्षा संकुल से पेपर चोरी हुए? इस सभी बातों का खुलासा सीबीआई जांच से ही संभव है, क्योंकि एसओजी न तो गोविन्द डोटासरा व सुभाष गर्ग और न ही मुख्यमंत्री आवास में घुसकर मुख्यमंत्री से पूछताछ कर सकती है। कटारिया ने कहा कि यह कोई छोटा घोटाला नहीं है, स्वयं कांग्रेस सरकार के संरक्षण में कई कोचिंग संस्थानों के माध्यम से कई सौ करोड़ का बड़ा घोटाला है जिसका पर्दाफाश सीबीआई ही कर सकती है, जैसे हरियाणा में भर्ती घोटाले में तत्कालीन मुख्यमंत्री को जेल जाना पड़ा और यहां भी सीबीआई जांच हो गई तो सरकार में बैठे बड़े लोग भी जेल जायेंगे। राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार का चरित्र महाघोटाला सरकार हो चुका है, जिसमें रीट पेपर लीक सहित तमाम भर्तियों के पेपर लीक हुए, जो प्रदेश के युवाओं के साथ बड़ा अन्याय है, भाजपा रीट पेपर लीक की सीबीआई जांच की मांग को लेकर पूरे राजस्थान में डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व में लगातार आंदोलन कर रही है विधानसभा घेराव आंदोलन में प्रदेश महामंत्री एवं सांसद दीया कुमारी, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, मदन दिलावर, सुशील कटारा, वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवाड़ी, सांसद किरोड़ी मीणा, सुमेधानंद सरस्वती, सुखवीर सिंह जौनपुरिया, रंजीता कोली, रामकुमार वर्मा, नरेन्द्र कुमार खींचड़, राजेन्द्र गहलोत, भागीरथ चौधरी, कनकमल कटारा, सुभाष बहेडिया, पीपी चौधरी, विधायक नरपत सिंह राजवी, विधायक वासुदेव देवनानी, अनीता भदेल, रामलाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह, माधोराम चौधरी, चंद्रकांता मेघवाल, नारायण सिंह देवल, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगडी, जितेन्द्र गोठवाल, विजेन्द्र पूनिया, महेन्द्र जाटव सहित सभी प्रदेश पदाधिकारी, 68 विधायक, 15 से अधिक सांसद, सभी मोर्चो के प्रदेश अध्यक्ष, मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी सभी जिलाध्यक्ष उपस्थित रहे।

आरएसएस ठगेतों का संघ है और यह सारे के सारे जितने भी लोग बैठे हैं, उससे संबंधित हैं : धारीवाल

भाजपा के वाकआउट के बाद यूडीएच मंत्री ने भाजपा के लिये कहा कि ये सब बदनाम संस्था के सदस्य हैं, इसलिये दूसरों को भी बदनाम करना चाहते हैं

- **नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि जांच का अंत होना चाहिए। गैंग को तोड़ना चाहिए। परीक्षा देने वाले बच्चों का दर्द हम जनप्रतिनिधि होने के नाते निवेदन हैं कि चोरों के गिरोह का सरताज पकड़ने में आना चाहिए। इसके लिये सीबीआई जांच जरूरी है यदि ये नामंजूर है तो हम बर्हिगमन करते हैं और विपक्ष वाकआउट कर गया**
- **विधानसभाध्यक्ष डॉ जोशी ने कहा कि आज मुख्यमंत्री का जवाब है और आशा करे कि इस मामले में भी कुछ कहा जायेगा**

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज अरबन डेवलपमेंट मिनिस्टर (यूडीएच मंत्री) शांति धारीवाल ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के बारे में कहा कि यह ठगेतों का संगठन है। भाजपा विधायकों की तरफ इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि ये सब लोग बदनाम संस्था के सदस्य हैं, इसलिए दूसरों को भी बदनाम करना चाहते हैं। ये सब निंबाराम के चेले हैं, भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हैं। इनका मकसद है कि यह मामला सीबीआई को चला जाए। सीबीआई केंद्र के कंट्रोल में है, वह यहां आकर बोर्ड और सरकारी दफ्तर सील कर दें ताकि 62 हजार शिक्षकों की भर्ती रुक जाए। इनका मुख्य मकसद यह है कि बेरोजगारों को नौकरी नहीं मिले। ये दिल्ली के इशारे पर सब कर रहे हैं। इनका खुद का दिमाग नहीं है, इनका उपर से खाली है, लेकिन दिल्ली के डायरेक्शन से सब कर रहे हैं। इससे पहले ही पेपर लीक की जांच कर रही एसओजी की ये तारीफ कर चुके हैं।

इसके पहले रीट भर्ती में पेपर लीक को लेकर मंगलवार को भी हंगामा हुआ। पूर्वाह्न ग्यारह बजे सदन की कार्यवाही शुरु होते ही उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने रीट मामले की सीबीआई जांच की मांग का मुद्दा उठाने लगे। इस पर अध्यक्ष डा सी पी जोशी ने अनुमति नहीं दी और कहा कि अंकित नहीं होगा। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के सदस्य इस मांग को लेकर सदन के वेल में आ गये और नारेबाजी करने लगे।

बीजेपी विधायकों के हंगामे से नाराज स्पीकर सीपी जोशी ने कहा सदन में एक बार जिस मुद्दे पर चर्चा हो जाती है, उस पर फिर से चर्चा नहीं होती है। रीट पर कल ही चर्चा हो चुकी है। आप जो परंपरा डाल रहे हो वह संसदीय परंपरा में काले अध्याय के रूप में याद रहेगी, यदि आप मुझे कंपेल करेंगे तो यह बर्दाश्त नहीं होगा। आप संसदीय लोकतंत्र को कलंकित करेंगे तो मुझे कठोर निर्णय करना होगा।

कार्यवाही शुरु होते ही विपक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के सदस्य अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) पेपर लीक मामले की केन्द्रीय जांच ब्यूरो से मांग को लेकर वेल आकर हंगामा करने पर यह बात कही। बाद में प्रश्नकाल के बीच में अध्यक्ष ने विपक्ष के सदस्यों से फिर निवेदन किया कि वह अपनी बात को शांतिपूर्ण तरीके से रखे और उनको अपनी बात आसन के सामने होकर रखनी है। उन्होंने कहा कि विरोध करने का तरीका दूसरा भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह से विरोध करने से किसी सदस्य की बीपी बढ़ जायेगी तो डाक्टरों को बुलाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि विरोध इस तरीके से करे कि आपका स्वास्थ्य भी ठीक रहे और अपनी बात भी रख सके। उन्होंने आग्रह किया कि वे अपना विरोध करने के तरीके को बदले। इसके बावजूद विपक्ष के सदस्यों पर कोई असर नहीं हुआ और वे अपना विरोध जारी रखा।

इसके बाद शून्यकाल शुरु होते ही डॉ.जोशी ने शोकाभिव्यक्ति के लिए पुकारने पर विपक्ष के सदस्य अपनी सीटों पर चले गये और सदन में पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधानसभा सदस्य भगराज चौधरी के निधन पर शोकाभिव्यक्ति की गई। इसके बाद राठौड़ फिर खड़े होकर रीट मामले में सीबीआई जांच की मांग करने लगे। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया खड़े होकर बोलने लगे और आग्रह किया कि रीट परीक्षा के दौरान बोर्ड सचिव के आदेश की पालना 32 जिलों में तो की गई जबकि केवल जयपुर जिले में अलग व्यवस्था पर सरकार मौन हैं।

इस पर डॉ जोशी ने कहा कि आज मुख्यमंत्री का जवाब हैं और आशा करे कि इस मामले में भी कुछ कहा जायेगा। इस पर कटारिया ने कहा कि जांच का अंत होना चाहिए। गैंग को तोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा देने वाले बच्चों का दर्द हम जनप्रतिनिधि होने के नाते निवेदन हैं कि चोरों के गिरोह का सरताज पकड़ने में आना चाहिए। सरगना क्यों नहीं पकड़ में आया। इसके बाद विपक्ष के सदस्य 12 बजकर दस मिनट पर सदन से बहिर्गमन कर गए। जब विपक्ष बहिर्गमन कर रहे थे उस समय संससदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि पहले जवाब तो सुनते जाओ, भागो मत।

संघ को रीट परीक्षा के लुटेरे कांग्रेसियों से सर्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं : देवनानी

जयपुर। विधानसभा के दौरान राज्य सरकार में मंत्री शांति धारीवाल की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को ठगों का संगठन कहने के बयान पर भाजपा नेता, पूर्व शिक्षा मंत्री एवं अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने पलटवार किया है। देवनानी ने कहा कि रीट परीक्षा 2021 के लुटेरे कांग्रेसियों से संघ को ईमानदारी का सर्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं है। भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी प्रदेश की कांग्रेस सरकार के मंत्री खुद क्या है? ईमानदारों एवं देशभक्तों के संगठन पर आरोप लगाने से पहले वे अपने गिरेबान में झांके तो बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि संघ की पहचान पूरे विश्व में एक अनुशासित और देशभक्त संगठन के रूप में है। संघ की ओर से तैयार स्वयंसेवक विभिन्न क्षेत्र में अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व से बड़े-बड़े कीर्तिमान स्थापित किए हैं। पूरा विश्व मानता है संघ एवं संघ के स्वयंसेवक ईमानदार, अनुशासित एवं राष्ट्रिहत सर्वोपरि रखने वाले लोग हैं, लेकिन मंत्री धारीवाल की ओर से संघ को ठगों का संगठन बताना अनर्गल और बेबुनियाद है। देवनानी ने कहा कि झूठे आरोपों से कांग्रेस के पाप धुलने वाले नहीं है, अगर कांग्रेस को अपने पाप धोने ही है तो रीट परीक्षा 2021 में हुए धांधली और अनियमितताओं की जांच सीबीआई को सौंप कर धोए।

अदाणी ग्रुप को 472 करोड़ रु.का एट्रिब्यूटेबल प्रॉफिट

जयपुर (कासं)। अदाणी एंटरप्राइजेज़ लिमिटेड ने गत 21 अक्टूबर को जयपुर, गुवाहाटी और तिरूवनंतपुरम हवाई अड्डों का अधिग्रहण किया था। इसके बाद वित्त वर्ष 2022 के 9 महीनों में समेकित ईबीआईटीडीए 45 प्रतिशत बढ़कर 3187 करोड़ रुपये हुआ।

संस्था ने 31 दिसंबर 2021 को समाप्त हुए 9 महीने और तिमाही के परिणामों की आज घोषणा करते हुए चेयरमैन गौत्तम अदाणी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ईबीआईटीडीए के कारण स्थापित व्यवसायों में एट्रिब्यूटेबल पीएटी 114 प्रतिशत बढ़कर 1538 करोड़ रुपये हुआ, कुल मिलाकर एट्रिब्यूटेबल पीएटी 472 करोड़ रु. पर रहा।

गौतम अदाणी ने बताया कि फिलहाल कंपनी के पास 7 परिचालन हवाई अड्डों का पोर्टफोलियो है। अदाणी ग्रुप ने उत्तरप्रदेश में 464 किलोमीटर की तीन ग्रीनफील्ड गंगा एक्सप्रेस हाईवे परियोजनाओं के निर्माण और रखरखाव 17 हजार 100 करोड़ का एलओए प्राप्त किया है। इसके अलावा हरित हाइड्रोजन संबंधित उत्पादों, पवन टरबाइन, बैटरी, इलेक्ट्रोलाइजर आदि के निर्माण के लिए "अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड को शामिल किया गया है।"

'रीट की सीबीआई जांच के बहाने 62 हजार युवाओं को नौकरी से वंचित रखने का षड्यंत्र'

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए बीजेपी विधायकों पर राज्य सरकार को बदनाम करने का आरोप लगाया

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सदन में कहा कि रीट पेपर लीक की जांच सीबीआई को देने के बहाने बीजेपी विधायक 62 हजार युवाओं को नौकरी से वंचित रखने का षड्यंत्र रच रही है। क्योंकि हम चाहते हैं कि आगामी 10 दिन में भर्ती निकालें और 5-6 माह में अध्यापकों को पोस्टिंग दे दें। लेकिन सरकार को बदनाम करने के लिए बीजेपी विधायक लगातार इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग उठा रही है।

- **सीएम ने कहा "हम चाहते हैं 10 दिन में भर्ती निकाले और अगले 5-6 माह में 62 हजार पदों पर अध्यापकों को पोस्टिंग दें, लेकिन बीजेपी इस भर्ती को अटकाना चाहती है।"**
- **उन्होंने आरोप लगाया कि "भाजपा के पास 3 वर्ष तक कोई मुद्दा नहीं था, लेकिन अब रीट के गैर मुद्दे को मुद्दा बनाया जा रहा है। यह काम भाजपा आलाकमान के इशारे पर हो रहा है, जबकि नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया पहले एसओजी जांच की तारीफ कर चुके थे, बाद में दबाव पड़ा तो पीछे हट गये"**
- **"अलवर में बच्ची के साथ हुई दुर्घटना को राजनीतिक लाभ लेने के लिए भाजपा ने रेप का नाम दे दिया। हमने यह केस सीबीआई को सौंप दिया। अब दिल्ली में सरकार इनकी है, इस केस को सीबीआई क्यों नहीं ले रही?"**

राज्यपाल के अभिभाषण पर जवाब देते हुए गहलोत ने आरोप लगाया कि "बीजेपी के पास राजस्थान में बीते 3 वर्ष में सरकार को घेरने का कोई मुद्दा नहीं था, इसलिए अब बेवजह रीट की सीबीआई जांच का मुद्दा बना रहे है। दिल्ली में बैठे भाजपा आलाकमान के इशारे पर यह विरोध-प्रदर्शन हो रहा है, क्योंकि इन्हें दिल्ली से फटकार पड़ी है कि आप 3 साल में सत्ता विरोधी लहर नहीं पैदा कर पाए तो अब नॉन इश्यू को इश्यू बनाइए। नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया पहले एसओजी जांच की तारीफ कर चुके थे, बाद में जब आलाकमान का दबाव पड़ा तो पीछे हट गये।" गहलोत ने कहा कि लोकसभा में हनुमान बेनीवाल के सवाल के जवाब में केन्द्र सरकार ने बताया है कि पिछले 10 साल में राजस्थान से सीबीआई को 37 केस मिले, 27 ट्रायल में हैं, यह हालत है। हमने पाली का मनोहर राजपुरोहित अपहरण, जोधपुर लवली कंडारा और अलवर का केस सीबीआई को दे रखा है, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

गहलोत ने कहा कि अलवर में बालिका के साथ हुई दुर्घटना को राजनीतिक लाभ लेने के लिए भाजपा ने रेप का नाम दे दिया। अलवर के केस को हमने सीबीआई को सौंप दिया। अब दिल्ली में सरकार इनकी है, इस केस को सीबीआई क्यों नहीं ले रही? उस बच्ची का रेप हुआ ही नहीं, उसके रेक्टम सहित अंगों में रेप का प्रमाण नहीं मिला। फिर भी रेप-रेप चिल्ला रहे हैं। कोई नहीं समझता कि अब उस परिवार पर क्या बीत रही होगी?

राजधानी की सड़कों पर लगा ट्रैफिक जाम, लोग परेशान

रीट की सीबीआई जांच की मांग के लिए भाजपा कार्यकर्ता मंगलवार को विधानसभा घेरने निकले। इस कारण शहर में जगह-जगह पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया। अजमेर पुलिया पर आलम यह था कि वाहन रैंग-रैंग कर चल रहे थे।

जयपुर (कासं)। रीट की सीबीआई जांच की मांग के लिए बीजेपी मंगलवार को विधानसभा घेरने निकली।

पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने और आंदोलनकारियों को रोकने के लिए शहर में जगह-जगह बैरिकेडिंग की। भाजपा कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए विधानसभा से एक किलोमीटर पहले ही अलग-अलग रास्तों पर बैरिकेड्स लगाकर आवाजाही बंद कर दी थी। इस कारण राजधानी जयपुर में चप्पे-चप्पे पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया। अजमेर पुलिया पर आलम यह था कि वाहन रैंग-रैंग कर चल रहे थे। ऐसे में ऑफिस के लिए घर से निकले लोग करीब तीन-चार घंटे तक भारी जाम में फंस गये। वहीं प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से जयपुर पहुंचे बीजेपी कार्यकर्ताओं को भी अपना वाहन खड़ा करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। उधर यातायात पुलिसकर्मी ट्रैफिक जाम से बचने के लिए वाहनों को डायवर्ट करते हुए नजर आए। कई बार ऐसा हुआ कि पुलिस और राहगीरों में आने-जाने को लेकर झड़प भी हुई।

अभिभाषण पर विपक्ष बोला ही नहीं, किस बहस का जवाब दूं?

सदन में भाजपा विधायकों की गैरमौजूदगी का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने तंज कसा

जयपुर (विसं)। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चार दिन तक विपक्ष के बिना हुई चर्चा के बाद मंगलवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने करीब 1 घंटे तक भाजपा पर जमकर हमला बोला।

गहलोत ने कहा कि बहस तो हुई नहीं, हमारे विपक्ष के सदस्य बोले नहीं, किस बहस का जवाब दूं। उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इतने साहब इकट्ठे हो गए कि पता नहीं, साहबों का सरदार कौन होगा? उल्लेखनीय है कि रीट की सीबीआई जांच की मांग पर भाजपा ने शून्यकाल के बाद कार्यवाही में हिस्सा नहीं लिया। इस कारण ना तो नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया इस बार राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा कर सके और ना ही कोई अन्य विधायक। जबकि हर बार मुख्यमंत्री के जवाब से पहले नेता प्रतिपक्ष अभिभाषण पर चर्चा करते है।

गहलोत ने कहा कि हमारे माकपा विधायक बलवान पूनिया ने ही कहा था कि जहां शिक्षा कम है, वहां भाजपा ज्यादा है। यह बात सही है। जहां शिक्षा कम है, वहां भाजपा ज्यादा है। हम शिक्षा को बढ़ावा देंगे। हमने निजी सैक्टर में भी कॉलेज यूनिवर्सिटी को बढ़ावा दिया। पहले हमारे बच्चों को इंजीनियरिंग और मेडिकल शिक्षा के लिए महाराष्ट्र सहित बाहरी राज्यों में जाना पड़ता था, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। राजस्थान देश का पहला राज्य होगा, जहां गांव-गांव में अंग्रेजी स्कूल होंगे। विधायक जितने अंग्रेजी स्कूल मांगेगे, उतना देंगे। बीजेपी वाले तो यूनिवर्सिटी बंद करने वाले लोग है।

कोविड महामारी पर राजस्थान के प्रबंधन की तारीफ करते हुए गहलोत ने कहा कि "जब दुनिया महामारी के संकट से चिंतित थी, तब केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल कहते हैं, "भाभीजी पापड़ खाओ।" गजेंद्र सिंह शेखावत कहते हैं कि "बालाजी के नारियल चढ़ाओ।" भोले-भाले लोग इनके बहकावे में आ जाते हैं। इनके बहकावे में आकर कई लोग मारे गए। ये इस तरह की सोच के लोग हैं। कभी ताली बजती है, कभी थाली बजती है।

गहलोत ने कहा कि जलशक्ति मंत्री राजस्थान के हैं, लेकिन उन्हें राजस्थान से कोई मतलब नहीं है। हमने केंद्रीय योजना में केंद्र का हिस्सा बढ़ाने की मांग की लेकिन ध्यान नहीं दिया। ईस्टर्न कैनाल प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग लंबे समय से चल रही है। पीएम ने चुनाव से पहले इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की घोषणा की, लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। गहलोत ने कहा कि हो सकता है चुनाव आने तक केंद्र ईआरसीपी को केंद्रीय परियोजना घोषित कर दे। अगर नहीं करेंगा तो 13 जिले के लोग सबक सिखा देंगे, इन 13 जिलों में 82 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। चुनाव में की गई घोषणा से मुकरेंगे तो जनता सबकक सिखाएगी। यूपी में अभी चुनाव आए तो उन्होंने केन-बेतवा लिंक को 44 हजार करोड़ रुपए दे दिए, जबकि यह पहले की योजना थी। गहलोत ने कहा कि हम कॉमर्शियल बैंकों से किसान के कर्ज माफ करने के लिए केंद्र सरकार से सैटलमेंट कराने का प्रयास कर रहे हैं। हमने केंद्र से कहा है कि हम सैटलमेंट का पैसा देने को तैयार हैं।

Jodhpur Development Authority, Jodhpur

E-Auction Programe of Residential, Commercial Plots in Jodhpur-March-April 2022

क्रमांक : एफ46/नीलामी/2022/1171 दिनांक : 15.02.2022

S. No.	Property Details	Measurement	Area (Sq. Mtr.)	Minimum Sales Price per sq. mtr	EMD (Rs.) @ 2%	Starting Date for Depositing EMD and Bid Start Date	Last Date For Depositing EMD	Bidding Close Date
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Residential Plot No B-164 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	52.6X70	341.54	18500	126400	02-03-2022 11.00AM	10-03-2022 11.00AM	11-03-2022 12.30PM
2	Residential Plot No B-483 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30.9X50	142.89	18500	52900	02-03-2022 11.00AM	10-03-2022 11.00AM	11-03-2022 12.30PM
3	Residential Plot No B-528 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	52.6X70	341.54	18500	126400	02-03-2022 11.00AM	10-03-2022 11.00AM	11-03-2022 12.30PM
4	Residential Plot No B-634 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	40X60	223.05	18500	82600	02-03-2022 11.00AM	10-03-2022 11.00AM	11-03-2022 12.30PM
5	Residential Plot No C-178 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	45X60	250.93	16500	82900	02-03-2022 11.00AM	10-03-2022 11.00AM	11-03-2022 12.30PM
6	Residential Plot No C-163 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	35X60	195.17	16500	64500	02-03-2022 11.00AM	10-03-2022 11.00AM	11-03-2022 12.30PM
7	Residential Plot No D-377 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	55X70	357.81	18500	132400	02-03-2022 11.00AM	10-03-2022 11.00AM	11-03-2022 12.30PM
8	Residential Plot No D-389 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	49.3X60	274.63	18500	101700	02-03-2022 11.00AM	10-03-2022 11.00AM	11-03-2022 12.30PM
9	Residential Plot No D-358 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	55X70	357.81	18500	132400	02-03-2022 11.00AM	10-03-2022 11.00AM	11-03-2022 12.30PM
10	Residential Plot No D-828 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	33.6X60	186.8	18500	69200	02-03-2022 11.00AM	10-03-2022 11.00AM	11-03-2022 12.30PM
11	Residential Plot No E-214 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	49.6X70	322.03	17500	112800	02-03-2022 11.00AM	11-03-2022 11.00AM	14-03-2022 12.30PM
12	Residential Plot No E-238 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	45X60	250.93	17500	87900	02-03-2022 11.00AM	11-03-2022 11.00AM	14-03-2022 12.30PM
13	Residential Plot No E-283 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	50X60	278.81	17500	97600	02-03-2022 11.00AM	11-03-2022 11.00AM	14-03-2022 12.30PM
14	Residential Plot No H-104 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	35X60	195.17	18500	72300	02-03-2022 11.00AM	11-03-2022 11.00AM	14-03-2022 12.30PM
15	Residential Plot No I-220 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	20X40	74.35	17500	26100	02-03-2022 11.00AM	11-03-2022 11.00AM	14-03-2022 12.30PM
16	Residential Plot No I-181 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	36X60	200.74	17500	70300	02-03-2022 11.00AM	11-03-2022 11.00AM	14-03-2022 12.30PM
17	Residential Plot No I-182 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	36X60	200.74	17500	70300	02-03-2022 11.00AM	11-03-2022 11.00AM	14-03-2022 12.30PM
18	Residential Plot No I-275 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	40X70	260.22	17500	91100	02-03-2022 11.00AM	11-03-2022 11.00AM	14-03-2022 12.30PM
19	Residential Plot No I-261 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	39.9X70	258.6	17500	90600	02-03-2022 11.00AM	11-03-2022 11.00AM	14-03-2022 12.30PM
20	Residential Plot No J-172 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	37X60	206.32	17500	72300	02-03-2022 11.00AM	11-03-2022 11.00AM	14-03-2022 12.30PM
21	Residential Plot No J-173 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	37X60	206.32	17500	72300	02-03-2022 11.00AM	14-03-2022 11.00AM	15-03-2022 12.30PM
22	Residential Plot No J-310 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	37.6X60	209.11	17500	73200	02-03-2022 11.00AM	14-03-2022 11.00AM	15-03-2022 12.30PM
23	Residential Plot No J-352 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	37.6X60	209.11	17500	73200	02-03-2022 11.00AM	14-03-2022 11.00AM	15-03-2022 12.30PM
24	Residential Plot No J-289 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	39X60	217.47	17500	76200	02-03-2022 11.00AM	14-03-2022 11.00AM	15-03-2022 12.30PM
25	Residential Plot No J-295 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	40X60	223.05	17500	78100	02-03-2022 11.00AM	14-03-2022 11.00AM	15-03-2022 12.30PM
26	Residential Plot No J-332 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	40X60	223.05	17500	78100	02-03-2022 11.00AM	14-03-2022 11.00AM	15-03-2022 12.30PM
27	Residential Plot No K-128 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	14-03-2022 11.00AM	15-03-2022 12.30PM
28	Residential Plot No L-21 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	44.6X50	206.78	16500	68300	02-03-2022 11.00AM	14-03-2022 11.00AM	15-03-2022 12.30PM
29	Residential Plot No L-31 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	14-03-2022 11.00AM	15-03-2022 12.30PM
30	Residential Plot No L-32 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	14-03-2022 11.00AM	15-03-2022 12.30PM
31	Residential Plot No L-42 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	44.6X50	206.78	16500	68300	02-03-2022 11.00AM	15-03-2022 11.00AM	16-03-2022 12.30PM
32	Residential Plot No L-53 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	15-03-2022 11.00AM	16-03-2022 12.30PM
33	Residential Plot No L-54 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	15-03-2022 11.00AM	16-03-2022 12.30PM
34	Residential Plot No L-43 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	44.6X50	206.78	16500	68300	02-03-2022 11.00AM	15-03-2022 11.00AM	16-03-2022 12.30PM
35	Residential Plot No L-64 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	44.6X50	206.78	16500	68300	02-03-2022 11.00AM	15-03-2022 11.00AM	16-03-2022 12.30PM
36	Residential Plot No L-261 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	38.6X50	178.9	16500	59100	02-03-2022 11.00AM	15-03-2022 11.00AM	16-03-2022 12.30PM
37	Residential Plot No L-294 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	38.6X50	178.9	16500	59100	02-03-2022 11.00AM	15-03-2022 11.00AM	16-03-2022 12.30PM
38	Residential Plot No L-395 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	35X60	195.17	16500	64500	02-03-2022 11.00AM	15-03-2022 11.00AM	16-03-2022 12.30PM
39	Residential Plot No L -396 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	35X60	195.17	16500	64500	02-03-2022 11.00AM	15-03-2022 11.00AM	16-03-2022 12.30PM
40	Residential Plot No L -193Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	38.6X50	178.9	16500	59100	02-03-2022 11.00AM	15-03-2022 11.00AM	16-03-2022 12.30PM
41	Residential Plot No L -226 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	38.6X50	178.9	16500	59100	02-03-2022 11.00AM	16-03-2022 11.00AM	21-03-2022 12.30PM
42	Residential Plot No L -555 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	20X30	55.76	16500	18500	02-03-2022 11.00AM	16-03-2022 11.00AM	21-03-2022 12.30PM
43	Residential Plot No L -556 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	20X30	55.76	16500	18500	02-03-2022 11.00AM	16-03-2022 11.00AM	21-03-2022 12.30PM
44	Residential Plot No L -405 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	44.6X60	248.14	16500	81900	02-03-2022 11.00AM	16-03-2022 11.00AM	21-03-2022 12.30PM
45	Residential Plot No L -462 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	44.6X60	248.14	16500	81900	02-03-2022 11.00AM	16-03-2022 11.00AM	21-03-2022 12.30PM
46	Residential Plot No M -9 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	44.6X60	248.14	16500	81900	02-03-2022 11.00AM	16-03-2022 11.00AM	21-03-2022 12.30PM
47	Residential Plot No M -10 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	40X60	223.05	16500	73700	02-03-2022 11.00AM	16-03-2022 11.00AM	21-03-2022 12.30PM
48	Residential Plot No M -25 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	40X60	223.05	16500	73700	02-03-2022 11.00AM	16-03-2022 11.00AM	21-03-2022 12.30PM
49	Residential Plot No M -26 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	44.6X60	248.14	16500	81900	02-03-2022 11.00AM	16-03-2022 11.00AM	21-03-2022 12.30PM
50	Residential Plot No M -17 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	45X60	250.93	16500	82900	02-03-2022 11.00AM	16-03-2022 11.00AM	21-03-2022 12.30PM
51	Residential Plot No M -18 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	45X60	250.93	16500	82900	02-03-2022 11.00AM	21-03-2022 11.00AM	22-03-2022 12.30PM
52	Residential Plot No M -149 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	21-03-2022 11.00AM	22-03-2022 12.30PM
53	Residential Plot No M -170 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	21-03-2022 11.00AM	22-03-2022 12.30PM
54	Residential Plot No M -127 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	21-03-2022 11.00AM	22-03-2022 12.30PM
55	Residential Plot No M -148 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	21-03-2022 11.00AM	22-03-2022 12.30PM
56	Residential Plot No M -126 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	21-03-2022 11.00AM	22-03-2022 12.30PM
57	Residential Plot No M -105 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	21-03-2022 11.00AM	22-03-2022 12.30PM
58	Residential Plot No M -83 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	21-03-2022 11.00AM	22-03-2022 12.30PM
59	Residential Plot No M -104 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	21-03-2022 11.00AM	22-03-2022 12.30PM
60	Residential Plot No M -519 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	20X30	55.76	16500	18500	02-03-2022 11.00AM	21-03-2022 11.00AM	22-03-2022 12.30PM
61	Residential Plot No M -520 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	20X30	55.76	16500	18500	02-03-2022 11.00AM	22-03-2022 11.00AM	23-03-2022 12.30PM
62	Residential Plot No M -554 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	20X30	55.76	16500	18500	02-03-2022 11.00AM	22-03-2022 11.00AM	23-03-2022 12.30PM
63	Residential Plot No M -469 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	18X30	50.19	16500	16600	02-03-2022 11.00AM	22-03-2022 11.00AM	23-03-2022 12.30PM
64	Residential Plot No M -502 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	18X30	50.19	16500	16600	02-03-2022 11.00AM	22-03-2022 11.00AM	23-03-2022 12.30PM
65	Residential Plot No M -503 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	18X30	50.19	16500	16600	02-03-2022 11.00AM	22-03-2022 11.00AM	23-03-2022 12.30PM
66	Residential Plot No M - 536Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	18X30	50.19	16500	16600	02-03-2022 11.00AM	22-03-2022 11.00AM	23-03-2022 12.30PM
67	Residential Plot No M -553 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	20X30	55.76	16500	18500	02-03-2022 11.00AM	22-03-2022 11.00AM	23-03-2022 12.30PM
68	Residential Plot No O – 80 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	54X60	301.12	18500	111500	02-03-2022 11.00AM	22-03-2022 11.00AM	23-03-2022 12.30PM
69	Residential Plot No O – 81 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	54X60	301.12	18500	111500	02-03-2022 11.00AM	22-03-2022 11.00AM	23-03-2022 12.30PM
70	Residential Plot No O – 161 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	32X60	178.44	18500	66100	02-03-2022 11.00AM	22-03-2022 11.00AM	23-03-2022 12.30PM
71	Residential Plot No O – 162 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	32X60	178.44	18500	66100	02-03-2022 11.00AM	23-03-2022 11.00AM	24-03-2022 12.30PM
72	Residential Plot No O – 165 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	32.6X60	181.23	18500	67100	02-03-2022 11.00AM	23-03-2022 11.00AM	24-03-2022 12.30PM
73	Residential Plot No O – 166 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	32X60	178.44	18500	66100	02-03-2022 11.00AM	23-03-2022 11.00AM	24-03-2022 12.30PM
74	Residential Plot No O – 158 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	32.6X60	181.23	18500	67100	02-03-2022 11.00AM	23-03-2022 11.00AM	24-03-2022 12.30PM
75	Residential Plot No O – 169 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	32.6X60	181.23	18500	67100	02-03-2022 11.00AM	23-03-2022 11.00AM	24-03-2022 12.30PM
76	Residential Plot No O – 170 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	32.6X60	181.23	18500	67100	02-03-2022 11.00AM	23-03-2022 11.00AM	24-03-2022 12.30PM
77	Residential Plot No O – 443 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	29.6X50	137.08	18500	50800	02-03-2022 11.00AM	23-03-2022 11.00AM	24-03-2022 12.30PM
78	Residential Plot No O – 454 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	29.6X50	137.08	18500	50800	02-03-2022 11.00AM	23-03-2022 11.00AM	24-03-2022 12.30PM
79	Residential Plot No O – 448 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	39.6X50	183.55	18500	68000	02-03-2022 11.00AM	23-03-2022 11.00AM	24-03-2022 12.30PM
80	Residential Plot No O – 449 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	39.6X50	183.55	18500	68000	02-03-2022 11.00AM	23-03-2022 11.00AM	24-03-2022 12.30PM
81	Residential Plot No O – 455 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	29.6X50	137.08	18500	50800	02-03-2022 11.00AM	24-03-2022 11.00AM	28-03-2022 12.30PM
82	Residential Plot No O – 173 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	32X60	178.44	18500	66100	02-03-2022 11.00AM	24-03-2022 11.00AM	28-03-2022 12.30PM
83	Residential Plot No N – 77 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	41X50	190.52	16500	62900	02-03-2022 11.00AM	24-03-2022 11.00AM	28-03-2022 12.30PM
84	Residential Plot No N – 78 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	41X50	190.52	16500	62900	02-03-2022 11.00AM	24-03-2022 11.00AM	28-03-2022 12.30PM
85	Residential Plot No N – 97 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	41X50	190.52	16500	62900	02-03-2022 11.00AM	24-03-2022 11.00AM	28-03-2022 12.30PM
86	Residential Plot No N – 98 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	41X50	190.52	16500	62900	02-03-2022 11.00AM	24-03-2022 11.00AM	28-03-2022 12.30PM
87	Residential Plot No N – 87 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	30X50	139.41	16500	46100	02-03-2022 11.00AM	24-03-2022 11.00AM	28-03-2022 12.30PM
88	Residential Plot No N – 124 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	39.6X50	183.55	16500	60600	02-03-2022 11.00AM	24-03-2022 11.00AM	28-03-2022 12.30PM
89	Residential Plot No N – 125 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	39.6X50	183.55	16500	60600	02-03-2022 11.00AM	24-03-2022 11.00AM	28-03-2022 12.30PM
90	Residential Plot No N – 895 Vivek Vihar Yojana, Jodhpur	21X30	58.55	16500	19400	02-03-2022 11.00AM	24-03-2022 11.00AM	28-03-2022 12.30PM

प्रभारी अधिकारी (नीलामी शाखा)
जोधपुर विकास प्राधिकरण
जोधपुर

निदेशक वित्त
जोधपुर विकास प्राधिकरण
जोधपुर

फोनः– 0291–2656355,2656356
मोबाईल नं.– 97990–42125, 94148–73715, 97990–42149

नीलामी की मुख्य शर्तें जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट : urban.rajasthan.gov.in/joda देखे या सम्पर्क करे।

खेल जगत

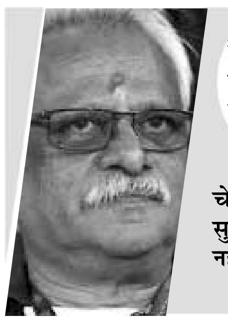

रैना अतीत में हमारे लिये बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी था। लेकिन वर्तमान फार्म को ध्यान में रखते हुए वह टीम में फिट नहीं बैठते थे।
- काशी विश्वनाथ

चेन्नई सुपरकिंग्स के सीईओ, सुपरकिंग्स द्वारा सुरेश रैना को नहीं खरीदने को लेकर।

आज का खिलाड़ी नोवाक जोकोविच

20 बार के ग्रैड स्लैम विजेता एवं दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने कहा कि वह कोरोना वैक्सीन लगाने के बजाय टेनिस प्रतियोगिताओं में भाग लेने का त्याग करने के लिए तैयार हैं। जोकोविच ने इस बारे में कि क्या वह कोरोना वैक्सीन पर अपने रुख के चलते आगामी विंबलडन और फ्रेंच ओपन जैसे टेनिस टूर्नामेंटों का त्याग करने को तैयार हैं, कहा, हां, यही वह कीमत है जो मैं चुकाने को तैयार हूं। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी ने बीबीसी के साथ एक साक्षात्कार में कहा, मैं कभी भी टीकाकरण के खिलाफ नहीं था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

भारत को टी-20 में कड़ी चुनौती देगा विंडीज

पहला टी-20 मैच आज

कोलकाता, 15 फरवरी। भारत ने वनडे सीरीज को आसानी से एकतरफा अंदाज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया था लेकिन बुधवार से शुरू हो रही टी 20 सीरीज में मेजबान भारत को विंडीज से कड़ी चुनौती मिलेगी। टी 20 सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा के नए सलामी साझेदार और निचले क्रम को मज़बूत करने पर भारत की नजरें रहेंगी।

वनडे सीरीज़ एकतरफ़ा रही और उसके बाद आईपीएल के मेगा ऑक्शन के दोनों दिनों में भारतीय टीम के कुल 10 खिलाड़ियों के मूल्य में काफ़ी वृद्धि देखने को मिली। अब क्रिकेट का कारवां आ पहुंचा है कोलकाता के ईडन गार्डंस जहां 16 फ़रवरी से टी20 श्रृंखला की शुरुआत होगी। वेस्टइंडीज़ के प्रशिक्षक फ़िल सिमंस का मानना है कि उनकी बल्लेबाज़ी वनडे के मुक़ाबले टी20 क्रिकेट के लिए कहीं ज़्यादा अनुकूल है और हाल ही में एक रोमांचक सीरीज़ में उन्होंने इंग्लैंड जैसी टीम को 3-2 से हराया भी।

सबकी नज़र टिकी रहेगी भारत के कॉम्बिनेशन और खेलने की शैली पर, ख़ासकर पिछले साल यूएई में हुए विश्व कप में असफलता और उससे उत्पन्न निराशा के बाद। उस टूर्नामेंट के तुरंत बाद भारत ने न्यूज़ीलैंड को 3-0 ज़रूर हराया था लेकिन टीम के आगे कई सवाल अभी भी खड़े हैं।

केएल राहुल के चोटग्रस्त होने का मतलब है कप्तान रोहित शर्मा को एक नए जोड़ीदार की दरकार है। नीलामी के सबसे महंगे खिलाड़ी इशान किशन और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए निरंतर रन बनाने वाले ऋतुराज गायकवाड़ में से एक को यह मौक़ा दिया जाएगा। इशान के हित में एक और बात है कि वह विकेटकीपर की भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में आने वाली श्रीलंका के ख़िलाफ़ टी20 और टेस्ट सीरीज़ के लिए ऋषभ पंत को ताज़ा रखने के लिए विश्राम दिया जा सकता है।

वैसे एक और विकल्प होंगे कोलकाता नाइट राइडर्स के वेंकटेश अय्यर। आईपीएल 2021 में केकेआर के फ़ाइनल तक की दौड़ में ओपनर वेंकटेश का बहुत बड़ा योगदान था और वह मध्यम तेज़ गेंदबाज़ी भी कर सकते हैं। आईपीएल के यूएई चरण में वेंकटेश ने 40 के औसत और 125 के स्ट्राइक रेट से 320 रन बनाए थे और भारत को अपने टॉप छह में गेंदबाज़ी के विकल्प की वैसे भी तलाश है।

अगर वेंकटेश को वनडे की तरह छटे नंबर पर खिलाया जाएगा तो हो सकता है सूर्यकुमार यादव और श्रेयस अय्यर में से केवल एक को टीम में जगह मिलेगी। दोनों सिर्फ़ तब साथ दिखेंगे जब ऋषभ पंत को बाहर बिठाया जाए। काग़ज़ पर देखें तो शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर और हर्षल पटेल के रहते हुए निचले क्रम में बल्लेबाज़ी काफ़ी मज़बूत दिखती है। ठाकुर और चाहर तो वैसे भी नेट्स में बल्लेबाज़ी पर अधिक ध्यान देने लगे हैं। वहीं 2019-20 में घरेलू टी20 क्रिकेट में हरयाणा के लिए सलामी बल्लेबाज़ के रूप में हर्षल ने अपनी टीम के लिए सिर्फ़ 12 पारियों में सर्वाधिक 374 रन बनाए थे।

नवंबर में भारत के लिए अपने इकलौते मैच में उन्होंने चाहर के साथ खेलते हुए 11 गेंदों पर 18 बनाए थे और टीम को छह विकेट पर 140 से सात पर से 184 के मैच जिताऊ स्कोर तक ले गए थे। फ़िलहाल संकेत यही है कि ठाकुर और चाहर में से एक को ग्यारह में शामिल किया जाएगा। बल्लेबाज़ी कोच विक्रम राठौड़ का कहना है, यह दोनों अच्छी बल्लेबाज़ी कर रहे हैं। और इसका कारण यही है कि यह बल्लेबाज़ी का निरंतर अभ्यास करते हैं। ऐसा सिर्फ़ हालिया समय में नहीं बल्कि कई सालों से हो रहा है।

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को विश्राम देने के फ़ैसले के चलते तेज़ गेंदबाज़ी क्रम की कमान होगी मोहम्मद सिराज के हाथों में। उनके आस-पास अच्छे सीमर्स हैं और स्पिन विभाग में युज़वेंद्र चहल के अनुभव और रवि बिश्नोई की ऊर्जा के बीच में चुनने का मौक़ा है। स्क्वाड में कुलदीप यादव चोटिल वॉशिंगटन सुंदर की जगह ले चुके हैं और हरप्रीत बराड़ नेट बोलर के रूप में हैं। बराड़ दीपक हुड्डा की तरह निचले मध्यक्रम की बल्लेबाज़ी को भी मज़बूत कर सकते हैं। टीम को बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ की तलाश जारी है।

खिलाड़ियों को टी-20 विश्वकप में उनकी भूमिका के बारे में स्पष्टता दे दी गई : रोहित

कोलकाता, 15 फरवरी। भारतीय सफेद गेंद टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि सभी खिलाड़ियों कोऑस्ट्रेलिया में आगामी आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप 2022 में उनकी भूमिका को लेकर स्पष्टता दे दी गई है।

रोहित ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज की पूर्वसंध्या पर मंगलवार को वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने खिलाड़ियों से बात की है कि विश्व कप के दौरान उन्हें क्या भूमिका निभाने की आवश्यकता होगी, इसलिए उन्हें उस मानसिकता से बल्लेबाजी या गेंदबाजी करने की जरूरत है। उन्हें स्पष्टता दे दी गई है।

भारतीय कप्तान ने कहा, हमारा विचार उन खिलाड़ियों की पहचान करना है और उन्हें खेल का समय देना है जो विश्व कप खेलने जा रहे हैं। बहुत सारे खिलाड़ी ऐसे हैं जो चोटिल हैं और टीम के साथ नहीं हैं। विश्व कप के साथ मुझे नहीं पता कि कौन फिट होने वाला है और कौन फिट नहीं होने वाला है। हमें सिर्फ बैकअप तैयार करना है। हमारे आगे व्यस्त शेड्यूल है और खिलाड़ियों को चोटें लग सकती हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम हर चीज को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को पर्याप्त समय दें। रोहित ने कहा, हम उन कमियों को खोजने की कोशिश कर रहे हैं जो टीम में हैं और अंतर को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। जो कुछ भी होगा, हम उसे ठीक करने की कोशिश करेंगे। टीम में शामिल मौजूदा सभी खिलाड़ी बहुत छोटे हैं और उन्होंने ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है। हमें उन्हें आत्मविश्वास और खेल का समय देने की जरूरत है। एक बार यह हो जाने के बाद हम चीजों को आजमा सकते हैं। वेस्ट इंडीज के खिलाफ पिछले वनडे मैच में हमने महसूस किया कि हमें कुलदीप को वापस लाने की जरूरत है और देखें कि वह हमारे लिए क्या योगदान कर सकते हैं। इस तरह अगर हमें लगता है कि हमें टी-20 क्रिकेट में किसी को लाने की जरूरत है तो हम ऐसा करेंगे।

प्रयोग करने के लिए रोहित ने कहा कि प्रयोग शब्द ओवररेटेड है।''वह इस बात का जवाब दे रहे थे कि क्या टीम कोलकाता में वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ आगामी तीन टी20आई में सभी खिलाड़ियों को मौक़ा देकर प्रयोग करेगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि प्रयोग शब्द मेरी शर्तों में अधिक है। हम उन कमियों को खोजने की कोशिश कर रहे हैं जो दल में हैं और हम उस अंतर को भरने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए जो कुछ भी होगा, हम कोशिश करेंगे।

रोहित ने कहा ''ये सभी लोग नए हैं,

विराट कोहली के बचाव में बोले रोहित, सब कुछ ठीक हो जाएगा

कोलकाता, 15 फरवरी। विराट कोहली की फॉर्म को लेकर बढ़ती चिंताओं के बावजूद भारत के व्हाइट बॉल फॉर्मेट के कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि वह मानसिक रूप से मजबूत हैं और उनके चारों ओर हो रहीं बकवास बंद होने के बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा। ईडन गार्डन्स में भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले पहले टी20 से पहले वर्चुअल प्रेस वार्ता के दौरान जब मीडिया ने उनसे कोहली को बल्लेबाजी से पर ध्यान केंद्रित करने को लेकर सवाल किया, तो रोहित कहा, मुझे लगता है कि इसकी शुरुआत आप लोगों (मीडिया) से होगी। अगर आप लोग थोड़ी देर चुप रहते हैं, तो विराट ठीक हो जाएंगे और ध्यान रखेंगे। वह मानसिक रूप से बेहद मजबूत है।

नैना क्रिकेट एकेडमी सेमीफाइनल में

जयपुर, 15 फरवरी। नैना क्रिकेट एकेडमी ने 24वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये नॉक आउट दौर के अन्तिम क्वार्टरफाइनल मैच में रजत सिंह 31 रन पर 5 विकेट तथा सचिन मालव 34 रन 4 विकेट की घातक गेंदबाजी तथा भरत शर्मा 48 रन की शानदार पारी की बदौलत भदौरिया क्रिकेट एकेडमी को 14 रन से हरा कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उसका मुकाबला जी.आर. एकेडमी से होगा।

संक्षिप्तस्कोर :- नैना क्रिकेट एकेडमी 153 रन ऑल आउट 34.5 ओवर में। (भरत शर्मा 48 रन, शुभम सिंह 34 रन, मोहित जैन 17 रन, रजत सिंह 13 रन, भदौरिया क्रिकेट एकेडमी की ओर से आशीष चौपड़ा 23 रन 3 विकेट, हितेश जोशी 30 रन पर 2 विकेट, तथा तनिष जैन आदित्य चौधरी व लोकेन्द्र चौधरी प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।) भदौरिया क्रिकेट एकेडमी 139 रन ऑल आउट 39.5 ओवर में। (जयेश पण्डिता 52 रन, आदित्य चौधरी 16 रन, प्रांजल यादव 22 रन, रजत सिंह 31 रन पर 5 विकेट तथा सचिन मालव 34 रन 4 विकेट लेकर नैना क्रिकेट एकेडमी की ओर से सफल गेंदबाज रहे।

कम से कम नौ खिलाड़ी उपलब्ध होने पर भी खेला जाएगा रणजी ट्रॉफी मैच

नयी दिल्ली, 15 फरवरी। रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट इस साल कोरोना संबंधित प्रावधानों के साथ खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टूर्नामेंट के मौजूदा सीजन के लिए कई नियम बनाए हैं, जिनमें एक मैच के दौरान कोरोना वायरस के प्रकोप की स्थिति में विशेष अंक प्रणाली और कम से कम नौ खिलाड़ियों की उपलब्धता के साथ मैच को जारी रखने सहित कई नियम शामिल हैं।

बीसीसीआई ने मौजूदा कोरोना महामारी की स्थिति को देखते हुए मंगलवार को कहा, मैच की शुरुआत के बाद कोरोना के प्रकोप के कारण अगर एक टीम के पास मैदान में उतरने के लिए कम से कम नौ खिलाड़ी उपलब्ध हैं तो मैच जारी रहेगा। वहीं अगर टीम की तरफ से नौ खिलाड़ी भी उपलब्ध नहीं है और मैच के समापन तक यह स्थिति बनी रहती है तो मैच का परिणाम दो तरीकों से निर्धारित किया जाएगा। वहीं अगर नॉक आउट मैच है तो कौन सी टीम अगले दौर के लिए क्वालीफाई करेगी, यह ज्यादर रन या सिक्का उछाल कर निर्धारित किया जाएगा। इसके अलावा बीसीसीआई द्वारा सोमवार को सभी राज्य क्रिकेट संघों को बताई गई खेल शर्तों के अनुसार कोरोना महामारी की स्थिति के कारण पहली पारी का परिणाम न आने पर टीमों को एक-एक अंक दिया जाएगा।

आईसीसी ने महिला विश्व कप विजेता के लिए पुरस्कार राशि दोगुनी की

दुबई, 15 फरवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को आईसीसी महिला विश्व कप 2022 के विजेता के लिए पुरस्कार राशि को दोगुनी करने की घोषणा की। विश्व कप विजेता को अब 1.32 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि दी जाएगी, जो इंग्लैंड में हुए 2017 विश्व कप से दोगुनी है। आईसीसी ने कुल पुरस्कार राशि में भी 75 प्रतिशत का इजाफा किया है, जिसमें प्रत्येक टीम का 3.5 मिलियन डॉलर (लगभग 26 करोड़ 25 लाख रुपए) का हिस्सा होगा जो पिछले संस्करण की तुलना में 1.5 मिलियन डॉलर (लगभग 11 करोड़ 25 लाख रुपए) अधिक है।

भारत दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड से 3 विकेट से हारा

क्वीन्सटाउन (न्यूजीलैंड) 15 फरवरी। भारतीय महिला टीम मंगलवार को जॉन डेविस ओवल में दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड की टीम से तीन विकेटों से हार गई। भारत अब पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 0-2 से पीछे है।

अमेलिया केर की 119 रनों की नाबाद पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने 271 रन के लक्ष्य का पीछा छह गेंद शेष रहते ही कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए, न्यूजीलैंड की टीम एक समय 55/3 के स्कोर पर डगमगाती नजर आ रही थी। जब दीप्ति शर्मा ने पांचवें ओवर में सूजी बेट्स को 33 रन पर आउट कर दिया। राजेश्वरी गायकवाड़ ने आठवें ओवर में सोफी डिवाइन (16) को आउट किया।

फिर, अमेलिया ने मैडी ग्रीन (52) के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 128 रन की साझेदारी कर पारी को फिर से खड़ा किया। पूनम यादव ने 35वें ओवर में ग्रीन को आउट कर भारत को सफलता दिलाई। हरमनप्रीत कौर ने ब्रुक हॉलिडे (13) को आउट किया। केटी मार्टिन और हेले जेन्सेन को दीप्ति को बोल्ड किया।

भारत के विकेट हासिल करने के बावजूद अमेलिया ने एंकर की भूमिका निभाई और टीम को तीन विकेट से जीत दर्ज करके श्रृंखला में 2-0 की बढ़त दिलाई। भारत के लिए दीप्ति ने चार विकेट झटके। गायकवाड़, यादव और कौर को एक-एक विकेट मिला।

सब्भिनेनी मेघना और शैफाली वर्मा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की। रोज़मेरी मैयर ने इस साझेदारी को तोड़ा और वर्मा को 24 रन पर 12 वें ओवर में कैच आउट किया।

मंधाना, झूलन एकदिवसीय रैंकिंग में नीचे खिसकी

दुबई, 15 फरवरी। अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी और स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना आईसीसी महिला एक दिवसीय रैंकिंग में क्रमशः चौथे और आठवें स्थान पर खिसक गई हैं। भारतीय एकदिवसीय कप्तान मिताली राज मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में 744 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली से सिर्फ पांच अंक पीछे हैं, जो 749 अंकों के साथ एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर मौजूद हैं। न्यूजीलैंड की एमी सैटर्थवेट ने ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को पीछे छोड़ दिया है और 730 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई। मूनी 705 रेटिंग के साथ छठे स्थान पर खिसक गईं।

स्मृति मंधाना और रेणुका सिंह वनडे मैचों के लिए रहेगी उपलब्ध

क्वींसटाउन, 15 फरवरी। भारतीय महिला टीम न्यूज़ीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में 0-2 से पिछड़ चुकी है लेकिन सलामी बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना और रेणुका सिंह सीरीज के शेष मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगी। मंधाना ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से ये साफ़ किया कि उनका क्वारंटीन पीरियड अब ख़त्म हो गया है, यानि वह अब न्यूज़ीलैंड सरकार द्वारा अनिवार्य आइसोलेशन और क्वारंटीन से बाहर आ गई हैं। भारतीय दल में जुड़ने और फ़िटनेस टेस्ट में पास होने के बाद दौरे पर बचे हुए मैचों के लिए वह उपलब्ध हो जाएंगी।

क्रिकइंफ़ो को मिली जानकारी के मुताबिक़ सीमर मेघना सिंह भी मंगलवार को क्वारंटीन से बाहर आ जाएंगी। इससे पहले रेणुका सिंह का क्वारंटीन पीरियड 13 फ़रवरी को समाप्त हो गया था। हालांकि बीसीसीआई की ओर से अभी तक इन तीनों ही खिलड़ियों के ऊपर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, ऐसी जानकारी मिली है कि इनमें से एक का कोविड-19 टेस्ट पॉज़िटिव आया था। न्यूज़ीलैंड आने से पहले ये इन तीनों ही खिलाड़ियों ने वैक्सीनेशन का दोनों डोज़ लिया था।

ऐसा माना जा रहा है कि ये तीनों ही खिलाड़ी 18 फ़रवरी से दल के साथ होंगी और चयन के लिए भी उपलब्ध रहेंगी। मंधाना, मेघना और रेणुका इकलौता टी20 अंतर्राष्ट्रीय और पिछले दोनों वनडे मैचों में भारतीय टीम के साथ नहीं थीं। टी20 अंतर्राष्ट्रीय में भारत को 18 रन से हार मिली थी जबकि पहले वनडे में मेज़बान टीम को 62 रन से जीत हासिल हुई थी और दूसरे वनडे में भी जीत का सेहरा न्यूज़ीलैंड के सिर बंधा था। न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ इस सीरीज़ को वनडे विश्वकप की तैयारियों के लिहाज़ से देखा जा रहा है, जिसकी शुरुआत अगले महीने होने जा रही है।

भारतीय पुरुष टीम दक्षिण कोरिया से 0-5 से हारी

शाह आलम (मलेशिया), 15 फरवरी। भारत की पुरुष टीम ने बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में निराशाजनक शुरुआत की और मंगलवार को उसे दक्षिण कोरिया के हाथों 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने तीन एकल और दो युगल सहित अपने सभी पांच मैच गंवा दिए। पहले मैच में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता और इंडिया ओपन के पुरुष एकल चैंपियन लक्ष्य सेन को जियोन ह्यूक के हाथों लगातार गेमों में 11-21, 19-21 से पराजय झेलनी पड़ी। किरण जॉर्ज को जू वान किम से 18-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। मिथुन मंजुनाथ को मिन सुन जियोंग से तीन गेमों में 16-21, 27-25, 14-21 से हार झेलनी पड़ी। युगल में पीएस रवि कृष्णा और शंकर प्रसाद को हवि तेई किम और किम जेईहान से 8-21, 10-21 से हार गए जबकि योग जिन और ना सुंग सियुंग ने डिंकू सिंह कुंथुजाम और मंजीत सिंह को 21-7, 21-15 से पराजित किया।

रणजी ट्रॉफी में हाथ पर टेप लगाकर गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे गेंदबाज

नयी दिल्ली, 15 फरवरी। रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में गेंदबाज इस बार गेंदबाजी हाथ पर टेप लगा कर गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से इस संबंध में नया नियम बनाया है।बीसीसीआई के इस नए नियम के मुताबिक गेंदबाज को किसी भी कारण से उस हाथ पर टेप लगाने की अनुमति नहीं होगी, जिससे वह गेंदबाजी करता है। गेंदबाज को गेंदबाजी करने के लिए अपने गेंदबाजी हाथ से सभी प्रकार की टेप को हटाना होगा। इसमें कोई छूट नहीं दी जाएगी। वहीं अगर उसके हाथ पर कोई प्लास्टर लगा है तो वह स्किन या उसके जैसे रंग का होना चाहिए या ऐसा होना चाहिए जो बल्लेबाज को परेशान न करे।

बीसीसीआई ने इसके अलावा इंजरी ब्रेक की समय सीमा भी चार मिनट तक सीमित कर दी है। इस संबंध में नया नियम कहता है, अगर कोई भी खिलाड़ी मैदान पर गंभीर रूप से घायल हो जाता है या किसी भी तरह की चोट लगती है और उसे चिकित्सा की आवश्यकता होती है तो उस खिलाड़ी को चोट से उबरने और मैच में भाग लेने के लिए तैयार होने के लिए अधिकतम चार मिनट का समय दिया जाएगा। अगर उसे इससे ज्यादा समय चाहिए तो उसे मैदान छोड़ना होगा।

सफेद गेंद श्रृंखला के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

लंदन, 15 फरवरी। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम इस वर्ष बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों के बाद सफेद गेंद श्रृंखला (तीन वनडे, तीन टी-20) के लिए भारत की मेजबानी करेगी। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। ईसीबी ने एक बयान में कहा, राष्ट्रमंडल खेलों और'द हंड्रेड' टूर्नामेंट के बाद इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम तीन टी-20 और तीन वनडे मैचों के लिए भारतीय टीम की मेजबानी करेगी। दौरे का समापन 24 सितंबर को लॉर्ड्स में वनडे मैच के साथ होगा। उल्लेखनीय है कि भारत की मेजबानी से पहले इंग्लैंड सात शहरों में 27 जून से 27 जुलाई तक मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा, जिसमें एकमात्र टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी-20 मैच शामिल हैं। दोनों टीमों 2018 से किसी भी प्रारूप में एक-दूसरे के खिलाफ नहीं खेली हैं।

जयपुर पोलो सत्र में मंगलवार से शुरू हुए 14 गोल के सिरमूर कप के पहले मैच में सुजान इंडियन टाइगर्स ने सहारा वारियर्स को 7-5 से हराया। टाइगर्स के लिए टोमस फर्नोंडेज ने पांच, लॉस वाटसन और जैंसल सिंह ने एक-एक गोल किया। वारियर्स के लिए जुआन क्रुज ने पांच गोल किए। दूसरे मैच में वाय वीये-सोना ने लॉस पोलिस्ट्स पोलो को 12-8 से हराया। सोना के लिए अगस्तीन गार्सिया और अभिमन्यु पाठक ने पांच गोल किए, अंगद कलान ने दो गोल किये। लॉस पोलिस्ट्स पोलो के लिए सिद्धांत शर्मा ने चार, मैन्युअल फर्नोंडेज ने तीन और विशाल चौहान ने एक गोल किया।

करो या मरो के मुकाबले में भिड़ेंगे ओडिसा और चेन्नइयन

वास्को, 15 फरवरी। चेन्नइयन एफसी और ओड़िसा एफसी हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए बुधवार को वास्को डे गामा स्थित तिलक मैदान स्टेडियम में करो या मरो के मुकाबले में भिड़ेंगे। ओड़िसा 16 मैचों में छह जीत और तीन ड्रा से 21 अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। चेन्नइयन 16 मैचों में 19 अंकों के साथ उससे एक स्थान नीचे आठवें पायदान पर है। इन दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ में पहुंचना टेढ़ी खीर है, क्योंकि लीग में अब केवल चार दौर के मैच ही खेले जाने हैं। बुधवार को इन दोनों में से जो भी टीम हारती है, तो उसके लिए आगे बढ़ना असंभव हो जाएगा। ओड़िसा को पिछले मैच में मुंबई सिटी एफसी से 1-4 की करारी शिकस्त मिली थी।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टी-20 में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया, ली 3-0 की अजेय बढ़त

कैनबरा, 15 फरवरी। तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन (21 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी और कप्तान आरोन फिंच (35) तथा विस्फोटक बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल (39) की शानदार पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को यहां तीसरे टी 20 क्रिकेट मैच में श्रीलंका को एकतरफा अंदाज में छह विकेट से हराया और पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त ले ली।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीत कर श्रीलंका को बल्लेबाजी का न्योता दिया और घातक एवं कसी हुई गेंदबाजी से उसे 20 ओवर में छह विकेट पर 121 रन पर रोक दिया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16.5 ओवर में चार विकेट पर 124 रन बना कर मैच जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से रिचर्डसन ने सधी हुई गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 21 रन पर तीन विकेट लिए, जिसके उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया। उनके अलावा जोश हेजलवुड, एश्टन एगर और ग्लेन मैक्सवेल ने एक-एक विकेट लिया। बल्लेबाजी में कप्तान फिंच ने तीन चौकों की मदद से 36 गेंदों पर 35 और मैक्सवेल ने तीन चौकों और दो छक्कों के सहारे 26 गेंदों पर 39 रन की पारी खेली, जबकि अंत में जोश इंग्लिस और मार्कस स्टॉयनिस ने क्रमशः 18 गेंदों पर 21 और आठ गेंदों पर 12 रन बना कर टीम को मैच जिताया।

श्रीलंका के लिए ऑफ ब्रेक स्पिनर महेश थीक्षाना ने चार ओवर में 24 रन पर सर्वाधिक तीन और लेग ब्रेकर जेफरी वेंडरसे ने चार ओवर में 32 रन पर एक विकेट लिया। वहीं बल्लेबाजी में कप्तान दासुन शनाका ने पांच चौकों की मदद से 38 गेंदों पर 39 रन की नाबाद पारी खेली। उनके अलावा अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश चांदीमल ने 29 गेंदों पर 25 रन बनाए। दोनों टीमों के बीच अब शुक्रवार को मेलबोर्न क्रिकेट ग्राउंड में सीरीज का चौथा मैच खेला जाएगा।

क्वारंटीन से बाहर आई मंधाना, भारतीय टीम से जुड़ेगी

क्राइस्टचर्च, 15 फरवरी। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने मंगलवार को यहां अपना बढ़ा हुआ क्वारंटीन पूरा कर लिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज के शेष मैचों के लिए भारतीय टीम से जुड़ने के लिए क्वीन्सटाउन के लिए रवाना हो गईं। मंधाना ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में तस्वीर साझा करते हुए लिखा, आखिरकार क्वारंटीन से बाहर हूं। टीम के साथ वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती।

खेल परिषद् अध्यक्ष डॉ. कृष्णा पूनिया ने खेल मैदानों का किया निरीक्षण

जयपुर, 15 फरवरी। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् की अध्यक्ष डॉ. कृष्णा पूनिया ने मंगलवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित खेल मैदानों का निरीक्षण किया, खिलाड़ियों की समस्यायें सुनीं और खेल मैदानों की कायापलट करने का आश्वासन दिया। पद्मश्री डॉ. कृष्णा पूनिया खेल परिषद् का कार्यभार संभालने के एक दिन बाद ही एक्शन मोड में नजर आईं। सायं एथलेटिक्स, आर्चरी, जिम्नास्टिक, बॉक्सिंग, हैण्डबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल व ताइक्वांडो व फुटबॉल खेल मैदानों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आर्चरी में रजत चौहान से फीडबैक लिया और आर्चरों से कोचिंग व उपकरणों संबंधित जानकारी हासिल की। एथलेटिक्स मैदान मे डॉ. कृष्णा ने एथलीटों से उनकी समस्यायें सुनीं। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि एक एथलीट की हैसियत से उन्हें पता है कि एथलीटों की क्या रिक्वायरमेंट होती है। उन्होंने एथलेटिक्स ट्रेक के पास में ही एक जिम की व्यवस्था करने या अन्य स्थान पर एथलीटों के लिए जिम स्थापित करने के बारे में विचार करने और इस संबंध में प्रस्ताव पेश करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये।

जिम्नास्टिक हॉल में बॉक्सिंग रिंग को पृथक स्थान पर लगाने की व्यवस्था करने का आग्रह जिम्नास्टिक कोच गोपाल शर्मा ने दिया तो डॉ. कृष्णा ने उन्हें इस संबंध में अन्यत्र व्यवस्था करने के प्रस्ताव देने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों से व्यक्तिशः बात की और उनकी समस्यायें सुनीं। उन्हें शीघ्र हल करने का आश्वासन दिया। परिषद् अध्यक्ष वॉलीबॉल व बास्केटबॉल मैदानों से काफी प्रसन्न नजर आईं और वहां उन्हें किसी भी खिलाड़ी और प्रशिक्षक ने कोई समस्या नहीं बताई। हैण्डबॉल कोच मोहम्मद कासिम ने उन्हें मैदान के चारों ओर फेंसिंग कराने का प्रस्ताव रखा। इस दौरान सहायक अभियंता विनोद कुमार वर्मा को उन्होंने प्रस्ताव बनाकर देने के निर्देश दिये।

एएफआई ने विश्व पैदल चाल चैम्पियनशिप 2022 के लिए घोषित की टीम

नयी दिल्ली, 15 फरवरी। एथलेटिक्स महासंघ ऑफ इंडिया (एएफआई) ने मंगलवार को ओमान की राजधानी मस्कट में 4-5 मार्च को होने वाली विश्व एथलेटिक्स पैदल चाल टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। एएफआई चयनकर्ताओं की ओर से चुनी गई 11 सदस्यीय टीम में 20 वर्षीय प्रतिभाशाली रेस वॉकर सूरज पंवार और मुनीता प्रजापति को भी चुना गया है, जिन्हें पहली बार सीनियर रैंक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा।

श्रीलंका का भारत दौरा पुनर्निर्धारित, बेंगलुरु में होगा डे-नाईट टेस्ट

मुंबई, 15 फरवरी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को श्रीलंका के आगामी भारत दौरे के पुनर्निर्धारित होने की घोषणा की। बीसीसीआई के मुताबिक दोनों टीमें अब पहले तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलेंगी और उसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी, जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2021-23 का हिस्सा है। लखनऊ 24 फरवरी को पहले टी-20 मैच की मेजबानी करेगा, जबकि शेष दो टी-20 मैच 26 और 27 फरवरी को धर्मशाला में खेले जाएंगे। इसी तरह पहला टेस्ट मैच अब चार से आठ मार्च तक मोहाली, जबकि दूसरा मैच 12 से 16 मार्च तक बेंगलुरु में खेला जाएगा।बेंगलुरु टेस्ट डे -नाईट टेस्ट होगा। उल्लेखनीय है कि मूल शेड्यूल के मुताबिक श्रीलंका को भारत के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच खेलने थे जो क्रमशः 25 फरवरी से एक मार्च तक बेंगलुरु और पांच मार्च से नौ मार्च तक मोहाली में होने थे। वहीं तीन मैचों की टी-20 सीरीज मोहाली में 13 मार्च से शुरू होनी थी। दूसरा मैच 15 तारीख को धर्मशाला और तीसरा 18 मार्च को लखनऊ में खेला जाना था। बीसीसीआई ने भारत और श्रीलंका के बीच होने वाली घरेलू सीरीज़ की तारीख़ों में बदलाव किया है। अब पहले तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज़ खेली जाएगी।

राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार के लिए तीन दिन के लिए पंजाब में हैं। लगातार दो दिन वे बटाला, शहीद भगत सिंह नगर, संगरूर सहित कई क्षेत्रों में प्रचार कर चुके हैं। वहीं, तीसरे दिन, बुधवार को भी सचिन पायलट पंजाब में चुनाव प्रचार करेंगे। इसी चुनाव प्रचार कार्यक्रम के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा भी मंगलवार को पंजाब पहुंचीं। इस दौरान चडीगढ़ हवाई अड्डे पर प्रियंका गांधी और सचिन पायलट की मुलाकात भी हुई। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने चुनाव प्रचार के अनुभव साझा किए। पंजाब में 20 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले कांग्रेस के नेताओं ने यहां पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार तेज कर दिया है।

भूपेश बघेल से बात नहीं बनी तो मुद्दा सीधे सोनिया गांधी तक पहुंचाया गहलोत ने

मुख्यमंत्री गहलोत ने तीसरी बार पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ से कोयला आपूर्ति के मामले में सोनिया गांधी से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया

- **केन्द्र सरकार ने राजस्थान के बिजलीघरों को कोयला आपूर्ति के लिए छत्तीसगढ़ से कोयले की आपूर्ति की व्यवस्था कर रखी है।**
- **लेकिन छत्तीसगढ़ में राज्य स्तर पर मंजूरी मिलने में देरी के कारण अधिकतर कोयला खनन का कार्य अटका पड़ा है। मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा है कि, यदि छत्तीसगढ़ से जल्द आपूर्ति नहीं शुरु हुई तो राजस्थान में गम्भीर बिजली संकट पैदा हो सकता है।**

नई दिल्ली, 15 फरवरी। कांग्रेस के दो मुख्यमंत्रियों के बीच बात नहीं बने तो फिर मुद्दा सोनिया गांधी तक पहुंच जाता है। यह मामला छत्तीसगढ़ से राजस्थान को कोयला आपूर्ति का है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के बिजली संयंत्रों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार से कोयला ब्लॉक की मंजूरी में देरी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने पत्र में राज्य में बिजली संयंत्रों के लिए छत्तीसगढ़ से कोयला खनन को लेकर तेजी से मंजूरी को उनसे हस्तक्षेप का आग्रह किया है। इस मामले में तीन महीने में सोनिया गांधी को लिखा गया यह तीसरा पत्र है।

केन्द्र सरकार ने राजस्थान के बिजलीघरों को कोयला आपूर्ति के लिए छत्तीसगढ़ से कोयले की आपूर्ति की व्यवस्था कर रखी है। लेकिन राज्य स्तर पर मंजूरी में देरी से अधिकतर कोयला खनन का कार्य अटका पड़ा है। गहलोत ने इससे पहले एक दिसंबर, 2021 को सोनिया गांधी को पत्र लिखा था। उसके बाद उन्होंने 10 फरवरी को पत्र लिखा। पत्र की कॉपी के मुताबिक राजस्थान में बिजली संकट पैदा हो सकता है। इसका कारण 4,340 मेगावॉट क्षमता के बिजली संयंत्र के पास कोयले की कमी हो गई है। संयंत्र को छत्तीसगढ़ में आवंटित कोयला ब्लॉक से ईंधन नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि यह राजस्थान सरकार के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है और इससे अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो सकती है क्योंकि दोनों राज्य कांग्रेस शासित हैं।

मुख्यमंत्री गहलोत ने लिखा है कि, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया मामले में हस्तक्षेप करें और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को सलाह दें कि भविष्य में राज्य में बिजली संकट से बचने के लिये राजस्थान को जल्द-से-जल्द खनन गतिविधियों को शुरू करने को लेकर कोयला ब्लॉक के लिये सभी जरूरी लंबित मंजूरियां सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर और अक्टूबर में राजस्थान के बिजलीघरों में कोयले की कमी के कारण राज्य में कई-कई घंटे बिजली की कटौती हुई थी। गहलोत ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को इससे पहले पत्र लिखा था, लेकिन मामले का हल नहीं निकलने के बाद उन्होंने सोनिया गांधी को पत्र लिखा है।

केन्द्र सरकार ने राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आर.वी.यू.एन.एल.) को 2015 में छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में तीन कोयला ब्लॉक आवंटित किये थे। लेकिन उनमें से केवल एक ही में उत्पादन शुरू हो पाया। दो अन्य ब्लॉक प्रक्रिया संबंधी देरी में फंस गये। आर.वी.यू.एन.एल. परसा पूर्व और कांता बसन (पी.ई.के.बी.) ब्लॉक से 1.5 करोड़ टन कोयले का उत्पादन करती है। अन्य परसा तथा केंते विस्तार ब्लॉक के खुलने से उत्पादन दोगुना हो जाएगा। आर.वी.यू.एन.एल. के 4,340 मेगावॉट क्षमता के बिजली संयंत्र परसा पूर्व और कांता बसन ब्लॉक से जुड़े हैं। गहलोत ने लिखा है कि शुरू में, पहले चरण में इस कोयला ब्लॉक के 762 हेक्टेयर वन भूमि से खनन कार्य वर्ष 2013 में शुरू हुआ और वर्तमान में यह उच्च क्षमता पर काम कर रहा है। इस कोयला ब्लॉक से खनन फरवरी, 2022 के बाद समाप्त होने की आशंका है। गहलोत ने कहा कि इसीलिए, इस कोयला ब्लॉक से खनन जारी रखना अत्यावश्यक है और इसके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ प्रयास किये जा रहे हैं।

'युवा राजनीति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के संस्थापक भी है, को नटवर सिंह के अपने जोर बाग स्थित निवास पर हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि उन्हें भारत की आजादी, महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरू का इतिहास पढ़ना चाहिए और जानना चाहिए कि गांधी जानते थे कि अहिंसा के माध्यम से अंग्रेजों को कैसे हटाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में उन्हें युवाओं में कोई आदर्श व्यक्ति नजर नहीं आता है पर उन्होंने लोकसभा सदस्य और नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले (52 वर्ष) का नाम लिया जो युवाओं के लिए आदर्श सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि वे अच्छी राजनीतिज्ञ है और संसद में अच्छा बोलती हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि, ममता बनर्जी में काफी संभावनाएं हैं पर पूरे भारत में उनकी स्वीकृति अभी भी स्थापित नहीं है।

सुप्रिया एवं ममता दोनों ही 50 साल से ऊपर की हैं पर 93 वर्षीय नटवर सिंह के लिए वे युवा हैं।

राजस्थान में भरतपुर के जाट राज परिवार के नटवर सिंह से साक्षात्कार कर्ता की मुलाकात उनकी विवादास्पद आत्मकथा ''वन लाइफ इस नॉट इनफ'' के सिलसिले में हुई थी। उन्होंने कहा कि वे महात्मा गांधी पर एक छोटी किताब लिख रहे हैं जो उनकी जयंती 2 अक्टूबर को प्रकाशित होगी।

''सैक्युलर''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वर्षों में कभी भी ''धर्मनिरपेक्षता'' शब्द का प्रयोग नहीं किया। नटवर सिंह ने कहा कि ''यह एक धर्मनिरपेक्ष देश है और यदि यह सुरक्षित नहीं है तो हम संकट में हैं।''

उन्होंने उल्लेख किया कि उन्होंने तीन प्रधानमंत्रियों- जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के अधीन काम किया है, जिनमें से इंदिरा गांधी के अधीन कार्य करना उन्हें सबसे अच्छा लगा।

यह रहस्यमय ''बाबा'' कौन है, जिसने नैशनल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निश्चित मौलिक रूप तथा निश्चित पता-ठिकाना नहीं है। वैसे वह ज्यादातर हिमालत पर्वत श्रेणियों में रहता है।

प्रो. वल्लम ने रामकृष्णा और उस रहस्यमय बाबा के बीच के ईमेल अदान-प्रदान के बड़े घृणित उद्धरण भी जारी किया। रामकृष्णा का कहना है कि बाबा पिछले दो दशकों से उसका मार्गदर्शन कर रहा था। वल्लम ने पूछा कि प्रधानमंत्री तथा वित्त मंत्री भारत के इस सर्वकालिक वित्तीय घोटाले पर ''चुप'' क्यों हैं तथा बाबा द्वारा भेजे गये ईमेलों के आई पी ऐड्रस का अभी तक पता क्यों नहीं किया गया।

उन्होंने सेबी पर भी सवाल खड़े किये कि जब घोटालों के तथ्यों की जानकारी मिली तथा 2016 में चित्रा रामकृष्णा को हटाया गया, तब से अब तक, यानी 6 साल तक सेबी चुप क्यों रहा? उन्होंने यह भी पूछा कि सेबी तलाश एवं जब्ती के लिए विशेषज्ञों की सेवा क्यों नहीं ले रही तथा पिछले 6 सालों में यह मामला जांच-पड़ताल के लिए सी.बी.आई., एस एफ आई ओ, ई डी या आई टी को क्यों नहीं सौंपा गया। उन्होंने पूछा कि सेबी को ऐसा करने से आखिर कौन रोक रहा है?

एक अज्ञात व्यक्ति, जिसे रामकृष्णा बाबा या योगी कहती हैं, के ईमेल अंश, जो इस कांग्रेस नेता ने जारी किये, बहुत उत्सुकता तथा उत्तेजना पैदा करने वाले हैं तथा यह संदेह भी किया जा रहा है कि बाबा और उसकी यह महिला शिष्या सैशल्स भागने की कोशिश में थे। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं -

17 फरवरी, 2005 : बैग तैयार रखो। मेरी अगले माह सैशल्स जाने की योजना है। इससे पहले कंचन, कंचना तथा भार्गव के साथ लंदन जाये, तुम कोशिश करो कि मेरे पास आ सको तथा दो बच्चों के साथ न्यूजीलैंड चली जाओ। आगे की यात्रा के लिए एच के या सिंगापुर होकर जाना ठीक रहेगा।

18 फरवरी 2015 : आज तुम बहुत अच्छी लग रही हो तुम्हें अलग रह से चोटी बनाना सीखना चाहिए जिससे तुम ज्यादा आकर्षक और अच्छी लगोगी -- मार्च के मध्य में खुद को फ्री रखना

25 फरवरी 2015 : मैंने कंचन से सुना जब तुमने कहा सामान बाधो और जाओ। तैयार रहे अब से उलटी गिनती शुरू हो गई है। मैं सैशल्स जाऊगी जहां आप लुत्फ उठा सकते हैं।

16 सितंबर, 2015 : मैने तुम्हे जो मकर कुण्डला गीत भेजा था क्या तुमने उसे सुना - - - तुम्हारे चेहरे पर खुशी देख कर मैं खुश हूं। ये छोटी-छोटी चीजें जो तुम अपने लिए करती हो तुम्हें युवा व ऊर्जावान महसूस करवाती है।

2 मार्च 2015 : तुम्हारी फॉरेन शेयर होल्डर्स रिप्रेजेंटेशन कमेटी से मेरी अच्छी दोस्ती है और डिविडेंड भुगतान के अंतर्राष्ट्रीय चलन, जो पूरे विश्व में स्वीकृत है, पर तुमसे व्यक्तिश: बात करना चाहूंगा --- मैं भारत आ रहा हूं तथा 7 और 8 मार्च से दिल्ली में रहूंगा और इन दोनों दिनों में से किसी भी दिन तुमसे मिल कर मुझे खुशी होगी, तुम देख लेना तुम्हारी सुविधा से। चूंकि 7 को बहुत व्यस्तता है, फिर 8 तारीख को दोपहर तक काम है उसके बाद बसंत विहार में मेरे इंडिया ऑफिस में हम मिल सकते हैं।

नवाज़ पटेल जो कि रामकृष्णा की सैक्रेटरी है, ने अज्ञात व्यक्ति को जवाब दिया कि रामकृष्णा रविवार, 8 मार्च 2015 को आप से मिलना चाहेंगीं। बताए गए समय व स्थान पर हम पहुंच जाएंगे। का ग्रुप ऑपरेटिंग ऑफिसर और अपना सलाहकार नियुक्त किया था, पर उसके काम-काज की कोई जानकारी नहीं है हालांकि उसे लगातार टॉप परफॉर्मर बताया गया और बाबा के कहे अनुसार उसके वेतन और भत्तों में भी वृद्धि की गई।

रामकृष्णा और सुब्रमण्यम पर सेबी ने रोक लगाई थी कि वे सेबी द्वारा रजिस्टर्ड किसी भी मार्केट इन्फ्रास्टक्चर संस्था या अर्न्तमध्यमस्थ से तीन साल तक कोई सरोकार नहीं रखेगे। सेबी ने एन.एस.ई. को आदेश दिया कि रामकृष्णा 'एक्सैस लीव'' भुगतान (1.54 करोड़ रु.) को जब्त कर लिया जाए और 2.83 करोड़ रु. बोनस रद्द कर दिया जाए जिसे एक्सचेंज ने कायम रखा और राशि 6 दिन के भीतर ही इन्वैस्टर प्रोटैक्शन ट्रस्ट फंड में जमा करवा दी गई। इसके अलावा सेबी ने एन.एस.ई. को 6 माह की अवधि तक कोई भी उत्पाद जारी करने से रोक दिया है।

राजसमंद पुलिस ने एक होटल में रेड डालकर यहां रेव पार्टी कर रहे 18 युवक-युवतियों को गिरफ्तार किया है।

रेव पार्टी कर रहे 14 युवक व चार लड़कियाँ गिरफ्तार

राजसमंद के द्वारकेश रिसॉर्ट एण्ड वॉटर स्पा में चार महीने में दूसरी बार रेव पार्टी पकड़ी गई है

- **पार्टी में शामिल युवकों में से 10 गुजरात के व शेष अन्य डूंगरपुर और आसपास के हैं।**
- **यह होटल स्थानीय भाजपा नेता वेणीराम कुमावत का है जो उन्होंने ठेके पर दे रखा है।**

राजसमंद, 15 फरवरी (निसं)। राजनगर थाना पुलिस ने मंगलवार अल सुबह एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्थानी भाजपा नेता वेणीराम कुमावत की होटल में रेड की रेव पार्टी पकड़ी। हालांकि पता लगा है कि होटल मालिक ने रिसॉर्ट को ठेके पर दे रखा है।

पुलिस ने कार्यवाही में नैशनल हाईवे आठ बडारडा स्थित द्वारकेश रिसॉर्ट एंड वॉटर पार्क से 14 युवकों और चार युवतियों को गिरफ्तार किया है, जो रेव पार्टी कर रहे थे। पुलिस ने मौके से 3 कारें भी जब्त की है। गौरतलब है कि राजनगर पुलिस ने 4 महीने में इसी होटल पर यह दूसरी रेव पार्टी पकड़ी है।

राजनगर थाना अधिकारी डॉ. हनवंत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि बीती रात बडारडा स्थित द्वारकेश रिसॉर्ट एंड वॉटर पार्क पर रेव पार्टी होने की सूचना मिली तो पुलिस के होटल पर रेड की और वहां से डेढ दर्जन युवक और युवतियों को गिरफ्तार किया। पुलिस जब रिसॉर्ट पहुंची तो रेव पार्टी में अश्लीलता की हदें पार हो रही थीं। पकडी गई लडकियां दिल्ली की बताई जा रही है, जबकि पार्टी में शामिल युवकों में से 10 गुजरात के हैं, शेष अन्य डूंगरपुर और अन्य क्षेत्रों के बताए गए हैं, सभी लोग नशे में थे। पुलिस ने सुबह सभी 18 युवक-यवतियों का मेडिकल परीक्षण भी करवाया। अब पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

गिरफ्तार होने वालों में शामिल हैं; अंकुर बहल पुत्र ओमकार खत्री पेशा साउण्ड ऑपरेटर निवासी गोपाल पार्क कृष्णा नगर नई दिल्ली; विनोद कुमार पुत्र सुभाष कुमार वाल्मिकी पेशा मैकेनिक ड्राईवर, निवासी डी 17-346 सेक्टर-3 रोहिवी, रोहिणी नई दिल्ली; कुलदीपसिंह राजपूत पुत्र राजेन्द्रसिंह पेशा होटल मैनेजर निवासी तालोरा-आसपुर, डूंगरपुर; कवित पटेल पुत्र पंकज भाई पटेल पेशा खेती निवासी अम्बाजी चौक कन्दारी कर्जन, बडोदरा; हिमांशु पटेल पुत्र शांतिलाल पटेल पेशा खेती निवासी हनुमान पुलिया, सनखेडा जिला छोटा उदयपुर गुजरात; ईशांत शाह पुत्र नरेश भाई पेशा व्यापार निवासी शीतल नगर-सोसायटी अंकित नगर बडोदरा; अंकित कुमार पुत्र सुरेशभाई पटेल पेशा खेती; दकरोश भाई पटेल पुत्र सुरेश भाई पटेल; पेशा व्यापारी, निवासी वागोदिया रिंग रोड, बडोदरा; दित्येश पुत्र नटवरलाल पटेल; बालकृष्ण पारिख पुत्र भीखालाल पारिख पेशा व्यापार, निवासी दशोरा रिंग रोड बडोदरा; भाविक शाह पुत्र प्रकाश भाई पेशा व्यापार निवासी बोडली जिला छोटा उदयपुर गुजरात; अंकित पटेल पुत्र प्रवीण भाई पटेल पेशा खेती निवासी स्टेरी ओपेक बंगला मकरपुरा, बडोदरा; विनोद कुमार चौहान पिता विठ्ठल भाई राजपूत पेशा खेती निवासी चारोला पटेल, बोडेली जिला छोटा उदयपुर गुजरात; हरिसिंह राजपूत पुत्र भवानीसिंह पेशा होटल नौकरी निवासी वास-ओगणा जिला उदयपुर, चीनू राठौड पुत्री गणेश ठाकुर निवासी सीढी पार्क जहांगीरपुरी, दिल्ली, हिना कुरैशी पत्नी कामरान खां निवासी ब्रह्मपुरी-उस्मानपुर दिल्ली; अमरजीत कौर पत्नि विजेन्द्रसिंह पंजाबी निवासी जगतपुरी, कडका डुमा नई दिल्ली, सीमा कुरैशी पत्नी सनोबर कुरैशी मुसलमान पेशा डांसर निवासी शास्त्री नगर सरोजनी नायडू पार्क ईस्ट दिल्ली।

लालू यादव को चारा घोटाले के एक मामले में सीधे जेल भेजा गया

पटना, 15 फरवरी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान को पटना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वे राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नेतृत्व वाली सरकार को बर्खास्त करने की मांग को लेकर जुलूस निकाल रहे थे। बिहार के लिए मंगलवार का दिन राजनीतिक रूप से बेहद अहम है। एक तरफ लोगों की नजरें लालू यादव को चारा घोटाले में लालू यादव को दोषी करार दिया है।

लोजपा के नेता-कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में गांधी मैदान से राजभवन पहुंचने की तैयारी में थे। चिराग राज्यपाल से नीतीश सरकार को बर्खास्त करने की अनुशंसा केंद्र से करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे पुलिस की लाठी खाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन अपने इरादे से पीछे नहीं हटेंगे।

चारा घोटाले के मामले में 139.35 करोड़ रुपए की अवैध निकासी के मामले में दोषी करार दिए गए बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को होटवार जेल भेज दिया गया है। उन्हें 21 फरवरी को सजा सुनाई जाएगी।

सी.बी.आई. की विशेष अदालत द्वारा दोषी करार दिए जाने के तुरंत बाद लालू यादव को हिरासत में ले लिया गया था।

'एक समय आता है,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं लाते? संक्षेप में इसका कारण है- क्योंकि कांग्रेस लोगों को जो पेश कर रही है, वह उन्हें स्वीकार्य नहीं है। और यह एक ऐसा प्रश्न है जिस पर पार्टी में चर्चा ही नहीं होती।''

मनमोहन सिंह सरकार में विधि मंत्री रहे अश्विनी कुमार ने सोनिया गांधी को भेजे अपने त्याग पत्र में कहा है कि यह निर्णय ''मेरी गरिमा के अनुरूप है। उन्होंने ''रूपान्तरकारी नेतृत्व'' के विचार से प्रेरित सार्वजनिक हित के कार्यों को आगे बढ़ाने का भी जिक्र किया।

उन्होंने इस बात से इंकार किया कि वे उनसे पहले पार्टी छोड़ने वाले नेताओं की तरह, भाजपा में जा रहे हैं।

अश्विनी कुमार ने कहा, ''मैंने इस बिन्दु पर सोचा ही नहीं है। मैं भाजपा में किसी से नहीं मिला हूँ। मैं साफ कहना चाहूँगा कि अभी तक इस मामले में मैंने कोई निर्णय नहीं लिया है। यह भी हो सकता है कि मैं किसी पार्टी में जाऊँ ही नहीं।'' उन्होंने कहा कि उन्हें निर्णय लेने की जल्दी भी नहीं है।

डॉ. अश्विनी कुमार पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस छोड़ने वाले वरिष्ठतम नेताओं में से एक हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के और भी कई पुराने नेता ऐसा ही महसूस कर रहे हैं।

हालाँकि कुमार के पार्टी छोड़ने से वोटों के रूप में कांग्रेस पर कोई खास फर्क पड़ने वाला नहीं है क्योंकि जमीनी स्तर पर उनका बड़ा ही सीमित प्रभाव है, फिर भी इस घटना का समय कुछ इस प्रकार तय किया गया है कि यह मीडिया के प्रमुख खबर तथा चर्चा का विषय तो बन ही जायेगी।

सूत्रों ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सहयोग से भाजपा के मीडिया मैनेजरों ने इस घटना को लपक लिया है ताकि कुमार के कांग्रेस छोड़ने की घटना से कांग्रेस के खिलाफ मनोवैज्ञानिक वातावरण बन सके।

यूक्रेन संकट अन्ततोगत्वा धीरे-धीरे खत्म...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वार्ताओं और फ्रांस के राष्ट्रपति का यह एक स्पष्ट अपमान था।

दूसरी ओर ओलाफ शौल्ज़ जर्मनी के नए चांसलर हैं जिन्होंने उन एंगेला मर्केल का स्थान लिया है जो रूस के संदर्भ में और यूरोपीय कूटनीति में काफी प्रभावी थीं, और जब मर्केल ने जर्मनी और उसकी सीमाओं पर बसे देशों के लिए बेहद जरूरी ईंधन को लेकर रूस से नैचुरल गैस की एक सीधी पाइपलाइन डालने की वकालत की तब उन्होंने रूस और पुतिन को एक तरह से काफी महत्व दिया।

यह जर्मनी के साथ ही यूरोप के भी हित में था। तथापि यह रूस के लिए भी एक लाइफलाइन है।

रूस की आर्थिक क्षमता के लिए प्राकृतिक गैस और तेल की बिक्री एक प्रमुख शर्त है और देश की क्षीण हुई अर्थव्यवस्था के लिए यह जरूरी आधार प्रदान करती है।

याद रखना होगा कि रूस ने ऊर्जा बिक्री और निर्यातों के कारण ही 6 सौ बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा युद्ध भण्डार जमा कर रखा था।

सोवियत वामपंथी सिस्टम के खत्म होने और रूस की अर्थव्यवस्था शुरू होने के बाद से ही वहां का निर्माण उद्योग ध्वस्त हो चुका है। वर्तमान परिस्थितियों में उसका एकमात्र दक्षक ईंधन और ऊर्जा उपकरणों का निर्यात है।

गैस और तेल के निर्यात से रूस की एक तिमारी की आय करीब 250 अरब डॉलर है। केवल जर्मनी के ही दृढ़ सहयोग से निर्मित की जा रही नई पाइपलाइन रूस को आय का एक स्थिर जरिया प्रदान करती है।

यूक्रेन को लेकर रखा जाने वाला कोई बैरभाव नॉर्डस्ट्रीम 2 पाइपलाइन के लिए बरती जा रही उदारता को समाप्त कर सकता था और एक तरह से उस सुनिश्चित आय को भी समाप्त कर देता, जिसे लेकर रूस काफी उत्कट है।

अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन ने राष्ट्रपति पुतिन के साथ हुई टेलीफोन वार्ता में इस आशंका का प्रत्यक्ष संकेत दिया था रूस के यूक्रेन पर होने वाले किसी आक्रमण की सूरत में जर्मनी ई.यू. के आगे उस पाइप लाइन प्रोजैक्ट को आगे बढ़ाने में बेबस होता।

बहरहाल, जर्मनी के नए चांसलर शौल्ज़ और उनकी कूटनीतिक पहल के कारण थमा यह संकट जर्मनी और उसके नए चांसलन को एक विशेष दर्जा प्रदान करता है। चांसलर शौल्ज़ को यूरोप के मामलों में सीधे ही एक प्रमुख पद मिल गया है और साथ ही रूस के अहम हित भी संरक्षित हैं।

यूक्रेन को लेकर राष्ट्रपति पुतिन के आक्रामक रूख ने वास्तव में उन्हें एक ऐसी स्थिति में डाल दिया था, जहां उनके पास अपनी लाज बचाकर भागने का कोई रास्ता नहीं बचा था। जर्मन चांसलर के रूस दौरे ने उन्हें वह जरूरी एस्केप रूट उपलब्ध करना दिया। लेकिन, फिर भी रूस के राष्ट्रपति ने महाशय मैक्रॉन का वह शांति प्रस्ताव क्यों नहीं स्वीकार किया, जो एक फ्रैंच तड़का लगाकर प्रस्तुत किया गया था? इसके दो पहलू हैं।

पहला तो यह कि, फ्रांस के राष्ट्रपति जब रूस दौरे पर थे तब रूस का रवैया इतना नरम नहीं पड़ा था। आखिरकार रूस यह नहीं चाहता था कि पूर्वी यूरोप और पश्चिमी देशों की शक्तियां रूस के ऐसे डर के साए में रहें कि जिससे रूस के प्रभाव वाले क्षेत्रों में नाटो का भविष्य में होने वाला कोई विस्तार रूक जाए।

रूस ने यह औपचारिक रूप्से मांग की थी कि नाटो को यह गारंटी देनी होगी कि वह पूर्वी यूरोप आगे कोई विस्तार नहीं करेगा और पूर्वी यूरोप के नाटो सदस्य देशों में मौजूद सेना को वापस बुला लिया जाए। रूस इसे लेकर पूर्ण अवगत था कि उसकी ये मांगे स्वीकार नहीं की जाएंगी।

तथापि, रूस की धमकी ने यह सुनिश्चित कर दिया कि निकट भविष्य में तो कम से कम नाटो का विस्तार नहीं होगा। कुल मिलाकर पश्चिमी यूरोप को यह बात एक बार फिर ज्ञात हो गई कि रूस ही वह शक्ति है जो आणविक शस्त्रों के मामले में अमेरिका की बराबरी कर सकती है।

अत: सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस ने अपने एक कथित अपमान का पूर्ण रूप से बदला ले लिया है। उसकी शिकायत थी कि उसे अपमानित किया जा रहा है और महत्वपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से दरकिनार किया जा रहा है। अमेरिका और यूरोप ने स्वीकार कर लिया है कि यदि रूस को एक बार छेड़ दिया जाए तो वह एक बड़ी चुनौती बन सकता है।

सोवियत संघ के पतन के तुरन्त बाद हर्षोल्लास जताने वाले पश्चिमी देशों को भी तगड़ा झटका लगा है और रूस का कूटनीतिक हमला भी इसी को लेकर था। और अंत में यदि इससे किसी को भारी निराशा हुई होगी तो वह है चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग।

राष्ट्रपति शी जिन्पिंग ने बीजिंग के विन्टर ओलम्पिक्स के उद्घाटन के दौरान राष्ट्रपति पुतिन को विशेष तवज्जो दी थी। राष्ट्रपति शी ताइवान पर अपनी कार्रवाईयों को लेकर परोक्ष रूप से यूक्रेन संकट पर नज़र रखे हुए थे।

यदि राष्ट्रपति पुतिन बेपरवाह होकर यूक्रेन पर आक्रमण कर देते तो राष्ट्रपति शी के लिए यह ताइवान पर आक्रमण करने का बहाना बन जाता।

यूक्रेन संकट ने जिस तरह से पलटी खाई हैं, उससे चीन के विकल्प और कम व प्रतिबंधित हो गए हैं।

भारत के लिए भी यह अच्छी बात है। यूक्रेन संकट से पुतिन का हाथ खींचना शक्ति प्रदर्शन के बजाए एक सर्वानुमति प्राप्त अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था का आधार तैयार करता है। भारत-चीन संबंधों के लिए यह अच्छा है।

राजधानी दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से संबंधित है। उन्होंने एक बड़ी बैंच द्वारा 14 फरवरी, 2019 को की गई सुनवाई का भी उल्लेख किया, जब न्यायमूर्ति ए.के. सीकरी तथा अशोक भूषण (दोनों ही सेवानिवृत्त) ने ''सेनाओं'' के प्रश्न पर अलग-अलग राय दी थी। इस केस में भाजपा-शासित केन्द्र सरकार तथा आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार के बीच का यह कानूनी विवाद भी शामिल है कि सिविल सर्विस किसके नियंत्रण में रहें।

विवादित बिन्दुओं में, आई.ए.एस. अधिकारियों के तबादले तथा पदस्थापन भी शामिल हैं।

आप सरकार लम्बे समय से केन्द्र पर यह आरोप लगाती आ रही है कि वे दिल्ली पर नियंत्रण करने के लिये लैफ्टिनेंट गवर्नर को काम में ले रही है तथा निर्वाचित सरकार के निर्णयों में बाधा डाल रही है।

सर्वोच्च न्यायालय की एक संविधान पीठ ने निर्णय दिया था कि पुलिस, भूमि तथा सार्वजनिक व्यवस्था केन्द्र के अधिकार क्षेत्र में हैं तथा शेष सारे काम दिल्ली सरकार के अधिकार में हैं। अब सेवानिवृत्त हो चुके न्यायमूर्ति ए.के. सीकरी की अध्यक्षता वाली बैंच ने सर्विस मैटर पर विभाजित फैसला दिया था तथा इसलिये इसके बाद यह प्रकरण तीन जजों की बैंच के पास भेज दिया गया था। अब सेवानिवृत्त हो चुके जस्टिस अशोक भूषण ने कहा था कि सेवाओं पर दिल्ली सरकार का कोई अधिकार नहीं है। जस्टिस सीकरी ने बीच का रास्ता अपनाया था।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908